हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष : 12, अंक : 34, पृष्ठ : 12 | नई दिल्ली 17 फरवरी से 28 फरवरी 2022 | RNI NO. DELHIN/ 2009 28409 | मूल्य :- ₹5/

डोर स्टेप डिलीवरी योजना में तीन गुना ज्यादा सेवाएं होंगी शामिल- केजरीवाल 07

श्रेयस से हरफनमौला प्रदर्शन चाहती है टीम, कहा कप्तान रोहित ने 11

ख़ास ख़बर

गुपकर घोषणापत्र गठबंधन की बैठक श्रीनगर में 26 फरवरी को होगी

श्रीनगर। गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) की बैठक 26 फरवरी को होगी जिसमें परिसीमन आयोग के मसौदा प्रस्ताव समेत जम्मू कश्मीर की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की जाएगी।बीते हफ्ते पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा था कि पीएजीडी की बैठक 23 फरवरी को होगी। पांच दलों के गठबंधन के प्रवक्ता एमवाई तारिगामी ने यहां बृहस्पतिवार को कहा,' श्रीनगर में पीएजीडी की बैठक 26 फरवरी को होगी जिसमें जम्मू कश्मीर की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की जाएगी। भाजपा को छोड़कर सभी मुख्यधारा की पार्टियों ने परिसीमन आयोग के मसौदा प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि आयोग ने कवायद के लिए खुद निर्धारित किए मानदंडों का पालन नहीं किया है।

कटरा क्षेत्र में 3.5 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया

जम्मू। जम्मू कश्मीर के कटरा क्षेत्र में बृहस्पतिवार तड़के भूकंप का हल्का झटका महसूस किया गया। इसका केंद्र कटरा में था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 3.5 थी और यह सुबह तीन बजकर दो मिनट पर आया। उसने कहा कि भूकंप पांच किलोमीटर की गहराई में था। अधिकारी ने बताया कि जान-माल के नुकसान की अबतक कोई खबर नहीं है।

झारखंड के पतरातू बांध में नौ प्रजातियों के 680 प्रवासी पक्षी देखे गए

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले में लोकप्रिय पर्यटन स्थल पतरातू बांध में दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजातियों सहित नौ प्रजातियों के कुल 680 प्रवासी पक्षी देखे गए। उन्होंने कहा कि एशियाई जलीय पक्षी गणना, 2022 के तहत पक्षियों की गिनती की गई। यह गणना 12 फरवरी को समाप्त हुई। यह गणना अंतरराष्ट्रीय जलीय पक्षी गणना का हिस्सा थी और वन्यजीव संरक्षण सोसायटी के सहयोग से राज्य वन, पर्यावरण एवं वन्यजीव विभाग द्वारा आयोजित की गई थी।

रूस महज एक देश रहेगा या महाशक्ति

कीव। यूक्रेन की सीमाओं पर रूस की सेना की तैनाती के चलते लगातार पूर्वी यूरोप में तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस ने अपने सवा लाख सैनिकों की तैनाती को लेकर कहा है कि उसने अब उन्हें वापस बुलाना शुरू कर दिया है, लेकिन अमेरिका और नाटो देश इस बात पर भरोसा नहीं जता रहे हैं। ऐसे में यूक्रेन में लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस के बाद क्षेत्रफल की दृष्टि से यूक्रेन यूरोप का दूसरा सबसे बड़ा देश है और उसका किसी भी पाले में जाना उस पक्ष को मजबूत करेगा।

अपनी गलतियां स्वीकारने के बजाय नेहरू पर दोषारोपण कर रही है भाजपा सरकार

एजेंसी ■ चंडीगढ़

पूर्व प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस नेता मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पिछले सात साल से अधिक समय से सत्ता में हैं, लेकिन लोगों की समस्याओं के लिए वह अब भी देश को पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को दोषी ठहरा रही है। सिंह ने किसान आंदोलन,

विदेश नीति, महंगाई और बेरोजगारी समेत कई मामलों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने राजनीतिक लाभ के लिए कभी देश को नहीं बांटा या ना ही सच छिपाया।

पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए 20 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले सिंह ने पंजाबी भाषा में एक वीडियो संदेश में कहा, एक ओर देश महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहा है, तो दूसरी ओर पिछले साढ़े सात साल से सत्ता पर काबिज मौजूदा सरकार अपनी गलतियां स्वीकार करने और सुधार करने के बजाय, लोगों की समस्याओं के लिए अब भी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को दोषी ठहरा रही है। कांग्रेस ने यहां इस वीडियो संदेश को दिखाया। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री की सुरक्षा के नाम पर (पंजाब के) मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और राज्य के लोगों को बदनाम करने की कोशिश की गई।

मनमोहन सिंह से ऐसी आशा नहीं थी : सीतारमण

अर्थव्यवस्था को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करने पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पर पलटवार करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उन्हें भारत को सबसे कमजोर बनाने और देश में भीषण महंगाई के लिए याद किया जाता है। सीतारमण ने कहा, मैं आपका (मनमोहन) बहुत सम्मान करती हूं। मुझे आपसे यह आशा नहीं थी। उन्होंने यह जानना चाहा कि वह कहीं पंजाब विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए तो ऐसा नहीं कर रहे हैं।

लखीमपुर हिंसाः आशीष मिश्रा की जमानत का मामला एससी पहुंचा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर करके केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा की जमानत रद्द करने का अनुरोध किया गया है, जिसे लखीमपुर खीरी हिंसा के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। उक्त घटना में चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के गत 10 फरवरी के आदेश को रद्द करने के अनुरोध वाली एक पत्र अर्जी पर दर्ज स्वतः संज्ञान मामले में अधिवक्ताओं शिव कुमार त्रिपाठी और सी एस पांडा द्वारा एक प्रार्थनापत्र दाखिल किया गया है।

उन्होंने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राकेश जैन के नेतृत्व वाले विशेष जांच दल (एसआईटी) और अभियोजन पक्ष और उत्तर प्रदेश पुलिस से यह सवाल करने का अनुरोध किया गया है कि चीजों में देरी क्यों की जा रही है। साथ ही इसमें यह भी निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि आरोपपत्र वाली रिपोर्ट की एक प्रति प्रस्तुत की जाए।अर्जी में कहा गया है कि जमानत आदेश में स्पष्ट त्रुटि है क्योंकि उच्च न्यायालय ने एक निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए हो सकता है शब्द का उपयोग किया और कहा कि हो सकता है कि उक्त अपराध चालक द्वारा खुद को बचाने के लिए गति बढ़ाने के चलते हुआ हो। इसमें कहा गया है, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने जो फैसला दिया है वह कानून के लिहाज से टिकाऊ नहीं है क्योंकि उन्होंने इस पर ठीक तरह से विचार नहीं किया और प्रत्यक्ष साक्ष्य के समर्थन के बिना हो सकता है का सहारा लिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने गत 10 फरवरी को आशीष मिश्र को जमानत दे दी थी जो पिछले चार महीने से हिरासत में था। पिछले साल 3 अक्टूबर को, लखीमपुर खीरी में हिंसा के दौरान आठ लोगों की मौत हो गई थी। उक्त घटना उस समय हुई थी जब किसान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के इलाके के दौरे का विरोध कर रहे थे।

अब चन्नी के 'भइये' पर सियासत

पीएम मोदी ने किया पलटवार, प्रियंका ने किया चन्नी का बचाव

एजेंसी ■ नई दिल्ली/ लुधियाना

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले सीएम चरणजीत सिंह चन्नी यूपी-बिहार के भइये वाले बयान पर घिर गए है। चन्नी अब विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी इस टिप्पणी की निंदा की है। पीएम मोदी ने पंजाब के अबोहर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा है कि क्या सीएम चन्नी संत रविदास को भी निकाल देंगे? क्योंकि वह बनारस के थे। वहीं गुरु गोबिंद सिंह पटना के थे। सीएम के बयान के बाद राज्य के कई शहरों में धरने-प्रदर्शन तेज हो गए हैं। लुधियाना में पिछले दो दिन से पूर्वांचल समाज के लोग चन्नी के पुतले फूंक रहे हैं।

मंगलवार को रुपनगर में प्रियंका गांधी पार्टी प्रत्याशी के लिए प्रचार करने पहुंची थी। यहां रोड शो के दौरान प्रियंका की मौजूदगी में चन्नी ने कहा था कि 'ऐ जेहड़े यूपी दे, बिहार दे अते दिल्ली दे भइये आके इत्थे राज करना चांहदे ने, इत्थे वड़ण नहीं देणो'। चन्नी के इस

बयान पर प्रियंका गांधी ने तालियां बजाई थी। इसी कारण वह भी विरोधियों के निशाने पर आ गई थी। हालांकि चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि प्रवासियों से हमारा नाखून और मास का रिश्ता है। केजरीवाल और भाजपा वाले लोगों को गुमराह कर रहे है। मैंने जो बात अरविंद केजरीवाल और दुर्गेश पाठक को लेकर कही थी जिसे गलत ढंग से पेश किया गया है।

मोदी ने कहा कि इस तरह की विभाजनकारी सोच को एक पल के लिए भी पंजाब में राज करने का अधिकार नहीं है। यहां जो भी सरकार बने वह देश के लिए प्रतिबद्ध हो। जो लोग भारत को राष्ट्र ही नहीं मानते हम उनके भरोसे पंजाब नहीं सौंप सकते। कांग्रेस पंजाब को अस्थिरता की तरफ ले जाने का प्रयास कर रही है। जिनकी दिल्ली में सरकार है वह सिखों को डगर डगर पर अपमानित करते हैं। दिल्ली में एक भी सिख को मंत्री नहीं बनाया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी कहते हैं कि पंजाब में भइये नहीं आएंगे। उन्होंने पूछा कि क्या गुरुनानक देव जी ने यही संदेश दिया था। कांग्रेस बांटकर सत्ता हासिल करना चाहती है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि चन्नी को इसकी कोई जानकारी नहीं है कि बिहार के लोगों ने पंजाब की कितनी सेवा की है। यह सब बकवास है। मैं चकित हूं कि लोग ऐसी चीजें कैसे कह सकते हैं। क्या उन्हें (चन्नी) यह पता नहीं है कि बिहार के कितने लोग वहां (पंजाब में) रहते हैं।

चन्नी ने दी सफाई

मंगलवार को रूपनगर में प्रियंका गांधी पार्टी प्रत्याशी के लिए प्रचार करने पहुंची थी। यहां रोड शो के दौरान प्रियंका की मौजूदगी में चन्नी ने कहा था कि 'ऐ जेहड़े यूपी दे, बिहार दे अते दिल्ली दे भइये आके इत्थे राज करना चांहदे ने, इत्थे वड़ण नहीं देणो'। चन्नी के इस बयान पर प्रियंका गांधी ने तालियां बजाई थी। इसी कारण वह भी विरोधियों के निशाने पर आ गई थी। हालांकि चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि प्रवासियों से हमारा नाखून और मास का रिश्ता है। केजरीवाल और भाजपा वाले लोगों को गुमराह कर रहे है। मैंने जो बात अरविंद केजरीवाल और दुर्गेश पाठक को लेकर कही थी जिसे गलत ढंग से पेश किया गया है। कुछ लोग जानबूझकर उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं। जिसका गलत मतलब निकालकर गुमराह किया जा रहा है।

एबीजी शिपयार्ड के मामले पर प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री चुप क्यों हैं : कांग्रेस

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस ने बैंकों के 22,842 करोड़ रुपए से अधिक की कथित धोखाधड़ी मामले में एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड के खिलाफ मामला दर्ज होने की पृष्ठभूमि में बृहस्पतिवार को सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस मामले पर चुप क्यों हैं। पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने संवाददाताओं से कहा, मोदी सरकार

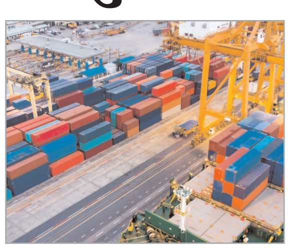

में 22,842 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी बैंकों से की गई। पांच साल के बाद सीबीआई ने आखिरकार प्राथमिकी दर्ज की। उन्होंने दावा किया, एबीजी शिपयार्ड का मालिक ऋषि अग्रवाल हमेशा से वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन में बतौर निवेशक शामिल होता था और 2013 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ आधिकारिक शिष्टमंडल में दक्षिण कोरिया भी गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अदालत ने अग्रवाल से 13975 करोड़ रुपए वसूली किए जाने का आदेश दिया, लेकिन सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। उनके मुताबिक, इसके बाद 31 मार्च, 2016 को ऋषि अग्रवाल ने खुलासा किया था।

यूक्रेनः भारतीयों की निकासी की अभी कोई योजना नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की यूक्रेन से अपने नागरिकों की निकासी की अभी कोई योजना नहीं है और उसका ध्यान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि हम सतत राजनयिक प्रयासों के जरिए दीर्घकालिक शांति एवं स्थिरता के लिए स्थिति के शांतिपूर्ण समाधान के पक्षधर हैं।

उन्होंने कहा कि कीव में भारतीय दूतावास वहां भारतीय छात्रों के सम्पर्क में है और जमीनी स्थिति पर

● विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की यूक्रेन से अपने नागरिकों की निकासी की अभी कोई योजना नही है और उसका ध्यान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर है।

करीबी नजर रखे हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हमारा पूरा ध्यान भारतीय नागरिकों, भारतीय छात्रों पर है तथा अन्य बातों को छोड़कर हमें इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि अभी वहां से निकासी की कोई योजना नहीं है और किसी विशेष उड़ान की व्यवस्था नहीं की गई है। यूक्रेन की सीमा पर स्थिति के बारे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यूक्रेन-रूस सीमा पर वास्तव में क्या हो रहा है, इसके बारे में हम ठोस कुछ नहीं कह सकते और जहां तक स्थिति की गंभीरता का सवाल है, यह स्पष्ट है कि जब भी हम कोई परामर्श जारी करते हैं तो एक आकलन के बाद ही करते हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में बागची ने कहा कि भारत और यूक्रेन के बीच एयर बबल व्यवस्था के तहत सीमित उड़ान हैं और उड़ान एवं यात्रियों की संख्या से संबंधित सीमाओं एवं रोक को हटा लिया गया है। उन्होंने कहा, भारतीय विमानवाहकों को भारत और यूक्रेन के बीच उड़ान के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कर्नाटकः मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़े कांग्रेस विधायक

एजेंसी ■ बेंगलुरु

कर्नाटक के ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री के. एस. ईश्वरप्पा को बर्खास्त करने और राष्ट्रीय ध्वज पर उनके बयान के लिए देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग कर रहे कांग्रेस विधायकों ने बृहस्पतिवार को विधानसभा और विधान परिषद में रात गुजारी। कांग्रेस सदस्यों द्वारा जारी विरोध दिन में दोनों सदनों में भी दिखा। कर्नाटक विधानसभा और विधानपरिषद में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन हंगामा जारी रहा।सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित होने के बाद भी कांग्रेस सदस्य वहीं रुके रहे। विधानसभा अध्यक्ष विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी और पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने बाद में विधानसभा परिसर में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक दल के नेता सिद्धारमैया से मुलाकात कर बातचीत की। इससे पहले, विधानसभा के बाहर पत्रकारों को संबोधित करते हुए, सिद्धारमैया ने भाजपा और संघ परिवार पर राष्ट्रीय ध्वज का अनादर करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस ने इस मुद्दे को तार्किक अंत तक ले जाने के लिए रातभर विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। हालांकि ईश्वरप्पा ने कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगे।

शादी की रस्म के दौरान कुएं में गिरने से 13 लड़कियों-महिलाओं की मौत

एजेंसी ■ कुशीनगर

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र में शादी की रस्म के दौरान कुएं में गिरने से 13 लड़कियों एवं महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है।

कुशीनगर के जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने बृहस्पतिवार को बताया कि नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के नौरंगिया टोला में बुधवार रात करीब

10 बजे परमेश्वर कुशवाहा नामक व्यक्ति के घर में शादी के लिए हल्दी की रस्म हो रही थी। उन्होंने बताया कि इसके तहत कुछ महिलाएं और लड़कियां कुएं के ऊपर लगी स्लैब पर बैठकर रस्म मटकोरबा अदा कर रही थीं। इस दौरान स्लैब टूट गया और उस पर बैठे सभी लोग कुए में जा गिरे। उन्होंने बताया कि इस घटना में कुल 13 लोगों की मौत हुई है, जिनकी पहचान पूजा (19), शशि कला (15), शकुंतला (35), ममता देवी (35), मीरा (25), पूजा (20), परी (एक), ज्योति (15), राधिका (16), सुंदरी (15), आरती (10), पप्पी (20) और मनु (18) शामिल है।

जिलाधिकारी ने बताया कि इस हादसे में करीब 10 अन्य लोग जख्मी भी हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की सहायता दी जाएगी।

व्यस्त बाजार में तृणमूल कांग्रेस नेता की चाकू घोंपकर हत्या

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के एक बाजार में बृहस्पतिवार की सुबह तृणमूल कांग्रेस के एक नेता की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने हमलावरों को पकड़ लिया और उनमें से एक की जमकर पिटाई की जिससे उसकी मौत हो गई।पुलिस ने बताया कि नूर सलाम बेग (45) की कोलकाता से 30 किलोमीटर दूर सरिशा हाट इलाके में तीन व्यक्तियों ने चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि वारदात सुबह आठ बजे की है और उस वक्त बेग अपनी बाइक खड़ी कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार हत्या के बाद वहां मौजूद लोगों ने दो हमलावरों को पकड़ लिया और उनकी जमकर पिटाई की। उन्होंने बताया कि उनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे को पुलिस ने बचा लिया।पुलिस ने बताया कि उसे डायमंड हार्बर अस्पताल में भर्ती कराया गया है और होश में आने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी। बेग के परिवार ने आरोप लगाया कि भूमि विवाद के चलते उनकी हत्या की गई है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने दावा किया कि हमले के पीछे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का हाथ है क्योंकि वह एक प्रभावशाली नेता थे।

कोलकाता निकाय चुनाव

बागियों को तृणमूल की चेतावनी, 48 घंटे में उम्मीदवारी वापस लें या निष्कासन

एजेंसी ■ कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को अपने बागी नेताओं को 48 घंटे के भीतर उम्मीदवारी वापस न लेने पर निष्कासन का सामना करने की चेतावनी दी। इन नेताओं ने निकाय चुनाव का टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पर्चा दाखिल किया है। पश्चिम बंगाल के 108 नगर निकायों में 27 फरवरी को मतदान होना है। झाड़ग्राम में संवाददाताओं से बातचीत में तृणमूल महासचिव पार्थ चटर्जी

ने कहा, हमारे बार-बार याद दिलाने के बावजूद जिलों में हमारी पार्टी के कुछ नेताओं ने नगर निकाय चुनावों में अपना नामांकन वापस नहीं लिया है। वे अपने इलाकों में वोट मांग रहे हैं। लोगों की महत्वाकांक्षाएं हो सकती हैं, लेकिन पार्टी के अनुशासन की कीमत पर नहीं। चटर्जी ने कहा, हम ऐसे नेताओं को 48 घंटे के भीतर चुनावी दौड़ से हटने की घोषणा करने का अल्टीमेटम दे रहे हैं। ऐसा नहीं करने पर उन्हें संबंधित जिला समितियों से निष्कासित कर दिया जाएगा।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कुछ जिलों में कुछ नेताओं के खिलाफ पहले ही निलंबन और निष्कासन की कार्वाई कर चुकी है।सप्ताह की शुरुआत में वरिष्ठ तृणमूल नेता फिरहाद हकीम ने भी ऐसा ही बयान जारी कर निर्दलीय के रूप में नामांकन दाखिल करने वाले नेताओं से चुनाव मैदान से हटने का आग्रह किया था।दूसरी ओर, उम्मीदवारों ने दावा किया है कि प्रत्याशियों की आधिकारिक सूची में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद लोग उनसे निर्दलीय के रूप में नामांकन दाखिल करने के लिए कह रहे थे और जनता की भावनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

हिजाब विवाद केवल आठ शिक्षण संस्थानों तक सीमित : कर्नाटक सरकार

एजेंसी ■ बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि हिजाब विवाद राज्य के कुल 75,000 संस्थानों में से केवल आठ हाई स्कूलों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में है। इसके साथ ही सरकार ने इस मुद्दे के समाधान का भरोसा जताया। उच्च न्यायालय ने हिजाब विवाद को लेकर दाखिल याचिकाओं के लंबित रहने तक के

लिए पिछले हफ्ते अंतरिम आदेश जारी किया था और विद्यार्थियों के भगवा गमछा, हिजाब या किसी तरह का धार्मिक निशान कक्षा में ले जाने पर रोक लगा दी थी।बहरहाल, यह विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है क्योंकि कुछ छात्राएं बृहस्पतिवार को हिजाब और बुर्का के साथ कक्षाओं में जाने की अनुमति दिए जाने की मांग पर अड़ी रहीं। कर्नाटक के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री बी. सी. नागेश ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यह समस्या केवल कुछ हाई स्कूल और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज तक ही सीमित है।

खास खबर

मोहन गार्डन में ठगों को पकड़ने गई हरियाणा पुलिस को मिली ड्रग्स, द्वारका पुलिस में हड़कंप

नजफगढ़ मेट्रो न्यूज़/द्वारका/शिव कुमार यादव। हरियाणा के सोनीपत में एक साइबर ठगी के मामले में दिल्ली के मोहनगार्डन में आई सोनीपत की सीआईए-1 पुलिस की पुलिस टीम को मोहन गार्डन के एक फ्लैट से छापेमारी के दौरान आरोपियों के पास से 1.3 किलोग्राम हेरोइन मिली है। जिससे द्वारका पुलिस में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके से चार लड़कियों को गिरफ्तार किया है। चारों लड़कियां साइबर ठगी और मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त पाई गई हैं। सीआईए वन की शिकायत पर दिल्ली के मोहन गार्डन थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी का मामला दर्ज कर तीन लड़कियों को गिरफ्तार कर लिया और एक लड़की को सोनीपत पुलिस ने साइबर ठगी में गिरफ्तार किया है। बता दें कि शहर के देव नगर के रहने वाले अनिल कुमार के पास 5 अक्टूबर को कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने खुद को एसबीआई क्रेडिट कार्ड विभाग से बताया था। उसने पीड़ित को कहा कि उनका क्रेडिट कार्ड अपग्रेड किया जा रहा है। इसके लिए डेटा वेरीफाई कराना होगा। फोन करने वाली युवती ने उनकी जन्मतिथि और पैन नंबर बताकर उन्हें विश्वास में ले लिया और ओटीपी नंबर पूछ लिया इसके बाद हाउसिंग डॉट कॉम पर उनके साथ 1,41,569 रुपए की धोखाधड़ी की गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि जिस मोबाइल से ठगी की गई थी उसमें अब दूसरा नंबर डालकर चलाया जा रहा था। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से पाया कि यह दिल्ली में चल रहा था। इसके लिए सीआईए वन की टीम इंस्पेक्टर विजेंद्र सिंह के नेतृत्व में दिल्ली गई। उनके साथ में सिटी थाना पुलिस की टीम भी थी। दिल्ली से मोहन गार्डन थाना पुलिस की टीम को साथ लिया गया। संयुक्त टीम ने मोहन गार्डन थाना क्षेत्र में एक फ्लैट पर छापा मारा वहां से चार लड़कियां कीर्ति, किरण, प्रीति और शिवानी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने जब फ्लैट की तलाशी ली तो उसमें साइबर ठगी के लिए कॉल सेंटर चलाया जा रहा था। पुलिस द्वारा वहां से बड़ी संख्या में मोबाइल फोन, सिम कार्ड और कई इलेक्ट्रॉनिक मशीन बरामद की गई। पुलिस को तलाशी के दौरान फ्लैट से 1 किलो 300 ग्राम हेरोइन भी बरामद हुई। जिसके बाद पुलिस ने चारों लड़कियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के बाद सोनीपत पुलिस की शिकायत पर मोहन गार्डन थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी की शिकायत दर्ज की। इस आरोप में किरण, प्रीति और शिवानी को मोहन गार्डन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जबकि सोनीपत पुलिस ने कीर्ति को गिरफ्तार कर लिया। इस पर अधिकारियों ने बताया कि आगे की जांच के लिए अब प्रीति, किरण और शिवानी को सोनीपत पुलिस प्रोडक्शन वारंट पर लेगी और कीर्ति को दिल्ली पुलिस प्रोडक्शन वारंट पर लेकर आयेगी। पुलिस के अनुसार पूछताछ में कीर्ति ने बताया कि वह चारों ही साइबर ठगी व मादक पदार्थ तस्करी करती थी। पूछताछ के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपितों की पहचान कर ली है और उनकी तलाश में सीआईए वन की टीम संयुक्त रूप से छापेमारी कर रही है।

दिल्ली सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा फिर हो सकती है शुरू

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/भावना शर्मा। देश भर में कोविड के मामलों में गिरावट और सामान्य गतिविधियों के फिर से शुरू होने के बीच दिल्ली सरकार की मुफ्त तीर्थयात्रा सुविधा वाली'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना'भी फरवरी के मध्य से फिर से शुरू होने की संभावना है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस योजना को जनवरी में कोविड मामलों में वृद्धि के बीच रोक दिया गया था। व्यवधान के परिणामस्वरूप, 7 जनवरी को तमिलनाडु के वेलंकन्नी में'बेसिलिका ऑफ अवर लेडी ऑफ हेल्थ'के लिए निर्धारित तीर्थयात्रियों की एक ट्रेन भी रद्द कर दी गई थी।

दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने डीसीपी समेत 24 कर्मियों को किया सम्मानित

द्वारका जिला पुलिसकर्मियों को बेहतरीन काम का मिला सम्मान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

द्वारका/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा। मंगलवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने बेहतरीन काम करने वाले द्वारका जिला के पुलिस अधिकारियो व कर्मचारियों को सम्मानित किया। द्वारका जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिला पुलिस उपायुक्त शंकर चौधरी सहित जिले के तमाम एसीपी व थाना अध्यक्ष मॉजूद थे। इस मौके पर उन्होने सभी अधिकारियों से इलाके की कानून व्यवस्था पर चर्चा की।

इस दौरान उन्होने जिला उपायुक्त शंकर चौधरी द्वारा जिला में चलाये जा रही सुरक्षा व जन सहयोग योजनाओं व कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। वहीं डीसीपी शंकर चौधरी ने उन्हें जिला पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण के बाबत चलाए जा रहे तमाम ऑपरेशन के बारे में पूरी जानकारी दी। इस मौके पर आयुक्त श्री अस्थाना ने उन मामलों की जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया जो काफी समय से अनसुलझे हैं। उन्होने खासकर महिलाओं से जुड़े अपराधों के जितने भी मामले लंबित हैं उन्हें जल्द से जल्द पुलिस अधिकारियों द्वारा जल्द सुलझाने का निर्देश दिया। मोहन गार्डन द्वारका साउथ और नजफगढ़ थाना में दर्ज दुष्कर्म के कई अनसुलझे मामलों पर विशेष तौर से नाराजगी जताई और तीनों थाना प्रभारियों को उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि इस मामले में कहीं कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सामुदायिक पुलिस को लेकर किए जा रहे जन प्रयासों की सराहना करते हुए आयुक्त ने इस इकाई के प्रभारी एसआई मनीष मधुकर को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रतीक चिन्ह भी दिया। इसके अलावा जिले के 24 पुलिसकर्मियों को उनके बेहतर कार्यों के लिए प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया और सभी के कार्यो की तारीफ की। इस कार्यक्रम डीसीपी शंकर चौधरी के अलावा श्री अस्थाना ने इंस्पेक्टर देव वेदरतन, स्पेशल स्टाफ के एसआई उमेश कुमार, गिरीराज, एएसआई कृष्ण, हेडकांस्टेबल समसुद्दीन, अनिल कुमार, राजकुमार, कांस्टेबल विपिन कुमार व राजकुमार तथा एएटीएस से महिला एसआई सरोज, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार, अनिल कुमार, जितेन्द्र सिंह, रामराय मीणा, सिपाही संदीप, राजवीर, मनीष, इंदर सिंह व राजेश, परविंदर, विनीत व सिंबू को भी सम्मानित किया गया है।

सम्मान

- आयुक्त ने काफी समय से अनसुलझे मामलों विशेष रूप से महिलाओं के मामलों को जल्द निपटाने के दिये आदेश

ऑस्ट्रेलिया में फिर दिखी दो हाथों वाली दुर्लभ मछली, 22 साल पहले देखी गई

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

देश-विदेश/शिव कुमार यादव/- समुद्र के अंदर हाथों से चलने वाली दुर्लभ प्रजाति की पिंक हैंडफिश एक बार फिर नजर आई है। हालांकि उसे आखिरी बार 22 साल पहले तस्मानिया तट पर 1999 में देखा गया था। लेकिन इस बार ऑस्ट्रेलिया में कॉमनवैल्थ साईंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन के वैज्ञानिकों ने एक बार फिर इस दुर्लभ मछली को देखने का दावा किया है। इतना ही नही वैज्ञानिकों ने इस पकड़ भी लिया है, इसकी खास बात यह है कि पिंक हैंडफिश समुद्र के अंदर अपने हाथों से चलती है। ये मछली इतनी दुर्लभ है कि तकरीबन 100 साल पहले इसकी खोज होने के बाद इसे अब तक केवल 5 बार ही देखा गया है। पिंक हैंडफिश एंगलरफिश परिवार की सदस्य है। इसके फिंस का स्ट्रक्चर छोटे-छोटे हाथों जैसा होता है। इनका इस्तेमाल ये तैरने के साथ-साथ समुद्र तल पर चलने के लिए भी करती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, पिंक हैंडफिश काफी छोटी और डिटेक्ट करने में मुश्किल होती है। ये केवल 15 सेंटीमीटर बड़ी होती है। चूंकि इस मछली को आखरी बार 22 साल पहले देखा गया था, इसलिए हाल ही में वैज्ञानिकों ने इसे एंडेंजर्ड घोषित कर दिया था। लेकिन अब इस फैसले पर दोबारा विचार किया जा सकता है। पिंक हैंडफिश ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया आईलैंड के पास मिलने वाली 14 हैंडफिश में से एक है। फरवरी 2021 में ऑस्ट्रेलिया के मरीन रिसर्चर्स ने एक शोध के दौरान तस्मान फ्रैक्टर मरीन पार्क के समुद्र तल के अंदर कैमरा लगाया था। महीनों बाद फुटेज चेक करने पर उन्हें पिंक हैंडफिश दिखी। इस मरीन पार्क में वैज्ञानिक कई तरह के शोध करते हैं। यहां पानी 4,000 मीटर की गहराई तक है। वैज्ञानिकों का कहना है कि वैसे तो पिंक हैंडफिश हमेशा 15 से 40 मीटर की गहराई में मिली है, लेकिन इस बार इसे समुद्र के 120 मीटर नीचे पाया गया। प्रोफेसर नेविल बैरेट कहते हैं, इस मछली को पिछली शताब्दी में केवल कुछ ही बार देखा गया है, इसलिए यह एक बहुत ही दुर्लभ प्रजाति है और निश्चित रूप से विलुप्त होने के रास्ते पर है।

वैज्ञानिकों

- 100 साल पहले हुई थी खोज, अब तक सिर्फ पांच बार दिखी 'पिंक हैंडफिश

नॉर्थ एमसीडी में भी इवनिंग शिफ्ट वाले स्कूलों को किया जायेगा मर्ज

बच्चो की कमी व व्यवसायिक इलाकों वाले स्कूल किये जायेंगे बंद, हाईकोर्ट के आदेश पर लिया गया निर्णय

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- साउथ एमसीडी की तर्ज पर अब नॉर्थ एमसीडी ने भी इवनिंग शिफ्ट वाले स्कूलों का विलय करने का प्लान तैयार किया है। पहले चरण में सिटी-सदर पहाड़गंज जोन के 16 स्कूलों को दूसरे स्कूलों में विलय किया जा रहा है। बताया जाता है कि दूसरे चरण में 19 अन्य स्कूलों की लिस्ट तैयार की जाएगी। अफसरों का तर्क है कि छोटे बच्चों को पढ़ाई के बेहतर अवसर के लिए सिर्फ एक ही शिफ्ट में पढ़ाई पर जोर दिया जा रहा है, जिसके चलते इवनिंग शिफ्ट वाले स्कूलों को मर्ज किया जा रहा है। वहीं हाईकोर्ट ने भी छोटे बच्चों की इवनिंग शिफ्ट की पढ़ाई को लेकर ऐतराज जताया है।

नॉर्थ एमसीडी के एजुकेशन विभाग के अफसरों के अनुसार दिल्ली में एमसीडी के स्कूल किसी भी अन्य विभाग के स्कूल या प्राइवेट स्कूलों से पुराने हैं। कई स्कूल तो 40-50 साल पुराने हैं। जब ये स्कूल बनाए गए थे, तब वह इलाका आवासीय था। उसके आसपास काफी कम व्यावसायिक गतिविधियां थीं। लेकिन, अब कुछ ऐसे इलाके हैं, जो रेजिडेंशियल से पूरी तरह व्यवसायिक हो चुके हैं। इनमें चांदनी चौक, पहाड़गंज और दूसरे ऐसे कई इलाके हैं जो पूरी तरह से व्यावसायिक हो चुके हैं। रेजिडेंशियल एरिया की आबादी यहां से शिफ्ट हो चुकी है। ऐसे में उन स्कूलों में बच्चों की संख्या भी कम हो गई है। ऐसे में बच्चों की संख्या कम होने के चलते उन व्यावसायिक इलाकों के स्कूलों को आसपास के रेजिडेंशियल इलाकों में बने एमसीडी स्कूलों में विलय किया जा रहा है। दूसरा, हाई कोर्ट का आदेश है कि छोटे बच्चों के स्कूल सिर्फ मॉर्निंग शिफ्ट में ही होने चाहिए। कोर्ट के इन आदेशों पर ही जहां भी संभव है उन इलाकों में इवनिंग शिफ्ट के स्कूलों को मर्ज कर बच्चों को मॉर्निंग शिफ्ट वाले स्कूलों में भेजा रहा है।

इसके अलावा एमसीडी ने कई स्कूलों में नए कमरे भी बनाए हैं। पहले चरण में सिटी-सदर पहाड़गंज के 16 स्कूलों को मर्ज किया जा रहा है। इसमें नबी करीम-2, हनुमान मंदिर, ईदगाह रोड ओल्ड-2, ईदगाह रोड न्यू, हवेली आजम खान, राम नगर ओल्ड-2 सहित कई स्कूलों की लिस्ट बनाई गई है। बताया जाता है कि दूसरे चरण में 19 अन्य स्कूलों की लिस्ट तैयार की जाएगी। अफसरों का तर्क है कि छोटे बच्चों को पढ़ाई के बेहतर अवसर के लिए सिर्फ एक ही शिफ्ट में पढ़ाई पर जोर दिया जा रहा है, जिसके चलते इवनिंग शिफ्ट वाले स्कूलों को मर्ज किया जा रहा है।

विवेक विहार के कस्तूरबा नगर पंहुचे 100 के करीब निहंग, पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

डीडीए संजय वन को इको टूरिज्म डेस्टिनेशन योजना के लिए कंपनियों को फरवरी में करेगी आमंत्रित

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली की गैंगरेप घटना को धर्म से जोड़कर किये गये एक ट्वीट के बाद पंजाब से करीब 100 से ज्यादा निहंग दिल्ली के विवेक विहार के कस्तूरबा नगर में पंहुचे है। सोशल मीडिया पर किये गये ट्वीट में कहा गया था कि कुछ हिन्दू परिवारों ने मिलकर एक सिख लड़की को प्रताड़ित किया है और उसके साथ यह घिनौनी हरकत की है। जिसके बाद पंजाब से निहंगों का एक जत्था दिल्ली पंहुचा है। इस घटना के बाद से पुलिस पूरी तरह से सतर्क हो गई है और पुलिस ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। साथ ही शाहदरा पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 3 एफआईआर भी दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने ट्वीट के जरिये पीड़िता के सुसाइड करने और घटना को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया। वहीं मोजो नाम से यू-ट्यूब चैनल चलाने वाले मदन लाल पर पीड़िता और उसके परिवार की पहचान उजागर करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। जिला पुलिस उपायुक्त का कहना है कि पुलिस जल्द ही इनसे पूछताछ करेगी। तीनों ही मामले विवेक विहार थाने में दर्ज किए गए हैं।

शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त आर. सत्यसुंदरम ने बताया कि पहला मामला 'सुखप्रीत सलैच' नामक ट्विटर हैंडल के खिलाफ दर्ज किया गया। आरोपी ने अपने ट्वीट में पीड़िता के सुसाइड करने का जिक्र किया है। ट्वीट में कहा गया कि पीड़िता ने जब 14 साल के लड़के से दोस्ती नहीं की तो लड़के ने सुसाइड कर लिया, इसलिए उसके परिवार ने लड़की को निशाना बनाया, जिसके बाद उसने सुसाइड कर लिया। दूसरा मामला 'स्टार' नाम से ट्विटर अकाउंट चलाने वाले शख्स के खिलाफ दर्ज किया गया है। ट्वीट में दावा किया गया है कि एक धर्म विशेष की महिला को दूसरे धर्म के लोगों ने निशाना बनाया। उसका सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद लगभग मरी हुई हालत में छोड़ दिया गया। पुलिस ने उसे अस्पताल भी भर्ती नहीं करवाया। इस ट्वीट में एक धर्म के लोगों को इस घटना के लिए जिम्मेदार बताया गया था। जांच के बाद इनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

गैंगरेप

- दिल्ली की गैंगरेप घटना को धर्म से जोड़ने व पीड़िता की पहचान उजागर करने वालों के खिलाफ पुलिस ने किया मामला दर्ज

द्वारका में हरियाणा पुलिस करती रही छापेमारी, द्वारका पुलिस को नही लगी भनक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

द्वारका/शिव कुमार यादव। सोमवार को उस समय द्वारका पुलिस की चॉक चौबंद व्यवस्था की पोल खुल गई जब हरियाणा के सोनीपत की सीआईए-1 पुलिस टीम ने मोहन गार्डन थाना क्षेत्र से चार साइबर ठग महिलाओं व उनके पास से 1.3 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। द्वारका पुलिस को इस मामले की कोई जानकारी नही लग पाई जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लग गया है। हालांकि बाद में सीआईए ने मोहन गार्डन पुलिस को स्वयं इसकी जानकारी दी और फिर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही को अंजाम दिया। अब द्वारका पुलिस इस मामले में सफाई दे रही है कि मोहन गार्डन पुलिस से पहले ही सीआईए ने जानकारी सांझा कर ली थी। जिसके बाद पुलिस कार्यवाही कर रही थी। हालांकि द्वारका के मोहनगार्डन थाना क्षेत्र में हरियाणा के सोनीपत जिला की सीआईए-1 पुलिस टीम ने भगवती गार्डन के एक फ्लैट को काफी देर तक घेरे रखा। जब सीआईए टीम को आरोपियों के अंदर होने की पुख्ता जानकारी मिल गई तो हरियाणा पुलिस ने मोहन गार्डन पुलिस से संपर्क कर जानकारी दी। इसके बाद मोहन गार्डन पुलिस के साथ टीम अंदर गई और चारों आरोपियों को पकड़ लिया। यहां सबसे बड़ी बात यह है कि हरियाणा पुलिस ने साइबर ठगी के एक रैकेट का भंडाफोड़ किया और साथ ही 1.3 किलोग्राम हेरोइन भी जब्त की गई। इस पूरे प्रकरण से द्वारका पुलिस टीम की कार्यशैली को लेकर लोग सवाल खड़े कर रहे हैं। यहां बता दें कि सोमवार को द्वारका पुलिस, दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना के आगमन को लेकर तैयारियों में व्यस्त थे। उसी दौरान हरियाणा के सोनीपत जिले से आई पुलिस टीम इस जिले के मोहन गार्डन इलाके में छापेमारी की तैयारियों में जुटी थी। छापेमारी की इस घटना से द्वारका पुलिस पूरी तरह से अनजान थी।

द्वारका जिला पुलिस को सोनीपत जिला पुलिस टीम ने तब बुलाया जब उन्होंने पूरी तरह इस बात की तसल्ली कर ली की धोखाधड़ी के इस मामले को लेकर वह भगवती गार्डन इलाके में छापेमारी कर रहे हैं यहां उसके आरोपित मौजूद हैं। अब इस मामले को लेकर स्थानीय निवासी द्वारका जिला पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं।

कोरोना इससे पहले अस्पताल ने कोरोना की वजह से ओपीडी का समय घटा दिया था।

सफदरजंग अस्पताल में फिर शुरू हुई ओपीडी और रूटीन सर्जरी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। दिल्ली में मरीजों की परेशानी को देखते हुए एम्स, सफदरजंग और आरएमएल अस्पताल में कोविड की वजह से रूटीन इलाज और सुविधाओं के प्रभावित होने को लेकर सफदरगंज अस्पताल ने ओपीडी व रूटीन सर्जरी को फिर से शुरू करने का आदेश जारी कर दिया है। इससे पहले अस्पताल ने कोरोना की वजह से ओपीडी का समय घटा दिया था।

कोविड के कारण सफदरजंग अस्पताल में ओपीडी की टाइमिंग में की गई कटौती और बंद की गई रूटीन सर्जरी जैसी तमाम सुविधाएं अब पहले की तरह सुचारू रूप से शुरू हो गई हैं। सभी सुविधाएं बहाल कर दी गई हैं। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि मंगलवार से अस्पताल में पहले की तरह ओपीडी और रूटीन सर्जरी शुरू कर दी गई है। मंगलवार को सुबह 8:30 बजे से ओपीडी का रजिस्ट्रेशन हुआ और रूटीन सर्जरी भी शुरू हुई। यहां बता दें कि एम्स में भी कोविड संक्रमण बढ़ने की वजह से ओपीडी का समय कम कर दिया गया है और रूटीन सर्जरी अभी भी बंद है। कुछ ऐसी ही स्थिति आरएमएल की भी है। यहां बता दें कि सफदरजंग अस्पताल प्रशासन ने 6 जनवरी को ओपीडी का समय कम कर दिया था। आदेश में रूटीन सर्जरी भी बंद कर दी गई थी। इसमें सुबह 8:30 बजे से 10:30 बजे तक ओपीडी रजिस्ट्रेशन का समय तय किया गया है, जबकि पहले सुबह 8:30 से 11:30 बजे तक रजिस्ट्रेशन होता था। यानी एक घंटा समय कम कर दिया गया था। अब जब कोरोना काफी कम हो गया है, तब फिर से प्रशासन ने पहले की तरह ओपीडी के रजिस्ट्रेशन का समय बढ़ा दिया है। लेकिन एम्स और आरएमएल में अभी भी स्थिति पहले की तरह बनी हुई है।

खास खबर

हरियाणा सरकार को झटका, हाईकोर्ट ने निजी क्षेत्र में नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण पर लगाई रोक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/चंडीगढ़/शिव कुमार यादव। हरियाणा में निजी क्षेत्र की नौकरियों में हरियाणा के निवासियों को 75 फीसदी आरक्षण देने के हरियाणा सरकार के फैसले पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। साथ ही इस आरक्षण को चुनौती देने वाली फरीदाबाद इंडस्ट्रियल एसोसिएशन की याचिका पर हरियाणा सरकार से जवाब तलब किया है। फरीदाबाद इंडस्ट्रियल एसोसिएशन व अन्य ने हाईकोर्ट को बताया था कि निजी क्षेत्र में योग्यता और कौशल के अनुसार लोगों का चयन किया जाता है। यदि नियोक्ताओं से कर्मचारी को चुनने का अधिकार ले लिया जाएगा तो उद्योग कैसे आगे बढ़ सकेंगे। हरियाणा सरकार का 75 प्रतिशत आरक्षण का फैसला योग्य लोगों के साथ अन्याय है। यह कानून उन युवाओं के सांविधानिक अधिकारों का हनन है जो अपनी शिक्षा और योग्यता के आधार पर भारत के किसी भी हिस्से में नौकरी करने को स्वतंत्र हैं। याची ने कहा कि यह कानून योग्यता के बदले रिहायश के आधार पर निजी क्षेत्र में नौकरी पाने की पद्धति को शुरू करने का प्रयास है। ऐसा हुआ तो हरियाणा में निजी क्षेत्र में रोजगार को लेकर अराजकता की स्थिति पैदा हो जाएगी। यह कानून निजी क्षेत्र के विकास को भी बाधित करेगा और इसके कारण राज्य से उद्योग पलायन भी आरंभ कर सकते हैं। याची ने कहा कि यह कानून वास्तविक तौर पर कौशलयुक्त युवाओं के अधिकारों का हनन है। 75 फीसदी नौकरियां आरक्षित करने के लिए 2 मार्च, 2021 को लागू अधिनियम और 6 नवंबर, 2021 की अधिसूचना संविधान, संप्रभुता के प्रावधानों के खिलाफ है। रोजगार अधिनियम 2020 को सिरे से खारिज करने की याचिका में मांग की गई है। याची पक्ष की दलीलों को सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने याचिका पर हरियाणा सरकार से जवाब तलब कर लिया था। हरियाणा सरकार ने जवाब दाखिल करते हुए कहा कि संविधान के जिस प्रावधान का हवाला देकर यह एसोसिएशन हाईकोर्ट पहुंची हैं वह नागरिकों के लिए है, कंपनी पर वह लागू ही नहीं होता। ऐसे में याचिका आधारहीन है और इसे खारिज किया जाए।

मैरिटल रेप पर पुरूषों के समर्थन में आई मंत्री स्मृति ईरानी, कहा हर पुरूष को रेपिस्ट कहना भी गलत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/भावना शर्मा। बुधवार को संसद में विपक्ष की और से मैरिटल रेप का मुद्दा उठाया गया। जिस पर महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने सरकार के पक्ष में बयान देते हुए कहा कि बच्चों और महिलाओं को प्राथमिकता देना ठीक है, लेकिन सभी शादीशुदा पुरुष को रेपिस्ट बताया जाना सही नही है। संसद में पेश बजट पर हुई चर्चा के दौरान सीपीआई के बिनॉय विश्वम ने 'वैवाहिक जीवन में यौन हिंसा' का सवाल उठाया। इस पर स्मृति ईरानी ने जवाब देते हुए कहा कि वैवाहिक हिंसा का समर्थन नहीं किया जा सकता, लेकिन इसकी आड़ में सम्मानित सदन में देश के हर विवाह को हिंसक मानकर उसकी निंदा करना और देश के सभी पुरुषों को बलात्कारी मानना भी उचित नहीं है। ईरानी ने कहा कि हमारे देश में बच्चों और महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन हम सभी पुरुषों को गलत नहीं कह सकते। उन्होंने कहा क्या कभी केंद्र ने घरेलू हिंसा की धारा 3 और आईपीसी की धारा 375 पर बलात्कार पर ध्यान दिया था।

दिल्ली सरकार की नई शराब नीति के तहत ठेकों को सील करने को लेकर उपायुक्त व भाजपा पार्षदों में चल रही थी अनबन

नजफगढ़ निगम जोन उपायुक्त कार्यालय पर भाजपा पार्षद ने जड़ा ताला, डीसी हुए बंद

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नजफगढ़/शिव कुमार यादव। शुक्रवार को दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति को लेकर एक तरफ जहां केंद्र सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी दिल्ली में वर्चुअल मींटग कर रही थी तो उसी समय नजफगढ़ निगम जोन कार्यालय में निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक उपायुक्त निगम नजफगढ़ के कार्यालय पर ताला जड़ रहे थे। हालांकि काफी समय से नजफगढ़ निगम जोन कार्यालय में उपायुक्त व जोन चेयरमैन में अनबन चल रही थी। और शुक्रवार को इस अनबन ने उस समय गंभीर रूप धारण कर लिया जब डीसी भूपेश चौधरी को जनसमस्याओं को लेकर रोशनपुरा वार्ड का दौरा करना था लेकिन वो वार्ड में जाने की बजाये कार्यालय में बैठकर फोन पर व अधिकारियों से मीटिंग करते रहे। उनकी इस हरकत पर नाराज पार्षद व जनता ने डीसी कार्यालय पर ताला जड़ दिया और डीसी को अंदर बंद कर दिया। हालांकि इसके बाद डीसी कार्यालय से पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस के अधिकारियों ने मौके पर आकर ताला तोड़कर डीसी कार्यालय को खोल दिया। डीसी भूपेश चौधरी ने इसकी शिकायत पुलिस व निगम आयुक्त को कर दी है।

यहां बता दें कि पिछले काफी समय से डीसी भूपेश चौधरी पर जन समस्याओं पर ध्यान नही देने का आरोप लग रहा था। निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक के जनसंवाद कार्यक्रम से भी डीसी ने दूरी बनाये रखी जबकि यह कार्यक्रम पूरी तरह से जनसमस्याओं से जुड़ा हुआ था। तकरार तब बढ़ी जब दिल्ली सरकार ने नई आबकारी नीति के तहत पूरी दिल्ली में ठेके खुलवा दिये। नजफगढ़ में भी काफी संख्या में ठेके खुले जिनका भाजपा व स्थानिय लोगों ने जमकर विरोध किया। जब निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक इन अवैध ठेकों के खिलाफ कार्यवाही कर इन्हे भवन विभाग से सील करा रहे थे तो डीसी इसका विरोध कर रहे थे। उन्होने इस मामले में एक्सीयन हरदायल मीणा के साथ भी दुर्व्यवहार किया बताया जा रहा है। जिसकारण वो यहां से अपना ट्रांसफर करा गये। शुक्रवार को भी रोशनपुरा वार्ड में तुड़ामंडी के चौराहे पर बने ठेके को सील करने को लेकर एकबार फिर डीसी व चेयरमैन आमने-सामने आ गये थे। जिसे लेकर डीसी रोशनपुरा वार्ड के दौरे पर भी नही गये और ना ही चेयरमैन से मुलाकात की। इस संबंध में जब निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक से बात की गई तो उन्होने कहा कि उपायुक्त भूपेश चौधरी पर नजफगढ़ में शराब माफिया से मिला हुआ है और शराब के ठेके सील नही करना चाहता। हम कानून के तहत कार्यवाही कर रहे है तो भी अधिकारियों को धमकाना व उनके साथ दुर्व्यवहार करते है। साथ ही उन्होने कहा कि डीसी जनसमस्याओं को सुनने के लिए होता है न कि पूरी दिन फोन पर बात करने के लिए। डीसी साहब यहां सेवा नही बल्कि अपना व्यापार चला रहे है। शुक्रवार को रोशनपुरा वार्ड में जनसमस्याओं का प्रोग्राम रखा गया था जिसमें डीसी साहब को आना था लेकिन वो आफिस तो आये लेकिन वार्ड में नही आये। काफी इंतजार के बाद जब डीसी दौरे पर नही पंहुचे तो चेयरमैन व वार्ड के पार्षद सत्यपाल मलिक वार्ड के लोगों के साथ डीसी से मिलने के लिए उनके कार्यालय पंहुचे और जैसे ही दरवाजा खोलकर अंदर जाने लगे तो गार्ड ने उन्हे

इंतजार

● आज भी रोशनपुरा वार्ड में जनसमस्याओं को लेकर करना था डीसी को दौरा, पार्षद व जनता करती रह गई इंतजार, डीसी कार्यालय में करते रहे मीटिंग

रोक दिया और कहा की साहब मीटिंग कर रहे है। पार्षद मलिक ने कुछ समय लोगों के साथ बाहर इंतजार किया लेकिन जब कोई सुनवाई नही हुई तो उन्होने ताले मंगाकर डीसी कार्यालय पर यह कहते हुए ताले जड़ दिये की डीसी साहब को डिस्टर्ब न करे वो जनता की आवाज सुनने की बजाये मीटिंग कर रहे हैं। इस संबंध में जब डीसी भूपेश चौधरी से पूछा गया तो उन्होने कहा कि कुछ लोग जिनमें पार्षद सत्यपाल मलिक भी है चाहते है कि मै जन हितैषी काम ना करके उनके हाथ की कठपूतली बना रहूं और वही करू जो वो कहें। कार्यालय को ताला लगाने की बात पर उन्होने कहा कि वह अंदर काम कर रहे थे उन्हे नही पता की ताला किसने और क्यों लगाया। इसकी शिकायत पुलिस में कर दी गई है अब कानून अपना काम कर रहा है। जांच के बाद ही पता चल पायेगा की सत्यपाल मलिक ने ताला क्यों लगाया। उधर नजफगढ़ व बाबा हरिदास नगर थाना एसएचओं ने मौके पर पंहुचकर डीसी कार्यालय के ताले तोड़कर कार्यालय को खोल दिया।

केजरीवाल की आबकारी नीति के खिलाफ भाजपा की वर्चुअल रैली, दिल्ली सरकार पर साधा निशाना

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति के खिलाफ भाजपा एक बार फिर मुखर होती दिखाई दी। इसे निगम चुनावों का असर कहे या फिर आप की दिल्ली में बढ़ती लोकप्रियता के चलते दिल्ली भाजपा की छटपटाहट। वैसे तो दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति को लेकर भाजपा शुरू से मुखर रही है लेकिन अब निगम चुनावों को देखते हुए भाजपा के केंद्रीय मंत्री भी अब इस मैदान में कूद चुके है। शुक्रवार को दिल्ली बीजेपी के प्रदेश कार्यालय 14 पंडित पंत मार्ग में दिल्ली सरकार द्वारा शराब की बिक्री को लेकर लाई गई नई आबकारी नीति के विरोध में बड़ी वर्चुअल रैली केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के नेतृत्व में आयोजित की गई जिसे सभी वार्डो व भाजपा मुख्यालयों में नेता जनता को दिखा गया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने वर्चुअल रैली के माध्यम से न सिर्फ से सीधे दिल्ली की जनता से संपर्क साधा, बल्कि शराब की आबकारी नीति को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमकर खरी-खरी सुनाई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को शराब के नशे में झोंकने का काम कर रहे हैं। आज दिल्ली के अंदर स्कूल और धार्मिक जगहों के पास शराब के ठेके खोले जा रहे हैं. जो बिल्कुल गलत है।

उन्होने अपने भाषण में नजफगढ़ तीन सरकारी स्कूलों के पास शराब का ठेका खोलने का भी जिक्र किया। दिल्ली में हर वार्ड के अंदर तीन जगहों पर शराब के ठेके खोले जा रहे हैं, जिससे राजधानी दिल्ली का न सिर्फ माहौल खराब होगा, बल्कि महिलाएं भी असुरक्षित महसूस कर रही हैं। पहलें से ही दिल्ली में महिलाऐं अपने आपको सुरक्षित नही समझ रही है और इस नीति से महिलाओं पर ज्यादा अत्याचार होने का अंदेशा जाहिर किया जा रहा है।

केजरीवाल को सता रहा आप में दलबदल का डर, उम्मीदवारों से एफिडेविट भरवाऐं

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

गोवा/शिव कुमार यादव। आप के संयोजक को गोवा में दलबदल का डर अभी से सताने लगा है। जिसे देखते हुए उन्होने आप उम्मीदवारों से दलबदल न करने के हलफनामे पर हस्ताक्षर करवाये जा रहे हैं। गोवा विधानसभा चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के सभी 40 उम्मीदवारों ने बुधवार को हलफनामे पर हस्ताक्षर किए और वादा किया कि वे भ्रष्टाचार या दल बदल में शामिल नहीं होंगे। आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''गोवा की राजनीति के साथ सबसे बड़ी समस्या लगातार दल बदल की है। लोगों द्वारा हमारे उम्मीदवारों को वोट देने से पहले ही हम इस समस्या को खत्म कर देना चाहते हैं।''केजरीवाल के इस संबोधन के दौरान पार्टी के सभी 40 उम्मीदवार भी अपने हलफनामों के साथ मौजूद थे। गोवा की सभी 40 विधानसभा सीटों पर 14 फरवरी को चुनाव होना है और मतगणना 10 मार्च को होगी। केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी के उम्मीदवारों ने हलफनामे के माध्यम से वचन दिया है कि वे किसी भी भ्रष्ट आचरण में शामिल नहीं होंगे और (निर्वाचित होने पर विधायक के रूप में) कार्यकाल के दौरान किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि हलफनामा महत्वपूर्ण है क्योंकि आप के किसी भी उम्मीदवार द्वारा इसका उल्लंघन करना कानूनी तौर पर विश्वास का उल्लंघन होगा। केजरीवाल ने कहा कि उम्मीदवार अपने हलफनामों की फोटोकॉपी राज्य के मतदाताओं के बीच बांटेंगे। आप संयोजक ने कहा कि उनकी पार्टी गोवा में एक ईमानदार सरकार देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए दल बदल से इंकार करना सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक है। केजरीवाल चुनावी राज्य गोवा के चार दिवसीय दौरे पर हैं, जहां उनकी पार्टी सभी 40 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। आम आदमी पार्टी 2017 के गोवा विधानसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

सम्मेलन

गोवा विधानसभा में केजरीवाल ने दल बदल रोकने के लिए आप उम्मीदवारों से कराए हलफनामे पर हस्ताक्षर

चीन की शर्मनाक हरकत पर भारत की कड़ी प्रतिक्रिया

भारतीय सैनिक पर हमला करने वाले को थमाई ओलंपिक मशाल, भारत के दूत नही लेंगे ओलंपिक में हिस्सा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

बीजिंग/शिव कुमार यादव। चीन इस बार शीतकालीन ओलंपिक की मेजबानी कर रहा है। जिसे देखते हुए राजधानी बीजिंग में इस सप्ताह के शीतकालीन ओलंपिक रिले में मशाल ले जाने के लिए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) रेजिमेंट कमांडर क्यूई फैबाओ को चुनने के बाद से विवाद पैदा हो गया है। यह वही कमांडर है जिसने लद्दाख में भारतीय सैनिकों पर हमला किया था। ड्रैगन के इस कदम की भारत के साथ-साथ अमेरिका में भी निंदा हो रही है। अमेरिका ने इसे चीन की शर्मनाक हरकत बताते हुए ओलंपिक का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया है। भारत ने इस मामले पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, 'हमने इस मुद्दे पर रिपोर्ट देखी है। ये वास्तव में दुखद है कि चीनी पक्ष में ओलंपिक जैसे आयोजन का राजनीतिकरण करना चुना है। मैं यह सूचित करना चाहता हूं कि भारतीय दूतावास में हमारे चार्ज डी'अफेयर्स बीजिंग विंटर ओलंपिक के उद्घाटन या समापन समारोह में भाग नहीं लेंगे। दरअसल, चीन ने गलवान घाटी संघर्ष में शामिल रहे पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों में से एक को अपना मशालवाहक चुना है। इसे लेकर अमेरिका ने भी चीन की निंदा की है और उसकी इस हरकत को शर्मनाक बताया है। अमेरिका के टॉप सिनेटर और स्टेट्स सीनेट कमेटी ऑन फॉरेन रिलेशंस के रैंकिंग सदस्य जिम रिश ने गुरुवार को शीतकालीन खेलों के लिए एक मशालची चुनने के लिए बीजिंग की निंदा की। उन्होंने कहा कि जो चीनी सैन्य अधिकारी भारतीय जवानों पर हमला करने का जिम्मेदार रह चुका है उसे मशाल थमाना खेल का राजनीतिकरण करना है। रिश ने कहा कि चीन उइगरों के खिलाफ नरसंहार कर रहा है और अमेरिका इसका विरोध करता रहेगा। अमेरिका उइगर की स्वतंत्रता और भारत की संप्रभुता का समर्थन करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। ओलंपिक के 1,200 मशालधारियों में की फाबाओ का नाम शामिल होने के बाद चीनी सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने उसे हिमालय की लड़ाई में भूमिका के लिए हीरो बताया। हालांकि इस सैन्य अधिकारी को लड़ाई के दौरान सिर में गंभीर चोट लगी थी। की फाबाओ दिसंबर में चीनी राज्य प्रसारक सीसीटीवी में दिखाई दिया था और कहा कि वह युद्ध के मैदान में लौटने और फिर से लड़ने के लिए तैयार है। की फाबाओ नाम के जिस सैनिक को चीन की ओर से मशाल थमाई गई है, 2020 में लद्दाख के पास गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों पर हमले का जिम्मेदार भी रह चुका और झड़प के दौरान खुद जख्मी भी हो गया था। हालांकि चीन अपनी नाकामी छुपाने के लिए इस घटना में अपने महज चार से पांच सैनिकों के ही मारे जाने की बात काफी लंबे समय बाद स्वीकार की थी। लेकिन दूसरे देशों की रिपोर्ट में 40 चीनी सैनिकों के मारे जाने के दावे किए जाते रहे हैं।

दिल्ली सरकार के मंत्री व नेता उड़ा रहे कोरोना नियमों की धज्जियां, आम आदमी के काटे जा रहे 2000 के चालान

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। एक तरफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली की जनता को कोरोना से बचाने के लिए बड़े-बड़े पोस्टरों, बैनरों व न्यूज चैनलों पर भारी भरकम विज्ञापन के जरीये जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली सरकार के मंत्री अपनी पार्टी में समर्थकों की संख्या को बढ़ाने को लेकर इतने लापरवाह हो गये है कि वो कोरोना नियमों को ही भूल गये। जी हां दिल्ली में कोरोना नियमों के पालन को लेकर मॉस्क के लिए आम जनता का भारी-भरकम चालान काटा जा रहा है। वहीं स्वयं दिल्ली सरकार के मंत्री व नेता इन नियमों की धज्जियां उड़ा रहे है। वीरवार को दिल्ली सचिवालय में दिल्ली के परिवहन व उर्जा मंत्री कैलाश गहलोत व उनके समर्थक खुले आम कोरोना नियमों की धज्जियां उड़ाते दिखे। दरअसर मंत्री जी नजफगढ़ में अपनी पार्टी में समर्थकों की संख्या बढ़ाने को लेकर इतने उत्सुक थे कि वो प्रोग्राम में शामिल होने आये नेताओं को पार्टी में शामिल करने के दौरान स्वयं कोरोना नियमों का पालन करना ही भूल गये। इस मौके पर सैंकड़ों की संख्या में लोग इक्ट्ठा हुए और मंत्री जी ने सभी को पार्टी की टोपी प पटका पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई और सभी को मिठाई खिलाकर एक-दूसरे का मुंह मिठा कराया। बता दे कि निगम चुनावों को देखते हुए आम आदमी पार्टी में छुटभैये नेताओं व दलबदलुओ के शामिल होने का सिलसिला जारी है। ऐसे में आम आदमी पार्टी को नजफगढ़ से निगम चुनाव के लिए एक पैसे खर्च करने वाला नेता चाहिए था

मामला केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 25-08-2018 के आदेश के अनुसार कोई उत्तर दाखिल नहीं किया गया हैं

मौजूदा माननीयों के खिलाफ 4984 मामले लंबित, सुप्रीम कोर्ट में सौंपी गई रिपोर्ट

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। एमिकस क्यूरी विजय हंसारिया ने देश भर के उच्च न्यायालयों से लिए गए आंकड़ों को संकलित करने के बाद आरोपी विधायकों को चुनाव लड़ने से वंचित करने से संबंधित एक याचिका में कहा कि मौजूदा माननीयों के खिलाफ 4984 मामले लंबित हैं।

शीर्ष अदालत में प्रस्तूत रिपोर्ट के मुताबिक जो मामले 2 वर्ष तक से लंबित हैं उनकी संख्या 1599 है। 2 से 5 वर्ष के बीच लंबित मामलों की संख्या 1475 है और 5 वर्षो से अधिक से लंबित मामलों की संख्या 1888 है। 4 अक्टूबर 2018 से कुल 2775 मामलों का निपटारा किया गया है। इससे पता चलता है कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति संसद और राज्य विधानसभाओं में सीटों पर अधिक से अधिक कब्जा कर रहे हैं. इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि लंबित आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटान के लिए तत्काल और कड़े कदम उठाए जाएं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ राज्यों में सांसदों और विधायकों के मामलों से निपटने के लिए विशेष अदालतें हैं. लेकिन अन्य राज्यों में संबंधित क्षेत्राधिकार अदालतें विधायकों के खिलाफ उन्हें आवंटित रोस्टर के साथ परीक्षण कर रही हैं साथ ही यह भी निवेदन किया कि केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 25-08-2018 के आदेश के अनुसार कोई उत्तर दाखिल नहीं किया गया हैं

यह आवश्यक है कि सांसदों/विधायकों के खिलाफ मामले की सुनवाई करने वाली सभी अदालतें इंटरनेट सुविधा के माध्यम से अदालती कार्यवाही के संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे से लैस हों। याचिका में निचली अदालत को 5 साल से अधिक समय से लंबित मामलों की रिपोर्ट संबंधित उच्च न्यायालयों को देने का सुझाव दिया गया है। साथ ही देरी के कारणों और उपचारात्मक उपायों का सुझाव देने के लिए भी निर्देश देने की मांग की गई है।

यह भी प्रार्थना की गई है कि हाईकोर्ट एक प्रस्ताव प्रस्तुत करे, जिसमें वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधाओं के लिए आवश्यक धनराशि के संबंध में विधि सचिव और केंद्र को प्रस्ताव दिया जाए और उस पर 2 सप्ताह के भीतर कार्रवाई हो। यह राज्य सरकार के साथ अंतिम समायोजन के अधीन होगा। इसके अलावा ईडी, सीबीआई और एनआईए के समक्ष लंबित मामलों की जांच की निगरानी के लिए सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में निगरानी समिति गठित करने का भी निर्देश दिया जाए।

ख़ास ख़बर

गाड़ी में अकेले है तो अब मास्क जरूरी नही

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/भावना शर्मा। दिल्ली में कोविड-19 के मामले धीरे-धीरे कम हो रहे हैं। वहीं गाड़ी में अकेले सफर कर रहे लोगों के लिए इस दौरान राहत की खबर आई है। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (डीडीएमए) की बैठक में गाड़ी में अकेले सफर करने के दौरान अब मास्क की अनिवार्यता को खत्म कर दिया गया है। इस संबंध में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। बता दें कि दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के द्वारा जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की 4 फरवरी को आयोजित हुई बैठक में गाड़ी में अकेले सफर करने वाले व्यक्ति के लिए मास्क पहनकर रखने की अनिवार्यता को हटाने का निर्णय किया गया है। मालूम हो कि दिल्ली हाईकोर्ट ने कोविड-19 महामारी के दौरान अकेले कार चलाते समय मास्क लगाने के दिल्ली सरकार के आदेश को बेतुका करार दिया था। साथ ही कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली सरकार ने इसे अभी तक वापस क्यों नहीं लिया है। बता दें कि अभी तक अगर कोई व्यक्ति कार में बैठा और मास्क ठीक से नहीं पहना है तो उसका दो हज़ार रुपए का चालान किया जा रहा था।

पंजाब में दो पाटों के बीच फंसी कांग्रेस दो चेहरों को सीएम चेहरा बनाने को विवश

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

पंजाब में कांग्रेस चन्नी व सिद्धू पर खेलेगी दांव, सत्ता में आई तो ढाई-ढाई साल दोनो रहेंगे मुख्यमंत्री

पंजाब/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। पंजाब चुनाव में इस बार कांग्रेस की स्थिति कुछ अजीब होती जा रही है। सत्ता अभी मिली नही उससे पहले ही सीएम पद को लेकर पंजाब कांग्रेस में घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस की हालत यह हो गई है कि उसको चुनाव लड़ने के लिए भी दो पाटों का सहारा लेना पड़ रहा है। इतना ही नही अब पंजाब में कांग्रेस दो सीएम चेहरों के साथ चुनाव लड़ने जा रही है। पंजाब कांग्रेस की विवशता इसी बात से जाहिर हो जाती है कि पार्टी अपने दो नेताओं चन्नी व सिद्धू को ढाई-ढाई साल का सीएम बनाने को राजी हो गई है। कांग्रेस के नये फार्मुले के तहत पार्टी चुनाव में चन्नी व सिद्धू को सीएम चेहरा बनायेगी और जीत मिलने पर दोनो का ढाई-ढाई साल सीएम बनायेगी। लेकिन पहले सीएम कौन होगा इसका फैसला विधायक करेंगे।

दरअसल पंजाब में अब कांगेस सेफ गेम खेलने की तरफ बढ़ चली है। पंजाब में इस समय समीकरण इस तरह के हो गये है कि पार्टी एक चेहरे पर रिस्क नही लेना चाहती जिसके लिए पार्टी ने दो चेहरे जनता के बीच उतारे है ताकि जीत में कोई रिस्क ना रहे। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह की विदाई के बाद कांग्रेस में खींचतान मची हुई है। ऐसे में किसी एक चेहरे को आगे करना कांग्रेस के लिए पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। अब ढाई-ढाई साल के फॉर्मूले के बाद नवजोत सिद्धू और चरणजीत चन्नी अपने समर्थक उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरा जोर लगाएंगे, ताकि वह पहले सीएम की कुर्सी तक पहुंच सकें। इससे कांग्रेस पूरा जोर लगाएगी कि सत्ता में वापसी की जा सके। पहले किसे सीएम बनाना है, इसकी चाबी कांग्रेस हाईकमान के पास ही रह जाएगी। कांग्रेस में यही परंपरा रही है। पंजाब में कांग्रेस कल (रविवार) को सीएम के चेहरे की घोषणा करेगी। इसके लिए राहुल गांधी लुधियाना आएंगे। वे लुधियाना से वर्चुअल रैली के जरिए दोपहर 2 बजे सीएम फेस का ऐलान करेंगे। राहुल की वर्चुअल रैली को पंजाब की 117 विधानसभा सीटों पर लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। कांग्रेस का गणित है कि चरणजीत चन्नी को सीएम चेहरा नहीं बनाने पर कांग्रेस को सीधे 32 फीसदी दलित वोट बैंक का नुकसान होगा। अगर कांग्रेस ने चन्नी का साथ छोड़ा तो दलितों के बीच गलत संदेश जाएगा। इससे लगेगा कि कांग्रेस ने चन्नी को सिर्फ वोट बटोरने के लिए ही कामचलाऊ सीएम बना रखा था। कांग्रेस अभी चन्नी के 111 दिन के कामकाज पर ही वोट मांग रही है। इससे पहले साढ़े 4 साल की सरकार वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह भाजपा के साथ गठजोड़ कर चुके हैं। अगर चन्नी ही चेहरा नहीं होंगे तो कांग्रेस किस आधार पर वोट मांगेगी। वहीं पंजाब में नवजोत सिद्धू कांग्रेस के लिए बड़ा चेहरा हैं। सिद्धू पर दांव खेलकर ही कांग्रेस ने कैप्टन अमरिंदर सिंह से सीएम की कुर्सी छीन ली। सिद्धू के कहने पर ही कई सीटों पर टिकटें दी गई हैं। नवजोत सिद्धू को नजरअंदाज कर पंजाब में सीधे 19 फीसदी जट्टसिख वोट बैंक का नुकसान होगा। कांग्रेस यह संदेश नहीं देना चाहती कि वह पंजाब में सिर्फ दलितों पर ही दांव खेल रही है। इससे 69 सीटों वाले सबसे बड़े मालवा क्षेत्र में कांग्रेस का बड़ा नुकसान होगा। कांग्रेस को डर है कि अगर सिद्धू सीएम चेहरा न बने तो वह अचानक कोई ऐसा कदम उठा सकते हैं जिससे बीच चुनाव में कांग्रेस की मुश्किले बढ जाएगी। सिद्धू पहले भी एडीजी और एडवोकेट जनरल न बदलने के मुद्दे पर इस्तीफा देकर सबको चौंका चुके हैं। ऐसे में पार्टी को चुनाव में नुकसान होगा और विरोधी भी इस मुद्दे को खूब भुनाएंगे। कांग्रेस के लिए पंजाब में दलित और जट्टसिख वोट बैंक जरूरी हैं।

सोना तस्कर स्वप्ना सुरेश का बड़ा खुलासा, मुख्यमंत्री से मेरे पेशेवर रिश्ते

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

केरल/शिव कुमार यादव। केरल के बहुचर्चित सोना तस्करी केस की मुख्य आरोपी स्वप्ना सुरेश ने शनिवार को राज्य के शीर्ष नेताओं व अफसरों से संबंधों को लेकर बड़ा खुलासा किया। स्वप्ना ने कहा केरल के सीएम से उसके किसी तरह के निजी रिश्ते नहीं थे, बल्कि पेशेवर संबंध थे। स्वप्ना ने कहा कि मेरे कोई भी रिश्ते जो थे, वो पेशेवर थे और इसके संपर्क सूत्र मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के पूर्व प्रमुख सचिव शिवशंकर थे। मेरे सीएम के पारिवारिक सदस्यों से कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं थे। स्वप्ना ने कहा कि केटी जलील के साथ भी उसके विशुद्ध रूप से कामकाजी संबंध थे। उस वक्त के महावाणिज्य दूत के साथ जलील के बहुत करीबी संपर्क और संबंध थे। स्वप्ना ने यह भी कहा कि केरल के पूर्व स्पीकर पी श्रीरामकृष्णन के साथ मेरी अच्छी व सच्ची दोस्ती और पारिवारिक संबंध थे। स्वप्ना सुरेश केरल के इस बहुचर्चित सोना तस्करी कांड में 16 माह तक जेल में रही थी। उसे दो नवंबर 2021 को केरल हाई कोर्ट ने जमानत दी थी और वह 16 नवंबर को जेल से रिहा हुई थी। स्वप्ना को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज कर 11 जुलाई, 2020 को गिरफ्तार किया था। अदालत ने स्वप्ना को 25 लाख के मुचलके पर जमानत दी। केरल में राजनयिकों को मिलने वाली विशेष सुविधाओं का दुरुपयोग कर बड़े पैमाने पर सोने की तस्करी की जा रही थी। पांच जुलाई 2019 को तिरुवनंतपुरम में सीमा शुल्क विभाग ने मामले का भंडाफोड़ करीब 30 किलोग्राम सोने के जब्त किया था।

मामले में राज्य के कई दिग्गज नेताओं, अधिकारियों पर आरोप लगे थे। स्वप्ना सुरेश यूएई की एक पूर्व वाणिज्य अधिकारी है। उसका सोना तस्करी कांड में नाम सामने आते ही केरल की राजनीति में भूचाल आ गया था। स्वप्ना की केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के साथ तस्वीरें भी वायरल हुई थीं। वह 'डील वुमन' के रूप में मशहूर हुई थी।

नए प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम मिलकर विकसित करने पर सहमत हुए आईपीयू व एयूडी

इंद्रप्रस्थ और अम्बेडकर विश्वविद्यालय के कुलपतियों ने एमओयू पर किये हस्ताक्षर

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय व अम्बेडकर विश्वविद्यालय आने वाले समय में विभिन्न ज्ञान डोमेन में कुशल जनशक्ति विकसित करने के उद्देश्य आपस में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है। एक समझौते के तहत दोनो विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने आपसी सहमति के कागजों पर हस्ताक्षर किये है और कागजों का आदान-प्रदान किया है। दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों पद्म श्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा (जीजीएसआईपीयू) और प्रो. ए.एस. लाठर (एयूडी) ने एक मीटिंग आयोजित कर एमओयू पर हस्ताक्षर कर उसका आदान-प्रदान किया। इस मौके पर डॉ. नितिन मलिक, रजिस्ट्रार - एयूडी; प्रो. कार्तिक दवे, डीन (योजना) - एयूडी, और प्रो. ए.के. सैनी, डीन (यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज) - जीजीएसआईपीयू भी मौजूद रहे। समझौता ज्ञापन, जो हाल की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है। दोनों विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षाविदों और उद्योग के पेशेवरों के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम तैयार करने और वितरित करने में सक्षम बनाता है। वे प्रबंधन, मनोविज्ञान, संचार, समाजशास्त्र, हिंदी, फिल्म अध्ययन और कई अन्य क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान और परामर्श भी लेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों का नया सहमति पत्र भविष्य में छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रासंगिक डोमेन में ज्ञान के आदान-प्रदान और दूसरी गतिविधियों को साझा करने के लिए भी दरवाजे खोलेगा।

खाने के तेल की कीमतों को कम करने के लिए जमाखोरों के खिलाफ सरकार का बड़ा फैसला

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। केंद्र सरकार की तरफ से गुरुवार को जारी हुए एक आदेश में 6 राज्यों को छोड़कर पूरे देश में खाने के तेल और खाद्य तिलहन की स्टॉक लिमिट तय कर दी गई है। सरकार ने यह कदम देश में हर साल कुछ महीनों के दौरान तेल की कीमतों के आसमान छूने को लेकर उठाया है ताकि जमाखोरो पर लगाम लगाई जा सके और आम जनता को परेशानी ना हो। सरकार के आदेश के मुताबिक, स्टॉक पर लगाई गई यह सीमा 30 जून, 2022 तक जारी रहेगी।

खाने के तेल की कीमतों को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार की तरफ से गुरुवार को जारी हुए एक आदेश में 6 राज्यों को छोड़कर पूरे देश में खाने के तेल और खाद्य तिलहन की स्टॉक लिमिट तय कर दी गई है। सरकार के आदेश के मुताबिक, स्टॉक पर लगाई गई यह सीमा 30 जून, 2022 तक जारी रहेगी। पिछले साल खाद्य तेल और तिलहन के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई थीं इससे आम लोगों पर काफी असर पड़ा था। बढ़ते दाम से राहत देने के लिए केंद्र सरकार पिछले साल से ही इस तरह के कदम उठा रही है। केंद्र सरकार की तरफ से कहा गया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और 30 जून, 2022 तक मान्य रहेगा. खुदरा व्यापारी 30 क्विंटल खाद्य तेल और 100 क्विंटल खाद्य तिलहन से अधिक स्टॉक नहीं रख सकते। वहीं थोक विक्रेताओं के लिए खाद्य तेल की 500 क्विंटल और खाद्य तिलहन की 2000 क्विंटल स्टॉक लिमिट तय की गई हैं रिटेल चेन अपनी दुकानों में 30 क्विंटल और डिपो में 1000 क्विंटल तक खाद्य तेल स्टॉक कर सकते हैं। कुछ राज्यों को विशेष छूट दी गई है यानी यहां पर स्टॉक सीमा से अधिक भंडार किया जा सकता है. हालांकि उन्हें राज्य सरकार के द्वारा तय स्टॉक सीमा का पालन करना होगा। छूट वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान और बिहार शामिल हैं। इसके अलावा ऐसे निर्यातक, रिफाइनर, मिलर, एक्सट्रैक्टर, थोक व्यापारी और डीलर जिनके पास इंपोर्ट-एक्सपोर्ट कोड संख्या है, उन्हें भी छूट दी गई है. हालांकि उन्हें साबित करना होगा कि स्टॉक निर्यात के लिए है या आयात से प्राप्त हुआ है। पिछले साल देश में खाद्य तेल की कीमतों में भारी इजाफा हुआ था। सबसे अधिक दाम सरसों तेल का बढ़ा। इसके बाद सरकार ने सरसों तेल में ब्लेंडिंग पर रोक लगा दी। इस वजह से कीमतों में और बढ़ोतरी हुई. हालांकि बढ़ी हुई कीमतों से राहत देने के लिए सरकार ने बीते कुछ महीनों में कई कदम उठाए हैं, जिसका लाभ आम लोगों को मिल रहा है। दाम में फिर से इजाफा न हो, इसी को लेकर सरकार ने स्टॉक लिमिट एक बार फिर तय कर दी है।

राज्य सभा में पेश हुआ प्राइवेट मेंबर बिल, कई सांसदों ने जताई आपत्ति

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

बजट सत्र

देश की भलाई के लिए जनसंख्या नियंत्रण समय की मांग- राकेश सिन्हा

नई दिल्ली/भावना शर्मा। संसद के बजट सत्र में राज्य सभा सांसद राकेश सिन्हा ने प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया है। जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून बनाने के उद्देश्य से राकेश सिन्हा ने संसद के बजट सत्र के पांचवें दिन राज्य सभा में पॉपुलेशन रेगुलेशन बिल 2019 को पेश किया। कांग्रेस सांसद अमी याज्ञिक ने इस जनसंख्या नियंत्रण पर कानून बनाने की पहल करने की नीयत पर सवाल खड़े किए। इसके अलावा कुछ अन्य सांसदों ने भी इस विधेयक के प्रावधानों पर आपत्ति जताई।

राज्य सभा में पॉपुलेशन रेगुलेशन बिल 2019 पर चर्चा की जा रही है। राज्य सभा सांसद राकेश सिन्हा ने जनसंख्या नियंत्रण पर प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया। जनसंख्या में लगातार हो रही वृद्धि पर चिंता जताते हुए राज्य सभा में मनोनीत सदस्य राकेश सिन्हा ने कहा कि यदि आबादी को नियंत्रित नहीं किया गया तो 30 साल बाद सम्मानजनक जीवन जीने के लिए हमारे पास पर्याप्त संसाधन भी नहीं रहेंगे। उन्होंने निजी विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा, 'जनसंख्या नियमन विधेयक' 2019 अत्यंत संवेदनशील विषय है और समय-समय पर सभी दलों ने इस मुद्दे पर चिंता जाहिर करते हुए आबादी नियंत्रण के लिए निजी विधेयक सदन में पेश किए हैं। राकेश सिन्हा ने कहा कि 1901 से लेकर 2011 तक हमारी आबादी 110 करोड़ बढ़ी है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया की 17 प्रतिशत से अधिक आबादी भारत में है जबकि हमारे पास मात्र 4 प्रतिशत पानी और 2.4 प्रतिशत जमीन है।' उन्होंने कहा कि जिन संसाधनों के आधार पर हम सम्मानजनक जीवन जीने की कल्पना करते हैं और जीते हैं, उनके आधार पर हमें जनसंख्या के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि 1996 में जनसंख्या और संसाधनों को नापने के लिए 'ग्लोबल हेक्टेयर' फार्मूला आया जिसे दुनिया ने स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि यह फार्मूला जमीन और पानी को आबादी से जोड़ता था। राज्य सभा में प्राइवेट मेंबर बिल पर सिन्हा ने कहा, 'आबादी नियंत्रित करने के लिए अलग अलग देशों में अलग अलग उपाय हुए। उन्होंने कहा कि भारत में भी उपाय किए गए, लेकिन हमारे यहां जनसंख्या का मुद्दा सांप्रदायिकता में भी उलझा। दुर्भाग्य की बात है कि इस पूरे विमर्श पर गहन विचार मंथन करने के बजाय इसको भटकाने का प्रयास किया गया जबकि स्थिति को देखते हुए संकीर्णता से ऊपर उठना चाहिए। 'सिन्हा ने कहा, 'यह हमने नहीं देखा कि संसाधनों पर आबादी का कितना बोझ पड़ रहा है। आबादी नियंत्रित नहीं हुई तो 30 साल बाद सम्मानजनक जीवन जीने के लिए हमारे पास पर्याप्त संसाधन भी नहीं होंगे। उन्होंने कहा 'हम जनसंख्या के मामले में 'हम दो हमारे दो' की स्थिति में पहुंच रहे हैं। यह शुरुआत तो पहले हुए थी लेकिन तब यदि ज्यादती नहीं होती तो शायद जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून भी बन जाता। उन्होंने कहा कि परंपरागत सोच को बदलना होगा। 'दक्षिण के कुछ राज्यों में जनसंख्या देश की औसत आबादी से कम है। देश के 174 जिले ऐसे हैं. लेकिन कुछ राज्यों में स्थिति अलग है.।

दिल्ली में बिजली कंपनियां हुई बेलगाम, एक से दो कमरों के मकानों का बिल लाखों में

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली में एक बार फिर बिजली कंपनियां अपनी मनमानी पर उतारू हो गई है। पांच राज्यों के चुनावों में एक तरफ केजरीवाल बिजली-पानी मुफ्त देने के बड़े-बड़े वादे कर रहे है वहीं दूसरी तरफ दिल्ली में बिजली-पानी के लाखों के बिल भेजकर गरीबों को लूटने में लगी है। पीड़ित लोगों की माने तो बिजली कंपनियों ने दिल्ली में लूट की सारी हदे पार कर दी है और एक से दो कमरों के मकानों का बिल हजारो व लाखों में भेजकर लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। हालांकि लोग अपने बिलों को ठीक कराने के लिए बिजली कार्यालयों के साथ-साथ विधायकों के भी चक्कर काट रहे हैं लेकिन सरकार इस मामले में कोई कार्यवाही नही कर रही है जिसकारण लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। दिल्ली में मुफ्त बिजली-पानी देने के मुद्दे पर सत्ता में आई आम आदमी पार्टी पर मटियाला विधानसभा के लोगों ने बिजली-पानी के लाखों के बिल भेजकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। मटियाला विधानसभा में लोग बिजली-पानी के लाखों के बिलों को लेकर दिल्ली सरकार व विधायक गुलाब सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे है। लोगों का कहना है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल यूपी, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा व पंजाब में बिजली-पानी मुफ्त देने के बड़े-बड़े वादे कर रहे है लेकिन दिल्ली में क्या हो रहा ये जानकर भी वो अंजान बने हुए है। लोगों का कहना है कि एक तरफ कोरोना में लोग काम धंधे खत्म हो जाने के चलते दो वक्त की रोटी का जुगाड़ नही कर पा रहे है।

मामला | शिक्षा के तालिबानीकरण की नही देंगे अनुमति, राहुल के बयान के बाद भाजपा का जवाब

हिजाब पर कर्नाटक सरकार की दो टूक, मानना होगा ड्रेस कोड

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

कर्नाटक/शिव कुमार यादव। कर्नाटक में हिजाब पर बवाल व कांग्रेस नेता के बयान के बाद राज्य सरकार ने अपना रूख स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रदेश में शिक्षा में ड्रेस कोड मानना ही होगा। कर्नाटक में हिजाब पर बवाल के बीच सरकार ने स्कूलों में ड्रेस कोड नियम लागू रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री बासवाराज बोम्मई की अध्यक्षता में बैठक के बाद कहा गया कि हाईकोर्ट में सुनवाई तक ड्रेस कोड नहीं हटाया जाएगा। हाईकोर्ट में आठ फरवरी को इस मामले में सुनवाई है।

बैठक के बाद कर्नाटक के शिक्षा मंत्री बीवी नागेश ने पत्रकारों को बताया कि ड्रेस का मामला अभी अदालत में है। मुख्यमंत्री ने कानून और शिक्षा विभाग के साथ बातचीत की है। उन्होंने हमें एडवोकेट जनरल की राय लेने के बाद अदालत को सरकार के रुख से अवगत कराने की सलाह दी है। कानून विभाग ने बैठक में अवगत कराया कि कानून और नियम क्या कहते हैं। स्कूली छात्राओं के हिजाब पहनने को लेकर हो रहे विवाद पर सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा कि हिजाब को छात्रों की शिक्षा में आड़े आने देकर हम भारत की बेटियों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। मां सरस्वती सभी को ज्ञान देती हैं। वह भेदभाव नहीं करती हैं। वहीं कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के सिद्धारमैया ने भी सरकार की मंशा पर सवाल उठाया। इससे पहले, उडुपी में कुछ छात्र भगवा गमछा लपेटकर स्कूल पहुंचे थे। कर्नाटक में जनवरी की शुरूआत में हिजाब का विवाद शुरू हुआ था, जब उडुपी के एक कॉलेज में 6 मुस्लिम छात्राएं क्लासरूम में हिजाब पहनने पर अड़ गई थीं। कॉलेज के प्रिंसिपल ने कहा था कि छात्राएं कॉलेज कैम्पस में हिजाब पहन सकती हैं, लेकिन क्लासरूम में इसकी इजाजत नहीं है। स्कूल प्रशासन की इस फैसले के बाद छात्राओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते-देखते ही राज्य के कई हिस्सों में हिजाब को लेकर प्रोटेस्ट होने लगा। कर्नाटक में साल 2018 में भी हिजाब का विवाद सामने आया था। तब हाईकोर्ट की सिंगल बैंच ने फैसला दिया था कि क्लासरूम में हिजाब पहनना गलत है। कर्नाटक के कुछ कॉलेजों में मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने के बाद उपजा विवाद लगातार गर्माता जा रहा है। ये विवाद पहले जहां सिर्फ कर्नाटक तक ही सीमित था। अब इस झगड़े ने देश की राजधानी दिल्ली में बैठे राजनेताओं की नींद उड़ा ली है।

खास खबर

कृषि विज्ञान केंद्र की सोलर प्रदर्शन इकाई का प्रधान सचिव ने किया अवलोकन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र, उजवा में दिल्ली स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती मनीषा सक्सेना व दिल्ली जल बोर्ड के मुख्य अन्वेषक अधिकारी एवं परिवार कल्याण स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव श्री बी एस जगलान ने केंद्र के फार्म व सोलर प्रदर्शन इकाई का अवलोकन किया। इस मौके पर केविके के अध्यक्ष, डॉ. पी.के.गुप्ता भी मौजूद रहे। कृषि विज्ञान केंद्र उजवा, नई दिल्ली में कृषि-वोल्टाइक प्रणाली को डिजाइन और विकसित किया गया है जिसके माध्यम से बिजली पैदा हो रही है, फसलों की खेती जमीनी स्तर के पीवी-मॉड्यूल के अंतर-अंतरिक्ष क्षेत्र में भी की जाती है। कृषि-वोल्टाइक प्रणाली के लगभग 90 फीसदी भूमि क्षेत्र का उपयोग सब्जी और फूलों की फसलों की खेती के लिए किया जाता है। 2021-22 के दौरान भिंडी, टमाटर, बैंगन, प्याज और लोबिया की कुछ चुनिंदा फसलें उगाई जाती हैं। इनके अलावा, तीन टायर फसल प्रणाली के रूप में अतिरिक्त आय उत्पन्न हुई। पहला टायर (फसल उगाई गई), दूसरा टायर (जमीन और ऊपरी सौर पीवी पैनलों के बीच में) और तीसरा टायर (सौर पीवी पैनल) पिलर बोतल लौकी के साथ अंतर फसल से करेला, पालक, ये सभी फसलें कृषि- सौर प्रणाली (एवीएस) के लिए उपयुक्त हैं। कृषि- सौर प्रणाली के तहत फसल से शुद्ध आय 39,800 रूपये .पीवी उत्पन्न बिजली 1,29,352 यूनिट (फरवरी से दिसंबर, 2021) है और फसल से खुले क्षेत्र की शुद्ध आय 39,445 रूपये है। इस अवसर पर गणमान्यों ने केंद्र में सोलर प्रदर्शन इकाई में प्रदर्शित फसलों का मूल्यांकन, आय, व्यय एवं शुद्ध आय आदि का अवलोकन किया। वहीं के.वि.के. द्वारा संचालित सभी गतिविधियों की जानकारी केंद्र अध्यक्ष, डॉ.पी.के.गुप्ता ने अतिथियों को दी। उन्होने बताया कि दिल्ली के किसानो को भी कृषि सौर प्रणाली के बारे में जानकारी दी जाए।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर कंवर साहेब जी महाराज ने दी श्रद्धांजलि

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/रोहतक/जयवीर फोगाट/भावना शर्मा। भारत की स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर परमसंत हुजूर कंवर साहेब जी महाराज ने शोक जताया। सुर साम्राज्ञी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हुजूर महाराज जी ने कहा कि लता जी का निधन ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई असंभव है। उनका जाना हर किसी का व्यक्तिगत नुकसान है क्योंकि उन्होंने अपने गायन से अनगिनत लोगों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा, लता जी के अंदर की भारतीयता उनके संगीत में झलकती थी, उनके जैसा व्यक्तित्व का अवतरण सदियों में होता है। रंगकर्मी कवि और वैश्य महाविद्यालय में प्रवक्ता हरिकेश पंघाल ने भारत रत्न लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि जब तक भारतीय गीत संगीत लोगों का मनोरंजन करेगा तब तक लता जी की आवाज़ भी सुनी जाती रहेगी। देश की लगभग हर भाषा में गीत गाकर उन्होंने अपनी आवाज़ के माध्यम से देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया। मेरी परमपिता परमात्मा से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

दिल्ली दंगा में आया नया मोड़

हाई कोर्ट ने हेट स्पीच के सभी आरोपियों को पक्षकार बनाने का दिया आदेश

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली में हुए दंगों को लेकर हाई कोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के नये निर्देशों के कारण केस में नया मोड़ आ गया है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि हेट स्पीच के मामले में जिन नेताओं और अन्य लोगों पर केस दर्ज किए गए हैं, उन्हें भी पक्षकार बनाया जाए। मंगलवार को कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के वकील को समय देते हुए कहा कि जिनपर दंगा भड़काने का आरोप है उन्हें पार्टी बनाया जाए। जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल और अनूप जे भंभानी की बेंच ने कहा कि कई ऐसे लोग जिनपर कार्रवाई की मांग की है उन्हें इस मामले में पक्षकार नहीं बनाया गया है। शेख मुजतबा फारूक और लॉयर्स वॉइस की तरफ से पेश हुए वकील कॉलिन गोंसल्वीस और सोनिया माथुर ने कहा कि जल्द ही इस मामले से जुड़े लोगों को पक्षकार बनाने का आवेदन दिया जाएगा। बेंच ने स्पष्ट किया कि जब ऐप्लिकेशन आ जाएगा तभी वे आगे सुनवाई बढ़ाएंगे। बता दें कि लॉयर्स वाइस ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के खिलाफ भी आरोप लगाए थे। इसके अलावा इस याचिका में मनीष सिसोदिया, अमानतुल्लाह खान और असदुद्दीन ओवैसी का भी नाम था। अब इस मामले में 16 फरवरी को सुनवाई होनी है।

बता दें कि दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने कुछ दिन पहले ही दिल्ली दंगा मामले में पहले शख्स को सजा सुनाई थी। दिनेश यादव नाम के शख्स को पांच साल कैद की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा उसपर 12 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। बता दें कि इस दंगे में 50 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी और बहुत सारे लोगों के मकान और दुकान में आग लगा दी गई थी। यहां यह भी बता दें कि नागरिकता कानून के विरोध में हो रहे आंदोलन ने दंगों का रूप ले लिया था। जिस शख्स को सजा मिली है वह उस भीड़ का हिस्सा था जिसने मनोरी नाम की महिला के घर पर हमला किया था। हालांकि यादव की वकील का कहना है कि इस सजा के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। वहीं हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब बचाव पक्ष आगे की कार्यवाही के लिए जुट गया है।

बुजुर्गों की पेंशन खत्म करने की नीति पर आगे बढ़ रही है बीजेपी-जेजेपी सरकार -हुड्डा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/ रोहतक/ जयवीर फोगाट/भावना शर्मा। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आरोप लगाया है कि सरकार बुजुर्गों की पेंशन खत्म करने की नीति पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने बुजुर्गों की पेंशन रोकने पर सरकार की कड़ी आलोचना की है। बता दें कि प्रदेश में पेंशनधारकों को अब तक पिछले साल दिसंबर और इस साल जनवरी महीने की पेंशन नहीं मिली है। सरकार द्वारा बुजुर्ग, विधवा और विकलांग पेंशन को रोका हुआ है। इस पर हुड्डा ने कहा कि 5100 रुपए पेंशन का वादा करके सत्ता में आई पार्टियां लगातार पेंशन कटौती कर रही हैं। पेंशन को फैमिली आईडी से जोड़कर अब तक हजारों

बुजुर्गों की पेंशन काट दी गई है। सरकार और भी हजारों बुजुर्गों की पेंशन पर कैंची चलाने की प्लानिंग कर रही है। एक तरफ सरकार द्वारा बुजुर्गों के सम्मान भत्ते की कटौती और दूसरी तरफ उसके भुगतान में देरी इस कल्याणकारी योजना के प्रति सरकार की उदासीनता को दर्शाता है। बुजुर्गों को पेंशन के लिए तरसाना उनका अनादर है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि यह बुजुर्ग सम्मान भत्ता उनके बुढ़ापे का सहारा है। इस पर परिवार पहचान पत्र और बेवजह के आर्थिक मापदंडों को थोपना बुजुर्गों का अनादर है। सरकार को पेंशन कटौती और भुगतान में लेटलतीफ़ी की नीति को बंद करना चाहिए। यदि मौजूदा सरकार ऐसा नहीं करती है तो भविष्य में उनकी सरकार बनने पर जिन बुजुर्गों की पेंशन काटी गई है, उसको वापस बहाल किया जाएगा और वादे के मुताबिक उसमें बढ़ोतरी भी की जाएगी।

नजफगढ़ में बदमाष बेखौफ, थाने से मात्र 100 मीटर की दूरी पर डॉक्टर को मारी गोली

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

द्वारका/नई दिल्ली/ शिव कुमार यादव। राजधानी दिल्ली के द्वारका जिला पुलिस क्षेत्र में बदमाश पूरी तरह से बेखौफ हो गये है। कभी बदमाश फिरोती के लिए गोली चलाते है तो कभी गोली मारकर हत्या कर देते है। अब एक चिकित्सक पर खुलेआम अस्पताल परिसर में गोली मारकर बदमाशों ने यह सिद्ध कर दिया कि यहां पुलिस की नही उनकी चलती है। रावता मोड़ स्थित राव तुलाराम अस्पताल में कार्यरत रेजिडेंट डॉक्टर हेमंत को बदमाशों ने रात 9 बजे के करीब खुलेआम गोली मार दी। यह वारदात जाफरपुर थाने से महज 100 गज की दूरी पर घटी वो भी अस्पताल परिसर में जहां सुरक्षा के लिए गार्ड्स भी तैनात होते है। हमले के बाद बदमाश मौके से फरार हो गये। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तीन बदमाशों ने पहले डॉक्टर का अपहरण करने की कोशिश की लेकिन जब कामयाब नही हुए तो गोली मारकर फरार हो गये। डॉक्टर हेमंत का अस्पताल में ईलाज चल रहा है जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस मौके पर पंहुचकर मामले की जांच में जुटी है और कई टीमें बनाकर बदमाशों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार डॉक्टर हेमंत सोमवार को अस्पताल से बाहर चाय पीने के लिए निकले थे। अचानक तीन बदमाशों ने उन्हे घेर लिया और पहले उनका अपहरण करने की कोषिश की लेकिन डॉक्टर हेमंत ने इसका विरोध किया और शोर मचाया तो कुछ लोग उस तरफ भागे। जब बदमाश अपनी योजना में कामयाब होते नही दिखाई दिये तो उन्होने हेमंत को गोली मार दी। लेकिन इसी दौरान गार्ड्स ने मेन गेट बंद कर दिया। हालांकि बदमाशों ने कार से गेट को टक्कर मार उसे तोड़ने की कोशिश की लेकिन जब गेट नही टूटा तो वो कार छोड़कर भाग गये।

बच्चों के लिए विशेष टीकाकरण अभियान का आयोजन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 15 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शुरू किए गए टीकाकरण अभियान के बाद, अब जेईई और नीट की तैयारी के लिए भारत के प्रमुख कोचिंग संस्थान, विद्यामंदिर क्लासेस ने भी टीकाकरण गतिविधियों में तेजी लाई है और टीकाकरण अभियान शुरू किया है। वहीं दिल्ली के विभिन्न स्कूलों में 6 फरवरी से एक सप्ताह का टीकाकरण अभियान आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य इस आयु वर्ग के बच्चों के बीच 700 खुराक को कवर करना है। विद्यामंदिर क्लासेस के सह-संस्थापक बृज मोहन ने कहा भारत सरकार के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के साथ समन्वय में वीएमसी द्वारा आसपास के बच्चों को टीका लगाने के लिए कोविड-19 पहल एक सराहनीय कदम है। जो यह सुनिश्चित करेगा कि वे महामारी के बीच और उससे आगे भी सुरक्षित रहें। हम यह भी अपील करते हैं सभी नागरिकों को अभियान को तेज करने में सरकार की पहल का समर्थन करने के लिए, क्योंकि टीकाकरण ही बीमारी पर मानव जाति की जीत का एकमात्र मार्ग है। सभी टीकाकरण स्थलों पर उचित व्यवस्था की जाएगी। सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

दिल्ली में 14 फरवरी से फिर शुरू होगी मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। जनवरी में कोविड की तेज रफ्तार के बीच रोकी गई मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना अब एक बार फिर 14 फरवरी से शुरू होने जा रही है। यहां बता दें कि कोरोना के कारण करीब 23 महीने तक तीर्थयात्रा योजना स्थगित रही थी और पिछले साल 3 दिसंबर 2021 को तीर्थयात्रा योजना फिर से शुरू की गई थी और दिसंबर से लेकर 3 जनवरी तक करीब एक महीने के दौरान चार ट्रेनें अलग-अलग तीर्थस्थलों के लिए रवाना हुई थीं। लेकिन जनवरी में कोविड की तेज रफ्तार के बीच एक बार फिर से तीर्थयात्रा रोकी ही दी गई थी। मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना में आवेदन करने वाले बुजुर्गों के लिए जल्द ही ट्रेनें शुरू होने जा रही हैं। करीब डेढ़ महीने के बाद 14 फरवरी से तीर्थयात्रा योजना फिर से शुरू हो रही है। पहली ट्रेन द्वारकाधीश मंदिर के लिए रवाना होगी। दिल्ली सरकार और रेलवे के बीच बातचीत के बाद यह तय हो गया है कि 14 फरवरी से तीर्थयात्रा योजना को फिर से शुरू की जायेगी। इस संबंध में तीर्थयात्रा विकास समिति के चेयरमैन कमल बंसल ने बताया कि 14 फरवरी को द्वारकाधीश व 18 फरवरी को दूसरी ट्रेन रामेश्वरम के लिए जाएगी। उनका कहना है कि रामेश्वरम और द्वारकाधीश के लिए बड़ी संख्या में आवेदन हैं। रेलवे अधिकारियों के साथ बातचीत में अभी दो ट्रेनों का शेड्यूल फाइनल किया गया है और उम्मीद है कि इस योजना में कुछ और ट्रेनें भी मिलेंगी, जिसके बाद दूसरे तीर्थस्थलों पर भी लोगों को दर्शनों के लिए भेजा जाएगा। अभी देश में कोविड की स्थिति और मामलों को देखते हुए तय किया जा रहा है कि किन-किन राज्यों के तीर्थस्थलों पर भेजा जा सकता है। तीर्थयात्रा योजना में सबसे ज्यादा ट्रेनें रामेश्वरम के लिए गई हैं। एक ट्रेन में 1000 से ज्यादा यात्री सफर करते हैं। तिरुपति, द्वारकाधीश, अमृतसर, अयोध्या, वैष्णो देवी, शिरडी, जगन्नाथपुरी, उज्जैन, अजमेर समेत कई तीर्थस्थलों के लिए ट्रेनें जा चुकी हैं। कोरोना के कारण करीब 23 महीने तक तीर्थयात्रा योजना स्थगित रही थी और पिछले साल 3 दिसंबर 2021 को तीर्थयात्रा योजना फिर से शुरू की गई थी और दिसंबर से लेकर 3 जनवरी तक करीब एक महीने के दौरान चार ट्रेनें अलग-अलग तीर्थस्थलों के लिए रवाना हुई थीं। जनवरी में कोविड की तेज रफ्तार के बीच एक बार फिर से तीर्थयात्रा रोकी गई थी। रेलवे ने अभी दो ट्रेनें मुहैया करवाई हैं। द्वारकाधीश और रामेश्वरम की यात्रा 5 से 7 दिनों तक होती है और इस हिसाब से एक ट्रेन के आने के बाद दूसरी ट्रेन एक हफ्ते बाद रवाना होगी। 14 और 18 फरवरी को दो ट्रेनें रवाना होंगी और फरवरी-मार्च के लिए कुछ और ट्रेन का शेड्यूल फाइनल किया जा रहा है।

महापौर ने नजफगढ़ जोन के निगम उपायुक्त को हटाने के आयुक्त को दिए निर्देश

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। बीते सप्ताह नजफगढ़ जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक व जोन उपायुक्त भूपेश चौधरी की आपसी खींचतान की चर्चा की गूंज सोमवार को दक्षिणी निगम में सदन में सुनाई दी। जब नजफगढ़ जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक ने बजट चर्चा के लिए बुलाई गई विशेष बैठक में उपायुक्त भूपेश चौधरी पर नागरिकों की समस्याओं को नजर अंदाज करने का आरोप लगाते हुए उन्हे नजफगढ़ उपायुक्त पद से हटाने की मांग की। उन्होने ये यहां तक कह दिया कि अगर उपायुक्त को नही हटाया गया तो वे इस्तीफा दे देंगे। हालांकि उपायुक्त कार्यालय पर ताला लगाने के मामले में पुलिस अभी जांच कर रही है। सत्यपाल मलिक की मांग के बाद महापौर मुकेश सुर्यान ने निगमायुक्त को निर्देश दिए कि उपायुक्त को वहां से तुरंत हटाया जाये। सुर्यान ने कहा कि भूपेश चौधरी की जगह से नगर निगम नहीं चल रहा है। ऐसे में उपायुक्त को तुरंत उनके पद से हटाया जाए। दरअसल, इससे पहले भी जोन चेयरमैन और उपायुक्त में काफी विवाद हो चुका है। गत शुक्रवार को क्षेत्र में दौरा न करने को लेकर सत्यपाल मलिक ने जोन उपायुक्त कार्यालय में उस वक्त ताला लगा दिया था जब उपायुक्त स्वयं कार्यालय में अंदर मौजूद थे। हालांकि अपनी इस कार्यवाही पर जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक का कहना था कि ताला इसलिए लगाया था, ताकि उपायुक्त भूपेश चौधरी की आनलाइन बैठक में कोई व्यवधान न हो।

खुलासा पुलिस ने अंजान वीडियो काल को सुनने से पहले एहतियाती कदम उठाने की दी जानकारी

एप से हनीट्रैप में फंसाकर लोगों को लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

दो महिलाओं सहित 3 गिरफ्तार

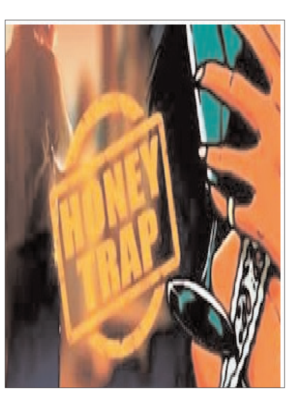

नोएडा/भावना शर्मा। एप के जरिए हनीट्रैप में फंसाकर लोगों से दोस्ती कर लूटने वाले गिरोह का फेज-2 पुलिस ने मंगलवार को खुलासा किया है। आरोपी बेहोश कर वारदात करते थे। पुलिस ने गिरोह में शामिल दो महिलाओं सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने लोगों से लूटा गया सामान बरामद किया है। मंगलवार को पुलिस टीम ने पकड़े गए आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। नोएडा सेंट्रल जोन के एडीसीपी इलामारन ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि एक गिरोह एप के जरिए लोगों से दोस्ती कर लूट की घटनाओं को अंजाम दे रहा है। इसके बाद मंगलवार को पुलिस टीम ने भंगेल लेबर चौक के पास से दो महिलाओं सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान विजयनगर गाजियाबाद निवासी विनोद, मुरादनगर निवासी पूजा शर्मा और उत्तम नगर दिल्ली निवासी पूनम मेहतो के रूप में हुई है। आरोपियों के दो साथी अभी फरार हैं। पुलिस टीम उनकी तलाश में दबिश दे रही है। जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी टिंडर एप के माध्यम से लोगों से दोस्ती करते थे। बाद में उनके साथ लूट करते थे। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस टीम ने सोने की अंगूठी, सोने की चेन और सोने का सिक्का बरामद किया है जिनकी कीमत लगभग एक लाख 75 हजार रुपये है। इसके अलावा दो चांदी के ग्लास, चांदी का सिक्का, आर्टिफिशियल सामान, आधार कार्ड, विभिन्न बैंकों के 10 क्रेडिट, डेबिट कार्ड, चार मोबाइल, 60 नींद की गोलियां, एक पुड़िये में पिसा हुआ पाउडर और 4200 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि ये लोग एप के जरिए लोगों से दोस्ती करते थे। जो लोग इनकी दोस्ती के जाल में फंस जाते थे, उन्हें ये लोग विश्वास में लेकर मिलने के लिए बुलाते थे और खाने या पीने की चीज में नींद की गोलियां देकर उसे बेहोश कर देते थे। इसके बाद उससे रुपये, गहने और अन्य कीमती सामान लूटकर फरार हो जाते थे। आरोपी कई लोगों को निशाना बना चुके हैं।

पुलिस ने कहा कि वीडियो कॉल रिसीव करते समय बरतें सावधानी

- अगर कोई अनजान या अपरिचित नंबर से वीडियो कॉल आ रहा है तो रिसिव नहीं करें। यदि कोई बार-बार कॉल करता है तो अपने कैमरे के ऊपर अपनी अंगुली रख लें या उठाने से पहले कैमरे का फेस चेंज कर दें।
- अनजान नंबरों से बातचीत करते समय सावधानी बरतें। अनजान लोगों से चैट करने से पहले उसकी पूरी जानकारी कर लें।
- डेटिंग ऐप या साइट का उपयोग करने से बचना चाहिए।

दखल

किम की जिद में फंसा उत्तर कोरिया

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन के साथ अमेरिका ने बातचीत शुरू की थी, लेकिन यह बेनतीजा रही। आज भी कोई आसार नहीं दिख रहे कि अमेरिका किम को और मिसाइल परीक्षणों से रोक पाएगा। उत्तर कोरिया ने इस साल जनवरी में एक के बाद एक मिसाइल परीक्षण करते हुए दुनिया को फिर से यह संदेश दे दिया है कि वह अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने का अभियान जारी रखेगा।

उत्तर कोरिया के इस कदम से खासतौर से अमेरिका की नींद उड़ी हुई है और संयुक्त राष्ट्र भी चिंतित है। हैरानी की बात तो यह कि उत्तर कोरिया ने ये परीक्षण ऐसे वक्त में किए हैं जब कोरोना महामारी के कारण उसकी अर्थव्यवस्था चरमरा जाने और भुखमरी के हालात पैदा हो जाने की खबरें आ रही हैं। हालांकि दावा यह किया जा रहा है कि उत्तर कोरिया के तानाशाह शासक किम जोंग उन ने देश के भीतर जन असंतोष को काबू में रखने के लिए ही ये मिसाइल परीक्षण किए हैं, ताकि मुख्य आर्थिक मुद्दों से जनता का ध्यान बांटा जा सके। उत्तर कोरिया का परमाणु व मिसाइल कार्यक्रम क्षेत्रीय शांति के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। इससे एशियाई क्षेत्र में हथियारों की होड़ बढ़ गई है। यह खतरा इसलिए भी गंभीर है कि ज्यादातर एशियाई देशों की बड़ी आबादी पहले से ही गरीबी जैसे संकट का सामना कर रही है। मगर देखने में आ रहा है कि एशियाई देश हथियारों की होड़ को कम करने के बजाय उसे बढ़ाने में ही अपनी सुरक्षा समझ रहे हैं।

वैसे इसके पीछे एक बड़ा कारण यह है कि इससे वैश्विक हथियार कारोबार को भी ताकत मिलती है। पिछले कुछ सालों में उत्तर कोरिया ने अपने मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम तेज कर दिए हैं। इसका सीधा प्रभाव दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों पर पड़ रहा है, जिनका उत्तर कोरिया से पुराना विवाद चला आ रहा है। उत्तर कोरियाई हथियार कार्यक्रम के कारण जापान व दक्षिण कोरिया को भी हथियार की होड़ में शामिल होना पड़ा है, जिसका स्वाभाविक रूप से लाभ अमेरिकी हथियार उद्योग को मिल रहा है। मिसाइल कार्यक्रम में उत्तर कोरिया काफी आगे बढ़ चुका है। उसने ह्वासोंग श्रेणी के आधुनिक मिसाइल विकसित कर ली हैं। ह्वासोंग-12 की मारक क्षमता 4500 किलोमीटर है, जबकि ह्वासोंग-14 की मारक क्षमता दस हजार चार सौ किलोमीटर है। ह्वासोंग-15 की मारक क्षमता 13 हजार किलोमीटर है। आज उत्तर कोरियाई मिसाइलों के निशाने पर अमेरिकी शहर हैं। इसीलिए अमेरिकी प्रशासन ने उत्तर कोरिया पर परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को रोकने के लिए हर तरह से दबाव बनाने में लगा है, इसका नतीजा कुछ नहीं निकल रहा।

उधर चीन पूरी तरह से उत्तर कोरिया के साथ है और उसके मिसाइल विकास कार्यक्रम में हर तरह से मदद दे रहा है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन के साथ अमेरिका ने बातचीत शुरू की थी। लेकिन यह बेनतीजा रही। आज भी कोई आसार नहीं दिख रहे कि अमेरिका किम को और मिसाइल परीक्षणों से रोक पाएगा। हालांकि उस समय किम जोंग ने बातचीत के दौरान हथियारों के होड़ को कम करने के संकेत दिए थे। लेकिन हकीकत में अब तक ऐसा कुछ देखने में आया नहीं है जिससे लगता हो कि उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों और मिसाइलों के विकास को रोकेगा, बल्कि वह इस काम को और तेजी से बढ़ाता जा रहा है। पिछले साल सैन्य परेड में किम जोंग उन ने सबमरीन बैलेस्टिक मिसाइलों का प्रदर्शन किया था।

उत्तर कोरिया के हालात इस समय काफी खराब है। कोरोना के कारण उत्तर कोरिया ने देश में कड़े प्रतिबंध और बंदी जैसे कदम उठाए। इससे वहां खाद्य पदार्थों का संकट गहरा गया। आज लाखों लोग भुखमरी के शिकार हो गए हैं। खुद किम जोंग उन ने भी इस बात को माना है। इसके बावजूद उत्तर कोरिया मिसाइल परीक्षण कर रहा है, परमाणु कार्यक्रम तेज कर रहा है तो इसका सीधा मकसद देश को ऐसी बड़ी सैन्य ताकत बनाना है जो अमेरिका की चुनौतियों का मुकाबला कर सके। इसीलिए गरीब मुल्क होने के बावजूद किम जोंग उन सेना के आधुनिकीकरण और हथियारों पर भारी पैसा खर्च कर रहा है। उत्तर कोरिया की थल सेना में ग्यारह लाख और वायु सेना में एक लाख दस हजार जवान हैं। जबकि आर्थिक रूप से विकसित उसके पड़ोसी दक्षिण कोरिया की थल सेना में साढ़े चार लाख सैनिक हैं और वायुसेना में पैंसठ हजार।

हालांकि कोरिया प्रायद्वीप में दशकों से मौजूद तनाव का एक मुख्य कारण इस इलाके के प्राकृतिक संसाधन भी हैं। इन संसाधनों को लेकर वैश्विक ताकतें संघर्ष करती रही है। बीसवीं सदी में एशियाई भू-राजनीति को अपने हिसाब से चलाने के लिए पश्चिमी ताकतों ने भारत और पाकिस्तान की तर्ज पर कोरिया का भी विभाजन कर दिया था। वैश्विक ताकतों की विभाजन की इसी कूटनीति के कारण कोरियाई देश एक दूसरे के खिलाफ हैं। सोवियत रूस और अमेरिका ने द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान की हार के बाद कोरिया का विभाजन कर उसे उत्तर और दक्षिण कोरिया में बांट दिया था। उसके बाद से ही ये देश हथियारों की होड़ में लग गए। उत्तर कोरिया ने जहां अपने परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल कार्यक्रम को तेज किया, वहीं दक्षिण कोरिया हथियारों और मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए अमेरिका पर निर्भर हो गया। दरअसल 19वीं सदी से ही कोरिया वैश्विक ताकतों के बीच संसाधनों को लेकर युद्ध का शिकार हो गया था। कोरिया में लोहा और कोयले काफी है। इसलिए जापान और चीन दोनों की नजरें यहां के संसाधनों पर लगी हैं। जापान ने चीन के प्रभाव से कोरिया को निकालने की कोशिश की।

जापान ने खनन क्षेत्र में कोरिया को आधुनिक तकनीक देकर उसे चीन के प्रभाव से निकालने की कोशिश की। पर इसका नतीजा यह हुआ कि कोरियाई संसाधनों पर कब्जे को लेकर चीन और जापान एक दूसरे के सामने आ गए। 20वीं शताब्दी में भी इस इलाके के संसाधनों पर कब्जे के लिए जापान अपनी ताकत दिखाता रहा है। पर दूसरे विश्वयुद्ध में वह हार गया था। अब तक माना जा रहा था कि जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद उत्तर कोरिया के साथ बातचीत की संभावनाएं बनेंगी। इस दिशा में कुछ प्रयास शुरू तो हुए, पर अभी तक अमेरिका किम जोंग उन के साथ तालमेल बैठ नहीं पाया है। कहा यह भी जाता रहा है कि उत्तर कोरिया के परीक्षण अमेरिका पर दबाव बनाने के लिए ज्यादा हैं। लेकिन इस हकीकत से कोई इनकार नहीं करेगा कि उत्तर कोरिया को मिसाइल शक्ति से संपन्न बनाने के पीछे चीन के भी अपने हित हैं। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के साथ उत्तर कोरिया भी अमेरिका के लिए बड़ा सरदर्द बन गया है।

उत्तर कोरिया के सामने बड़ी चुनौती देश को मौजूदा संकट से उबारने की है। दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्था 1.64 खरब डालर की है, जबकि उत्तर कोरिया की अर्थव्यस्था चालीस अरब डालर की है। महामारी में भी दक्षिण कोरिया ने अपनी अर्थव्यवस्था को बचाए रखा और निर्यात को बढ़ाया। महामारी के दौर में दक्षिण कोरिया ने रूस और ब्राजील की अर्थव्यवस्था को भी पीछे छोड़ दिया। दूसरी तरफ लॉकडाउन के कारण उत्तर कोरिया में भुखमरी फैल गई। इससे यह तो साफ है कि उत्तर कोरिया नए संकट में फंसता जा रहा है। लेकिन हथियार निर्माण और परीक्षण उसकी प्राथमिकता है। ऐसे में बड़ा संकट यही है कि अगर यह मुल्क इसी रास्ते पर चलता रहा तो एक न एक दिन इसकी नीतियों का खमियाजा पूरे क्षेत्र को उठाना पड़ सकता है।

विचार

यूक्रेन में नागरिकों के प्रति चिंता

भारत सरकार की नागरिकों को यूक्रेन से निकालने की पहल बिल्कुल सही समय पर की गई है। इससे भारत में अपने लोगों के लिए चिंतित लोगों को राहत मिलेगी। यूक्रेन के हालात बता रहे हैं कि वहां कभी भी कुछ भी हो सकता है। संकट लगातार बढ़ रहा है।

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की तरफ से विमान नहीं मिलने को लेकर की जा रही शिकायत के बाद सरकार एक्टिव हो गई है। सरकार ने कोरोना वायरस के कारण एयर बबल एग्रीमेंट के तहत यूक्रेन आने-जाने के लिए सीमित फ्लाइट्स संचालित करने का प्रतिबंध हटा लिया है। इंडियन एविएशन मिनिस्ट्री ने कहा कि अब यूक्रेन के लिए एयरलाइंस कितनी भी फ्लाइट्स संचालित कर सकती हैं। साथ ही स्पेशल चार्टर्ड फ्लाइट्स भी ऑपरेट की जा सकती हैं। इससे पहले छात्रों की गुहार सुनते हुए केंद्र सरकार ने बुधवार को ही भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ ही यूक्रेन में मौजूद भारतीय दूतावास में भी स्पेशल कंट्रोल रूम बना दिए थे, जो यूक्रेन में मौजूद भारतीय नागरिकों की हर समस्या सुलझाने में मदद कर रहे हैं। यूक्रेन मसले को लेकर यूरोप में लगातार बेचैनी बढ़ती जा रही है। यूरोपीय यूनियन ने यूक्रेन स्थित दूतावास के गैर जरूरी कर्मचारियों को वापस देश लौटने के लिए कहा है।

इटली के विदेश मंत्रालय ने अस्थायी तौर पर अपने नागरिकों को यूक्रेन छोड़ने के लिए कहा है। इसके अलावा डोनेट्सक, लुहान्सक और क्रीमिया क्षेत्र की यात्रा ना करने की सलाह भी दी है। तुर्की ने जरूरी ना होने पर नागरिकों को पूर्वी यूक्रेन ना जाने की सलाह दी है। नीदरलैंड्स और एस्टोनिया ने अपने नागरिकों को जल्द से जल्द यूक्रेन छोड़ने की सलाह दी है। आयरलैंड ने दूतावास के कर्मचारियों में कमी की है। विभिन्न देशों के यह अलर्ट बता रहे हैं कि रूस और यूक्रेन में तनाव कम होने की खबरें अभी पुख्ता नहीं हैं और कभी भी युद्ध भड़क सकता है। इस परिस्थिति में केंद्र सरकार का विमानों की आवाजाही पर लगा प्रतिबंध हटाना सही फैसला है। देखा जाए तो यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय बन गई है। चिंता इसलिए भी बढ़ गई क्योंकि यूक्रेन की राजधानी कीव में भारतीय दूतावास ने इस संकटग्रस्त देश में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों, खासतौर से छात्रों को वहां से चले जाने का परामर्श जारी कर दिया था।

जाहिर है, भारतीय दूतावास हालात की गंभीरता को समझ रहा है। उसे भी लग रहा है कि अगर रूस और यूक्रेन के बीच जंग छिड़ गई तो भारतीय नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकाल पाना आसान नहीं होगा। ऐसे में सरकार की अपने नागरिकों को वहां से निकालने की पहल बिल्कुल सही समय पर की गई है। इससे भारत में अपने लोगों के लिए चिंतित लोगों को भी राहत मिलेगी। हालांकि ऐसे ही मुश्किल हालात में भारत ने पहले भी अपने लोगों को बचाया है। कुछ महीने पहले तालिबान के सत्ता हथियाने के बाद अफगानिस्तान से भारतीयों को सुरक्षित निकाला गया था। इराक में इस्लामिक स्टेट के हमलों के बाद वहां से भारतीय नागरिकों को बचाया गया था। तीन दशक पहले जब इराक ने कुवैत पर हमला कर दिया था, तब भी वहां फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकाल लिया गया था।

ज्ञान परंपरा में वैज्ञानिकता

जिस दिशा में आधुनिक विज्ञान केवल पिछली शताब्दी में ही विचार कर सका, उसकी उपस्थिति भारत में सदियों से न केवल चिंतन में थी, बल्कि वह विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में योगदान भी कर रही थी। वैचारिकता को व्यावहारिकता में परिवर्तित कर उन्होंने गणित और विज्ञान की ठोस नींव रखी। भारत सदा से व्यावहारिक, जनहितकारी वैज्ञानिक और तार्किक सोच तथा शोध में निष्णात देश रहा है।

पृथ्वी पर मनुष्य का जीवन प्रकृति पर निर्भर है। प्रकृति न केवल मनुष्य और अन्य जीवधारियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है, बल्कि वह जीवन के आध्यात्मिक तत्व की ओर भी अग्रसर करती है। मानवमात्र को बिना किसी भेदभाव के अनेक जन्मजात वरदान प्रकृति से मिले हैं, जिनमें विचार की शक्ति और संकल्पना की शक्ति सबसे पहले आते हैं। इन दैवीय वरदानों के आधार पर मानव सभ्यताएं विकसित हुईं, मनुष्य ने अपने प्रयत्नों से ज्ञान, विज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, स्वस्थ जीवन जैसे क्षेत्रों में प्रवीणता हासिल की और आगे बढ़ता गया। बाहरी जगत उसे अपने हर पक्ष को जानने के लिए प्रेरित करता रहा। लेकिन जैसे-जैसे विचार व संकल्पनाओं ने इस जगत को पहचानने में सहायता की, उसी तरह जीवन कहां से क्यों, और जीवन के बाद क्या जैसे प्रश्न भी उभरे।

भारत की प्राचीन सभ्यता के विकास की विशेषता रही कि यहां के जिज्ञासुओं, गुरुओं, ऋषियों, मनीषियों और तपस्वियों ने केवल बाहर तो देखा ही, मनुष्य के भीतर-अंतरतम तक को समझने का भी प्रयास किया। उन्होंने उस मूल चेतना को पहचाना जो मनुष्य मात्र की एकता को स्थापित करती थी। ज्ञान और दर्शन में लगातार परिश्रमपूर्वक आगे बढ़ते रहने की प्रवृत्ति तथा हर उपलब्धि को और गहराई तक जानने के लिए अध्ययन, मनन, चिंतन में वे उत्कृष्टता प्राप्त करते रहे। उन्होंने मनुष्य व प्रकृति की परस्परता को जाना और इस पारस्परिकता को बनाए रखने के लिए मनुष्य के उत्तरदायित्व को स्पष्ट रूप से निर्धारित किया। प्राचीन भारतीय चिंतन, दर्शन और वैज्ञानिक निष्कर्षों का मूल तत्व जो हजारों साल पहले यहां के जीवन का अंग बना था, उसका महत्त्व आज के विश्व में पूरी तरह स्वीकार्य ही नहीं, आवश्यक भी बन गया है।

यदि अपरिग्रह की भावना और सदाचरण को स्वीकार किया गया होता तो पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, बीमारी, भुखमरी जैसे वैश्विक समस्याएं विकराल रूप में मनुष्य के समक्ष उपस्थित नहीं हुई होतीं। क्या यह सोच वैज्ञानिकता से परिपूर्ण नहीं थी कि प्रकृति के पास संसाधन सीमित हैं, मनुष्य को उनके उपयोग केवल अपनी आवश्यकता पूर्ति के लिए ही करना चाहिए, संग्रहण या दुरुपयोग के लिए नहीं? इसमें निहित गंभीर और गहराई तक पैठा दर्शन और चिंतन केवल पांच कर्मेंद्रियों द्वारा ही प्राप्त अनुभव के आधार पर संभव नहीं था। यह सशक्त और सर्व-उपलब्ध माध्यम रहा है। आधुनिक विज्ञान ने अनेक उपकरणों द्वारा इसके दायरे बढ़ा दिए हैं। लेकिन एक दूसरा माध्यम भी है सहज बोध! यह केवल मष्तिष्क के उपयोग से भी संभव नहीं था। इसमें मन और मष्तिष्क दोनों का समन्वय आवश्यक था। यही प्राचीन भारतीय चिंतन ने प्राप्त कर लिया था।

प्राचीन काल से जितनी भी सभ्यताएं विकसित हुईं, उनकी विकास की गति और प्रारंभ होने का समय सदा एक से नहीं रहे। अनेक विचार, खोजें और प्रकृति के रहस्योद्घाटन एक ही समय पर अनेक स्थानों और व्यक्तियों द्वारा भी किए गए। अनेक सभ्यताएं समय के साथ आए झंझावातों के कारण समाप्त हो गईं, कुछ इनका प्रतिकार कर सकने में सक्षम रहीं और अपनी निरंतरता तथा प्रगति को सुरक्षित रख सकीं। मशहूर शायर मोहम्मद इकबाल ने भारत की सभ्यता के संदर्भ में इसे कुछ इस तरह देखाः 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौरे-जहां हमारा।' इसमें निहित वैचारिकता की श्रेष्ठता, वैज्ञानिकता का आधार और आध्यात्मिकता का समवाय ही इस सभ्यता को हर प्रकार के झंझावातों में भी सुरक्षित रख पाया। इसकी समावेशी प्रकृति ही इसका संबल रही। इसे ही गांधी जी ने यों कहा था कि 'मैं अपने घर के दरवाजे और खिड़कियां खुले रखूंगा, ताकि ताजी हवा हर तरफ से आती रहे, लेकिन यह नहीं होने दूंगा कि आंधी में मेरा घर ही उजड़ जाए!'

इस समय चर्चा पूरब और पश्चिम की सभ्यताओं को लेकर ही होती है। भारत की शिक्षा व्यवस्था में स्थिति कुछ इस प्रकार है कि यहां के लोगों को अपनी ज्ञान-परंपरा की केवल सीमित जानकारी है। पश्चिम की सभ्यता को मुख्य रूप से विज्ञान के विकास और उसके वैश्विक प्रभाव के रूप में ही देखा जाता है। ऐसे में प्राचीन भारतीय विचार और चिंतन में विज्ञान और वैज्ञानिकता से भारतीयों का अपरिचय अन-अपेक्षित नहीं कहा जा सकता है। यह भी एक तथ्य है कि भारतीय ज्ञानार्जन और उपयोग की परंपरा को नष्ट करने के प्रयास लगभग सात सौ वर्षों तक होते रहे, इसलिए समय के साथ जो प्रगति होनी चाहिए थी, वह हो ही नहीं सकी थी। लेकिन प्राचीन भारतीय चिंतन की वैज्ञानिकता को बीसवीं सदी के प्रारंभ से ही विज्ञान के धुरंधरों ने भी स्वीकार करना प्रारंभ कर दिया था। 1913 में चिकित्सा विज्ञान के लिए नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले मनोवैज्ञानिक चार्ल्स रोबर्ट रिचेट (1850-1935) ने लिखा था कि मेटाफिजिक्स (तत्व मीमांसा) आधिकारिक रूप से विज्ञान नहीं माना जा रहा है, लेकिन उसे मानना होगा।

अनेक अवसरों पर यथार्थ हमारे पास केवल पांच इंद्रियों द्वारा ही नहीं पहुंचती है, अन्य ढंग से भी पहुंचती है। सर जेम्स जीन (1877-1946) ने अपने एक भाषण में कहा था कि विज्ञान में लगभग यह सहमति बनी है कि सारा ज्ञान भौतिक तथ्यों, ऐंद्रिक अनुभवों और वास्तविकताओं से आगे उस दिशा में बढ़ रहा है जहां ब्रह्मांड मशीन के स्थान पर एक विचार दिखाई देगा! क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है कि जिस दिशा में आधुनिक विज्ञान केवल पिछली शताब्दी में ही विचार कर सका, उसकी उपस्थिति भारत में न केवल चिंतन में थी, बल्कि वह विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में ऐतिहासिक योगदान भी कर रही थी। वैचारिकता को व्यावहारिकता में परिवर्तित कर उन्होंने गणित और विज्ञान की ठोस नींव रखी। 'टाइम एंड स्पेस' की समझ के आधार पर उन्होंने भौतिक संरचनाओं (ब्रह्मांड) को प्रस्तुत किया और गणनाएं की, जो आज के विज्ञान पर भी खरी उतरती हैं। जब आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, बोधायन, भास्कराचार्य, कणाद, सुश्रुत, चरक, बागभट्ट जैसे मनीषियों के योगदान को समझा और सही ढंग से प्रस्तुत किया जाता है, तब भारत की ज्ञानार्जन परंपरा में वैज्ञानिकता की कमी को केवल एक हास्यास्पद निष्कर्ष ही माना जा सकेगा।

भारतीय चिंतन व दर्शन की ऐतिहासिकता और उसमें निहित वैज्ञानिकता आज सारे विश्व में चर्चित हैं। अभी भी नामचीन वैज्ञानिकों को भी आश्चर्य होता है कि हजारों साल पहले भारत में इतनी गहन ज्ञान परंपरा कैसे विकसित हो सकी, जो भारतीयों को एक ऐसी वैश्विक दृष्टि दे पाई और जिसमें 'ईश्वर अंश जीव अविनाशी' जैसा सूक्ष्म दर्शन तथा 'सर्वे भवंतु सुखिनः' जैसी व्यवहारिकता विद्यमान थी। स्वतंत्रता के तत्काल बाद विभाजित देश के समक्ष उपस्थित गरीबी और अशिक्षा की महती चुनौती का सामना करते हुए भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी को विकास के लिए आवश्यक माना और उसके लिए संस्थान स्थापित किए। इन संस्थानों से पढ़ कर निकले भारत के युवाओं ने विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई।

ट्विटर

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को सुरक्षित अपने देश लाया जाएगा। सरकार के लिए हर एक नागरिक महत्व रखता है। जल्द विमान वहां भेजे जाएंगे व संकट खत्म होगा।

ज्योतिरादित्य सिंधिया, एविएशन मंत्री

यूक्रेन में मौजूदा हालात के बीच सरकार वहां के दूतावास के संपर्क में है और सभी भारतीयों की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। तनाव पर हमारी नजर बनी हुई है।

एस जयशंकर, विदेश मंत्री

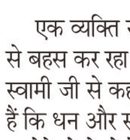

सत्यार्थ

नीयत भी अच्छी होनी चाहिए

एक व्यक्ति स्वामी विवेकानंद जी से बहस कर रहा था। उस व्यक्ति ने स्वामी जी से कहा, आप हमेशा कहते हैं कि धन और स्त्री के पीछे नहीं भागोगे तो ये दोनों तुम्हारे पीछे भागेंगे। आपकी ये बातें सुनकर मैंने एक वर्ष के लिए संकल्प लिया था कि अब मैं धन और स्त्री के पीछे नहीं भागूंगा। मैंने ईमानदारी से इस संकल्प का पालन भी किया और अब एक साल हो पूरा गया है। आपकी बात झूठी साबित हो गई है। आपने कहा था कि धन और स्त्री के पीछे नहीं भागोगे तो ये हमारे पीछे भागेंगे, लेकिन मेरे पीछे न तो धन आता है और न ही कोई स्त्री आती है। मैं तो ऐसा का ऐसा ही रह गया। एक साल के संकल्प के बाद मुझे कोई लाभ नहीं मिला है। विवेकानंद जी ने कहा, भइया एक बात बताओ। इस संकल्प के पीछे तुम्हारी साधना थी या तुम्हारी कामना थी? स्वामी जी की ये बात सुनकर वह व्यक्ति चौंक गया और बोला, ये क्या बात है? विवेकानंद जी बोले, अगर तुमने साधना के साथ संकल्प लिया है तो परिणाम कुछ और होंगे। अगर तुमने कामना के साथ संकल्प लिया है कि तुम धन और स्त्री के पीछे नहीं भागोगे तो ये तुम्हारे पीछे आएंगे तो ऐसा कभी नहीं होगा। उस युवक ने ये बातें सुनने के बाद स्वामी जी के पैर पकड़ लिए और कहा, आपकी बातें मुझे थोड़ी-थोड़ी समझ आ रही हैं। कृपया मुझे साफ-साफ समझाइए। विवेकानंद जी ने कहा, अच्छे संकल्प और अच्छे काम के पीछे नीयत क्या है, ये बात समझनी चाहिए। अगर मेरी बात का तुमने ये अर्थ लगाया कि स्त्री और धन तुम चाहते तो हो और ये दोनों छोड़ने से मिलेंगे तो ये बात गलत है। मैं तुम्हें ये समझाना चाहता हूं कि अगर तुम धन और स्त्री की आसक्ति छोड़ दोगे तो ये किसी न किसी रूप में तुम्हारे आसपास आएंगे, लेकिन तुम्हारे मन में कोई कामना नहीं होनी चाहिए। अगर हम कोई अच्छा काम करते हैं तो उसके पीछे नीयत भी अच्छी होनी चाहिए। अगर हम किसी निजी कामना की वजह से अच्छे काम कर रहे हैं तो उनका पूरा लाभ नहीं मिल पाएगा।

ख़ास ख़बर

राकेश टिकैत का ऐलान, इस बार अलग होंगे चुनावी नतीजे

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/यूपी/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा। यूपी विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण के मतदान के दौरान ही भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने परिणाम घोषित करते हुए कहा कि इस बार परिणाम अलग होंगे। उन्होंने कहा कि जो लोग जीत का मुगालता पाल रहे है उन्हे मुंह की खानी पड़ेगी क्योंकि मुजफ्फरनगर में शांति ने 2013 की स्थिति की जगह ले ली है। गौरतलब है कि 2013 में हुए दंगों के बाद पिछले चुनाव में भाजपा को भारी सफलता मिली थी। इस बार के चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा की तरफ से दंगों को बार-बार मुद्दा भी बनाने की कोशिश की गई। गुरुवार को एक प्रेस मीटिंग में 2013 में मुजफ्फरनगर जिले में हुए सांप्रदायिक दंगों का जिक्र करते हुए भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि 2013 का परिणाम एक ट्रायल था। उस ट्रायल के स्टेडियम को ही इस बार ध्वस्त कर दिया गया है। जिन स्टेडियमों में ये मैच खेले गए थे, वह अब ध्वस्त हो चुके हैं। जिले में वोट डालने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि पूर्व स्थिति की जगह शांति ने ले ली है और इस बार नतीजे पहले जैसे नहीं होंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या नया मैच खेला जा रहा है। टिकैत ने कहा कि नया मैच पहले ही खेला जा चुका है और इसका परिणाम जल्द दिखाई देगा। वहीं लखीमपुर हिंसा में गिरफ्तार केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को जमानत मिलने पर भी उन्होंने उंगली उठाई। राकेश टिकैत ने कहा कि वह इस बात को यूपी में बीजेपी के खिलाफ प्रचारित करेंगे। उन्होंने गंभीर मामले में जल्दी जमानत मिलने की बात कहकर कहा कि कोई आम आदमी होता तो क्या इतनी जल्दी बेल मिलती? राकेश टिकैत ने कहा कि हमारा तो यह कहना है कि 302 के इतने गंभीर मामले में दूसरे लोगों को भी बेल मिली हो तो ठीक है, नहीं मिली हो तो देख लो। चुनाव में इस मुद्दे को लेकर उन्होंने कहा कि हां हमारा प्रचार यह रहेगा। क्यों नहीं रहेगा। इतनी जल्दी कौन से तथ्य सामने आ गए, इतनी जल्दी किसी और को जमानत मिलती हो इस तरह के केस में तो देखने वाले तथ्य हैं। टिकैत ने कहा कि किसानों के पास इतने बड़े वकील तो है नहीं, ये बड़े आदमी है, इनके साथ सरकार और वकील खड़ी कर सकती है। तो मिल गई होगी, कोर्ट तो तथ्य के आधार पर चलती है, उस तरह की दलील दी होगी। किसानों की कौन पैरवी करेगा। इनके साथ तो शायद 32 वकील थे।

हिजाब विवाद पर हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक धार्मिक पोशाक पहनने पर लगाई रोक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/कर्नाटक/भावना शर्मा। कर्नाटक में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने से जुड़े मुद्दे ने अब तूल पकड़ लिया है। इस मुद्दे में अब छात्रों के साथ-साथ धार्मिक संगठन व राजनैतिक पार्टियां भी कूद पड़ी हैं जिसे लेकर राज्य में तनाव की स्थिति भी बन गई है। हालांकि इस पूरे विवाद पर कर्नाटक हाई कोर्ट की बड़ी बेंच में आज सुनवाई हुई। कर्नाटक उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी, न्यायमूर्ति कृष्णा एस दीक्षित और न्यायमूर्ति जेएम काजी की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा है कि जब तक इस मामले में अदालत कोई फैसला नहीं सुनाता है, तब तक छात्र हिजाब पहनने की जिद ना करें। कोर्ट ने कहा है कि अगली सुनवाई तक छात्र धार्मिक पोशाक नहीं पहनेंगे।

भारत में हिजाब पर बवाल!

आरएसएस की मुस्लिम शाखा ने कर्नाटक की लड़की का किया समर्थन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दुनिया ने हिजाब को लेकर कायदे-कानून तय किये हैं और कुछ देशों ने तो बुर्का व नकाब पर बैन तक लगाया हुआ है लेकिन भारत में कर्नाटक विवाद के बाद हिजाब पर बवाल मच गया है। हर तरफ हिजाब पर चर्चा हो रही है वहीं कुछ राजनीतिक व धार्मिक संगठन इसे सियासी रूप देने में भी जुट गये है। लेकिन अयोध्या की आरएसएस की मुस्लिम शाखा ने हिजाब विवाद पर कर्नाटक की मुस्लिम युवती का समर्थन कर सबको हैरत में डाल दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मुस्लिम शाखा ने कर्नाटक की छात्रा मुस्कान खान का समर्थन करते हुए कहा कि हिजाब या 'पर्दा' भी भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। आरएसएस मुस्लिम विंग मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने हिजाब पहनने की बीबी मुस्कान की याचिका का समर्थन किया है और उसके आसपास के भगवा उन्माद की निंदा की है। पत्रकारों से बात करते हुए मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के अवध प्रांत संचालक अनिल सिंह ने कहा कि वह हमारे समुदाय की एक बेटी और बहन है। हम उसके संकट की घड़ी में उसके साथ खड़े हैं। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने अपने बयान में कहा कि हिंदू संस्कृति महिलाओं का सम्मान करना सिखाती है और जिन्होंने 'जय श्री राम' का जाप किया और लड़की को आतंकित करने की कोशिश की, वे गलत थे। बयान में कहा गया, 'लड़की को हिजाब पहनने की संवैधानिक स्वतंत्रता है।' अगर उसने कैंपस ड्रेस कोड का उल्लंघन किया था, तो संस्था को उसके खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है। कर्नाटक में हिजाब बैन विवाद के बाद सोशल मीडिया पर हिजाब लेकर चर्चा हो रही है। हिजाब बैन पर कई तरह की राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। कई लोग इसका विरोध कर रहे हैं तो एक वर्ग इसके पक्ष में बात कर रहा है। दरअसल, भारत में धार्मिक कपड़े पहनने को लेकर आजादी है, लेकिन क्या आप जानते हैं कई देशों ने तो इन पर बैन लगा रखा है। कई देशों में हिजाब पर विशेष तौर पर बैन नहीं है, लेकिन फेस कवर करने वाले कपड़ों को लेकर कई देशों ने बैन लगाए हैं। ऐसे में जानते हैं कि किन-किन देशों में बुर्का, नकाब या फेस कवर करने वाले परिधानों पर बैन लगाया है। साथ ही जानते हैं इन बैन को लेकर क्या नियम है:-

चीन

चीन में हैनान द्वीप के जातीय अल्पसंख्यक उत्सुल समुदाय के लोगों पर कुछ रोकटोक लगाई गई थी. चीन कम्युनिस्ट सरकार ने उइगर मुस्लिमों की तरह ही इन पर धार्मिक प्रतिबंध लगाई थी, जिसका अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी विरोध हुआ. हैनान के द्वीप प्रांत के सान्या शहर में केवल 10 हजार की आबादी वाले इस छोटे से उत्सुल मुस्लिम समुदाय को स्कूलों और सरकारी कार्यालयों में अपने पारंपरिक कपड़े पहनने को लेकर टारगेट किया गया.

फ्रांस

आउटलुक की रिपोर्ट के अनुसार, 2011 में फ्रांस पहला ऐसा देश बन गया था, फेस कवर करने वाले बुर्का पर बैन लगाया गया था. बता दें कि पहले तो स्कूल से इसकी शुरुआत हुई थी और साल 2004 में इस पर बैन लगा दिया था. इसके बाद 2011 में पब्लिक प्लेस में चेहरा ढकना पर बैन लगा दिया गया था. साथ ही इसका उल्लंघन करने वाले लोगों पर जुर्माने का प्रावधान है और अगर किसी महिला पर बुर्का पहनने के लिए दबाव डाला जाता है तो उस पर ज्यादा जुर्माना है.

स्विट्जरलैंड

साल 2021 में स्विट्जरलैंड ने बुर्का पर बैन लगा दिया था. इस फैसले के बाद से फिर धार्मिक आजादी, सुरक्षा, महिला अधिकारों को लेकर विवाद हुआ था. हालांकि, इसके बाद 51 फीसदी वोटर्स ने बैन के पक्ष में वोटिंग की थी.

नीदरलैंड्स

अगस्त 2019 में नीदरलैंड्स में भी बुर्का, नकाब पर आंशिक प्रतिबंध लगा दिया गया था. वहां सरकार ने पब्लिक ट्रांसपोर्ट, सरकारी इमारतों, शिक्षण संस्थान, अस्पताल आदि में इनके इस्तेमाल पर बैन लगाया था. सरकार ने फेस कवरिंग परिधानों पर बैन लगाया था और पालन ना करने पर जुर्माने का प्रावधान रखा गया.

श्रीलंका

अप्रैल 2021 में श्रीलंका की कैबिनेट ने बुर्का पर बैन लगाने का प्रस्ताव पास किया. यहां कुछ हमलों और नेशनल सिक्योरिटी को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया था, क्योंकि उस दौरान श्रीलंका में कई आतंकी हमलों को अंजाम दिया गया था.

बेल्जियम

जुलाई, 2011 में बेल्जियम ने चेहरा कवर करने वाले परिधानों पर बैन लगाया था. ऐसा ना करने पर सात दिन की जेल की सजा और जुर्माना का प्रावधान रखा गया था. वैसे यहां बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं रहती हैं और वो इसके पक्ष में है.

ऑस्ट्रिया

अक्टूबर 2017 में ऑस्ट्रिया ने धार्मिक परिधानों समेत फुल फेस कवरिंग परिधानों पर बैन लगा दिया था, जिसमें बुर्का और नकाब आदि शामिल है. इसके लिए करीब 12 हजार रुपये तक का जुर्माना भी रखा गया है और पुलिस मुंह ढकने वाले लोगों पर कार्रवाई कर सकती है.

बुलगेरिया

2016 में बुलगेरिया की संसद ने सुरक्षा को देखते हुए चेहरा ढकने वाले कपड़ों पर बैन लगाया था. इसके अलावा ऐसा ना करने वाले लोगों पर जुर्माने का प्रावधान भी है.

अयोध्याः कर्नाटक से शुरू हुए हिजाब विवाद पर राजनीति लगातार बढ़ती जा रही है. इस बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मुस्लिम शाखा ने कर्नाटक की छात्रा बीबी मुस्कान खान का समर्थन किया है.

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का सब इंस्पेक्टर 22,000 रुपये की रिश्वत के साथ गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/मुंडका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। मुंडका ट्रैफिक जोन में तैनात दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक जोनल अधिकारी सब-इंस्पेक्टर को सीबीआई ने 22000 रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने यह कार्यवाही ट्रांसपोर्ट मालिक की शिकायत पर की है। आरोपी सब इंस्पेक्टर दिल्ली में नो इंट्री के दौरान बेरोकटोक भारी वाहन चलाने की एवज में यह रिश्वत मांग रहा था। सीबीआई ने आरोपी को विशेष कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है। सीबीआई के प्रवक्ता आर सी जोशी के मुताबिक नजफगढ़ के खैरा गांव निवासी संदीप यादव और उसके भाई का ट्रांसपोर्ट का कारोबार है। उनके पास 12 ट्रक है। उनके ट्रक मुंडका से होते हुए हरियाणा के चरखी दादरी जाते है। संदीप यादव ने सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा को सात फरवरी को शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया कि ट्रैफिक पुलिस के मुंडका जोन में तैनात सब-इंस्पेक्टर जगमाल सिंह देशवाल उससे दो हजार रुपए प्रति ट्रक के हिसाब से 24 हजार रुपए प्रति महीने की रिश्वत मांग रहा है। रिश्वत ना देने पर उनके ट्रकों का चालान करने और ट्रकों को बंद करने की धमकी दी है। सीबीआई के प्रवक्ता श्री जोशी ने बताया कि जेडओ पर आरोप है कि शिकायतकर्ता को धमकाया भी गया था कि यदि वह रिश्वत नहीं देंगे तो उसके वाहन मुंडका जोन में जब्त कर लिया जाएगा और उसे परेशान किया जाएगा। आरोपित ने शिकायतकर्ता को रिश्वत न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की भी धमकी दी थी।

भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए द ग्रेट खली, आप को झटका

बैठक

- दलीप सिंह राणा यानी पहलवान द ग्रेट खली ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होते ही कहा कि वह भाजपा में शामिल होकर अच्छा महसूस कर रहे हैं।

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। पंजाब विधानसभा चुनाव के बीच दुनिया में सबसे चर्चित रहे पहलवान द ग्रेट खली गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। खली ने दिल्ली में बीजेपी हेडक्वार्टर में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। हालांकि इससे पहले अरविंद केजरीवाल से हुई बैठक के बाद खली के आप में जाने की अटकले लगाई जा रही थी। लेकिन अचानक भाजपा में शामिल होकर खली ने पंजाब चुनाव में खलबली मचा दी है।

दलीप सिंह राणा यानी पहलवान द ग्रेट खली ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होते ही कहा कि वह भाजपा में शामिल होकर अच्छा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शायद ही कोई देश बचा हो. जहां मैंने कुश्ती न की हो। अगर मुझे पैसा कमाना होता, तो मैं अमेरिका में ही रहता। लेकिन मैं भारत आया क्योंकि मुझे देश से प्यार है। मैंने देखा है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश को सही दिशा मिली। मैंने सोचा कि क्यों न देश में ही रहूं, भाजपा के साथ हाथ मिलाकर देश को आगे ले जाने में अपना योगदान दूं। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी और बीजेपी की विचारधारा से प्रभावित हूं। बता दें कि डब्ल्यूडब्ल्यूई में अंडरटेकर को धूल चटाने वाले राणा उर्फ द ग्रेट खली ने अपने कार्यकाल में कई चैंपियनशिप भी जीती है। 49 साल के द ग्रेट खली एक पूर्व विश्व हैवीवेट चैंपियन हैं। जिन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में 2021 के प्रतिष्ठित डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम क्लास में शामिल किया गया था। खली ने 2006 में डब्ल्यूडब्ल्यूई यूनिवर्स में पहली बार प्रवेश करने के बाद से अपनी टाइटैनिक उपस्थिति महसूस की और रेसलिंग की दुनिया में कदम रखने वाले खली पहले भारतीय पेशेवर पहलवान बन गए। डब्ल्यूडब्ल्यूई में एक पेशेवर पहलवान के रूप में अपने कार्यकाल में खली ने कुछ महान कुश्ती सितारों के साथ कुश्ती की और 2007 में विश्व हैवीवेट चैम्पियनशिप जीती। बहुत से लोग नहीं जानते कि खली ने पंजाब पुलिस के सहायक उप-निरीक्षक के रूप में भी काम किया है। हालांकि खली हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं लेकिन फिलहाल पंजाब में रहते हैं। उन्होंने चार हॉलीवुड फिल्मों, दो बॉलीवुड फिल्मों और कई टेलीविजन शो में भी अभिनय किया है। सात फीट लंबे रेसलर द ग्रेट खली का 13 नवंबर 2014 को, डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ अनुबंध खत्म हो गया और उन्होंने रेसलिंग की दुनिया को अलविदा कह दिया। तब से, खली डब्ल्यूडब्ल्यूई में कभी-कभी ही नजर आए। 2017 में उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप में उपस्थिति बनाए रखने के लिए, एक भारतीय रेसलर जिंदर महल को रैंडी ऑर्टन को हराने में मदद की थी। अक्टूबर 2010-जनवरी 2011 में, खली टीवी रियलिटी शो बिग बॉस में भी नजर आए थे। शो के इस सीजन में वह पहले रनर-अप थे। शो में खली के लिए खास इंतजाम किए गए थे, जिसमें कस्टम-मेड बेड भी शामिल था। अभी हाल ही में उन्होंने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी, जिसके बाद यह चर्चा जोरशोर से चल रही थी।

पंजाब की राजनीति में डेरों की खास अहमीयत, राम रहीम का डेरा इस बार किसका करेगा समर्थन?

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। रोहतक की सुनारिया जेल से 21 दिन की फरलो पर छूटे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम फिलहाल गुरुग्राम के सेक्टर 50 के अपने डेरे में मौजूद है। हत्या और बलात्कार के सिलसिले में उम्र कैद काट रहे बाबा के जेल से बाहर आने को पंजाब चुनाव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है। जिसके तहत डेरे में इस बार किस पार्टी को समर्थन दिया जाएगा इस पर चर्चा चल रही है। वैसे भी पंजाब में डेरा सच्चा सौदा का 69 सीटों पर सीधा प्रभाव है। सूत्रों की मानें तो डेरे की 45 सदस्यीय कमेटी बाबा के लगातार टच में है, जो अगले 48 घंटे में रिपोर्ट सौंप सकती है। इसके बाद संगत, यानी अनुयायियों को यह निर्देश जारी किया जाएगा कि चुनाव को लेकर बाबा का इशारा किस पार्टी की ओर है। डेरे का पंजाब के मालवा रीजन की करीब 69 सीटों पर प्रभाव है। पंजाब चुनाव में सिर्फ 10 दिन बचे हैं, जिसके चलते डेरे में गहमागहमी बढ़ी हुई है। लाखों अनुयायियों वाला डेरा चुनाव में बड़ा उलटफेर करने की हैसियत रखता है। पिछले चुनाव में भी अंतिम समय पर डेरा समर्थकों ने बीजेपी का समर्थन किया था और अकाली-बीजेपी गठबंधन को लाभ हुआ था। उस समय आम आदमी पार्टी यह सोच कर चल रही थी कि मालवा में उन्हें अच्छी बढ़त मिलेगी, लेकिन अंत में आम आदमी पार्टी का गणित गड़बड़ा गया और पंजाब में कांग्रेस सत्ता के सिंहासन तक पहुंच गई। राम रहीम की सुरक्षा में उसके प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड के साथ-साथ हरियाणा पुलिस भी तैनात है। यहां आने-जाने वाले की पूरी जांच पड़ताल की जा रही है।

प्रशासन के मुताबिक पैरोल का पूरा समय बाबा को इसी डेरे पर गुजारना होगा, क्योंकि किसी अर्जी में यहीं का पता दर्ज है। प्रशासन ने ये भी साफ कर दिया है कि इस डेरे के अलावा राम रहीम किसी और डेरे पर नहीं जा सकेगा। जिस चर्चा घर में बाबा राम रहीम को रखा गया है, उसके चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं।

बीएसएफ के जांबाज महाबली भीम को नही मिला गार्ड ऑफ ऑनर, सोई रही बीएसएफ

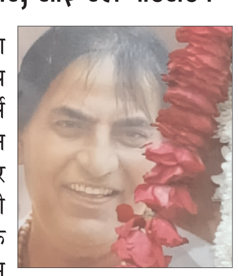

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/भावना शर्मा। महाभारत के महाबली भीम का ऐतिहासिक किरदार निभाने वाले प्रवीण कुमार की मौत के बाद अंतिम संस्कार के समय सलामी सम्मान गारद नही मिलने को लेकर कॉनफैडरेशन आफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्स मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन ने सवाल खड़ा करते हुए पूछा है कि आखिर ऐसे कौन से कारण थे जो अर्जुन अवार्डी व बीएसएफ के पूर्व डिप्टी कमांडेंट महाबली प्रवीण कुमार को बीएसएफ का गार्ड ऑफ ऑनर का सम्मान नही दिया गया। जबकि पूर्व डीजीपी राकेश कुमार अस्थाना ने एक एसओपी जारी कर निर्देश दिये थे कि पूर्व बीएसएफ जवानों व अधिकारियों को अंतिम सम्मान गारद दिया जायेगा। साथ ही उनके अंतिम संस्कार के 8 हजार रूपये भी दिये जायेंगे तो इसके बाद भी बीएसएफ कैसे सोती रह गई। और क्यों एक अधिकारी को उनका सम्मान नही मिला जिसके वो बीएसएफ जांबाज वास्तविक हकदार थे।

नाबालिग से रेप के मामले में कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के दिये आदेश

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

ट्रोनिका सिटी/शिव कुमार यादव। ट्रोनिका सिटी में 14 साल की बच्ची से उसी के डांस टीचर द्वारा बलात्कार व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोपी टीचर पिछले एक साल से नाबालिग से कभी कोल्डड्रिंक्स में नशीली दवाईयां मिलाकर तो कभी उसकी नंगी तस्वीरों को वायरल करने की धमकी देकर स्वयं व अपने साथियों के साथ जबरन बलात्कार कर रहा था। जब बच्ची ने यह बात अपने घरवालों को बताई और इस मामले में आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी गई तो आरोपी करण ठाकुर व उसका साथी ओमदत्त शर्मा जो कि दिल्ली पुलिस में सिपाही है ने घर पर आकर बच्ची को उठा ले जाने और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़िता के परिजनों का कहना है कि पुलिस भी उनकी शिकायत पर कोई कार्यवाही नही कर रही है जिसकारण उन्हे अदालत की शरण लेनी पड़ी। इस मामले में विशेष न्यायधीश पोक्सो अधिनियम, अपर जिला सत्र न्यायधीश गाजियाबाद के पीठासीन अधिकारी हर्षवर्धन ने पीड़ित के पिता की शिकायत पर सुनवाई के बाद पुलिस को इस मामले में एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्यवाही करने के आदेश दिये है और कार्यवाही से अदालत को भी अवगत कराने के आदेश दिये है। पीड़िता के पिता हनुमान यादव ने अपनी याचिका में अदालत से आरोपियों करण ठाकुर व ओमदत्त शर्मा के खिलाफ कार्यवाही करने और परिवार की जानमाल की सुरक्षा की मांग की है।

योजना डोर स्टेप डिलीवरी के लिए नया और बेहतर एप विकसित कर रही सरकार

डोर स्टेप डिलीवरी योजना में तीन गुना ज्यादा सेवाएं होंगी शामिल-केजरीवाल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। दिल्ली सरकार सार्वजनिक सेवाओं की डोर स्टेप डिलीवरी के लिए नया व बेहतर संस्करण शुरू कर रही है। इसके लिए विभाग ने दो नई मैन पावर एजेंसियों को पैनल में शामिल किया है। आम लोगों के सुझाव और सकारात्मक प्रतिक्रिया के आधार पर सरकार ने डोर स्टेप डिलीवरी योजना के तहत सेवाओं के कार्यान्वयन में सुधार के लिए यह कदम उठाया है। केजरीवाल सरकार ने सितंबर 2018 में सरकारी सेवाओं की डोरस्टेप डिलीवरी योजना शुरू की थी, जो वर्तमान में लोगों के घरों पर 100 सेवाओं की डिलीवरी प्रदान करती है। आने वाले समय में डोर स्टेप डिलीवरी योजना

के तहत सेवाओं की संख्या तीन गुना होने की उम्मीद है। इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बताया कि थर्ड पार्टी वेंडर सीएससी ई-गवर्नेंस और कोर डॉक-2 (यमुनापार के लिए) को पैनल में शामिल किया है। यह कंपनियां वीएफएस ग्लोबल की जगह लेंगी। इसके लिए निविदा प्रक्रिया अक्टूबर 2021 में शुरू की गई थी। जिसके बाद इन एजेंसियों को सरकार ने डोर स्टेप डिलीवरी सेवाओं के लिए चुना है। ये दोनों एजेंसियां क्रमशः 70 फीसदी और 30 फीसदी काम देखेंगी। इस योजना की खास बात है कि इसके तहत सूचीबद्ध सेवाओं के लिए दिल्ली के किसी भी नागरिक को कहीं जाने की कोई जरूरत नहीं है। इस योजना के तहत सहायता के लिए नागरिक 1076 पर कॉल करते हैं और एक मोबाइल सहायक उनके पास आवश्यक दस्तावेज एकत्र करने के लिए जाता है। उन्हें किसी भी दफ्तर के चक्कर लगाने या कतार में लगने की जरूरत नहीं पड़ती है। लोगों को घर बैठे सरकारी सेवाओं का लाभ मिल जाता है। फिलहाल डोरस्टेप डिलीवरी योजना के तहत 80 कॉल सेंटर कर्मचारी हैं जो लोगों को रोजाना फोन पर जरूरी सहायता प्रदान करते हैं। कॉल सेंटर प्रतिनिधियों ने अभी तक 5 लाख से अधिक सेवा अनुरोध को पूरा करने के लिए 25 लाख से अधिक कॉल्स रिसीव किए हैं। डोर स्टेप डिलीवरी ऑफ सर्विसेज योजना के तहत लोगों को सेवा प्रदान करने के लिए लगभग 150 मोबाइल सहायक, पर्यवेक्षक और समन्वयक होंगे। वहीं प्रशासनिक सुधार मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि दिल्ली सरकार ने देश में सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली के कामकाज के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी विभागों में 2021 से धीरे-धीरे फेसलेस सेवा ला रहे हैं। जिससे लोग एक क्लिक के जरिए घर बैठे सरकारी काम करा सकें।

खास ख़बर

रोटी डे की जरूरत

लेखिका अपने लेख के माध्यम से देश में रोटी डे मनाने की पैरवी कर रही है

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली। डॉ. रीना रवि मालपानी (कवयित्री एवं लेखिका)/- 365 दिनों में हम कई तरह के डे को मनाते है, पर शायद दुनिया की परिधि अविराम जिसके चारों ओर घूमती है वह है रोटी। यह वही रोटी है जिसके कारण कई जरूरतमंदों को भूखा सोना पड़ता है। यही रोटी कितने ही लोगों को नाच नचाने पर मजबूर कर देती है। यही रोटी किसी को पूरे दिन के परिश्रम से नसीब होती है तो किसी की थाली में सरलता से परोसी जाती है। भूख व्यक्ति की हैसियत को देखकर नहीं लगती, बल्कि अमीर और गरीब को समान रूप से लगती है। इस रोटी का स्वाद सबके जीवन में अलग-अलग होता है। कई लोग इस रोटी को पचाने के लिए भी अनेकों जतन करते है तो कई लोग इस दो जून की रोटी के लिए अथक परिश्रम करते है और पसीना बहाते है। कुछ लोगों के लिए रोटी का एक-एक टुकड़ा आनंद से भरपूर होता है तो कुछ के द्वारा यह टुकड़ा ऐसे भी फेंक दिया जाता है। काश एक ऐसा रोटी डे भी होता जिसे सब लोग आपसी सहयोग और प्रेम से मनाते जिसमें क्षुधा की शांति प्रेम पूर्वक वितरित की गई रोटी से होती। आज यथार्थ में समाज को रोटी डे की जरूरत है। यही रोटी तो है जो इंसान को गलत मार्ग पर जाने को विवश करती है। उसे पाप की ओर धकेलती है। भूख की चीख जीवन में असहनीय होती है। हम लोग खाने में नमक कम होने पर भी मीन-मेख निकालने लगते है तो जिस व्यक्ति ने भूख को लंबे समय तक सहन किया हो उस पर क्या बीतती होगी। कई लोग इस रोटी को महत्व नहीं देते। पूरे दिन की मेहनत के बाद भी असंतोषी भाव से इसे ग्रहण करते है।

द्वारका सैक्टर-18 के डीडीए पार्क में किया गया आयोजन, काफी संख्या में लोगों ने लिया भाग

महर्षि दयानन्द की जयंती पर यज्ञ एवम सूर्य नमस्कार महोत्सव का आयोजन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती के अवसर पर यज्ञ एवं योग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ दिल्ली के तत्वधान में किया गया जिसका आयोजन डीडीए पार्क सेक्टर 18 द्वारका में किया गया। कार्यक्रम में यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य जीवन प्रकाश शास्त्री ने बताया कि हमें महर्षि दयानंद के सिद्धांतों पर चलना चाहिए, हमें वेदों का अध्ययन करना चाहिए, और समाज में एकता के लिए काम करना चाहिए जाती पाती को छोड़कर राष्ट्रहित के लिए कार्य करने चाहिए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ रमेश कुमार जी द्वारा तथा सूर्य नमस्कार का अभ्यास श्री रतन सिंह मलिक जी द्वारा कराया गया। उन्होंने कहा कि 75 करोड सूर्य नमस्कार का लक्ष्य भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और योग ऋषि स्वामी रामदेव जी के निर्देशन में सफलतापूर्वक पूर्ण किया एवं अब हम विश्व रिकॉर्ड की ओर अग्रसर है इसलिए सभी को सूर्य नमस्कार करना चाहिए सूर्य नमस्कार के 12 आसनों में कम समय में ही अधिक से अधिक शारीरिक श्रम एवं योग का लाभ प्राप्त होता है। जिनके पास समय कम होता है उन्हें सूर्य नमस्कार के 13 आवृत्ति प्रतिदिन करनी चाहिए, जिससे हमारा शरीर स्वस्थ, मन एकाग्र ,और स्वास्थ्य ठीक रहता है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ दिल्ली के सचिव डॉ. नवीन कांडपाल जी एवम दिल्ली प्रान्त के कोषाध्यक्ष श्री राम चावला जी रहे। उन्होंने कहा सूर्य नमस्कार की वेबसाइट पर जाकर के सभी योग प्रेमी हैं अपने आप को रजिस्टर्ड करें और अपने-अपने योगासनों के फोटो उस पर अपलोड करें ताकि जो विश्व रिकॉर्ड हम बनाना चाहते हैं उसको हम सफलतापूर्वक पूर्ण कर सकें। इस कार्यक्रम में कैप्टन बलवंत सिंह, श्रीमती नीता भंडारी, राम चावला, डॉ भरत सिंह, प्रदीप पाल, मदन पाल, राजेश्वरी बिष्ट आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

25 फरवरी से शुरू होगा डॉ. आंबेडकर के जीवन पर बना संगीतमय नाटक- केजरीवाल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली सरकार ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन पर संगीतमय नाटक तैयार करवाया है। शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा करते हुए कहा कि 25 फरवरी से 12 मार्च तक इस म्यूजिकल प्ले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रोजाना दो शो होंगे। यह शो निशुल्क आयोजित किए जाएंगे। पहला शो शाम 4 बजे और दूसरा 7 बजे होगा।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आजादी के 75वें साल के अवसर पर यह संगीतमय प्ले आयोजित करवा रही है, ताकि देश बाबा साहब और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर सके। लोग उनके विचारों को समझें और यह महसूस करें कि आज हम जिस आनंद में जी रहे हैं, उसके लिए बाबा साहब ने कितने कष्ट उठाए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार बाबा साहब की विरासत को बच्चे-बच्चे तक पहुंचाने के लिए इस भव्य प्ले का आयोजन कर रही है। दिल्ली सरकार देश के लोगों को बाबा साहब के जीवन और आधुनिक भारत की नींव रखने रखने के लिए उनके योगदान से रूबरू करवा रही है। गौरतलब है कि केजरीवाल सरकार ने बाबा साहब डॉ. आंडेबकर की 65वीं पुण्यतिथि पर इस संगीतमय नाटक को बनाने की घोषणा की थी।

हर व्यक्ति एक पेड़ जरूर लगाएं

जय प्रकृति माँ

जल है तो कल है

प्रकृति प्रेम से हो रहे हैं लोगों को चमत्कारिक लाभ

विक्रम चौहान

मैं लगभग 20 वर्षों से प्रकृति प्रेम की भावना से जुड़ा हूं। इस प्रक्रिया में मेरे अन्दर व्याप्त क्रोध, लालच था, वो अब लेश मात्र रह गया है। अब मैं अपना समय सभी संवेदनाओं, दुर्बलताओं को हटा कर प्रकृति की अलख जगाता रहूंगा। मेरे द्वारा जन्मदिन, वर्षगांठ सालगिरह के अवसरों पर पौधारोपण की अपील का जन मानस पर काफी असर पड़ा है। मैं प्रकृति भक्त संस्था का सदैव ऋणी रहूंगा।

अश्विनी शर्मा

32 वर्ष से भारतीय वायु सेना की सेवा करते समय कश्मीर से कन्याकुमारी तक अपने प्रवास के अंतर्गत प्रकृति के सामीप्य, सान्निध्य में रहने के दौरान इसके उपकारों एवं अपार कृपादृष्टि की अनुभूति हुई। सेवा निवृत्ति के उपरांत प्रकृति संरक्षण के प्रति लोगों की उदासीनता देखकर मन बड़ा खिन्न हुआ और मैंने यह प्रण लिया कि मैं अपना शेष जीवन लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक करने में व्यतीत करूंगा। ताकि वो अपना जीवन सफल एवं सार्थक बना सकें तथा इस सृष्टि में उपस्थित सभी जीवों, प्राणियों, वनस्पतियों एवं प्राकृतिक संसाधनों का ध्यान रख सकें।

हरीश पांदा

परमात्मा की भक्ति में मैं बचपन से ही लगा हुआ था। विभिन्न धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेता था। जबसे मैं प्रकृति भक्त बना मुझे प्रकृति एवं परमात्मा एक ही हैं ऐसी अनुभूति हुई तत्पश्चात मेरे ज्ञान चक्षु खुले मेरे अंदर व्याप्त क्रोध, लालच, अंहकार रूपी विकार काफी हद तक समाप्त हो गए एवं सभी जीवों के प्रति सुरक्षा, करूणा एवं दया भाव जागृत हुआ। मैंने जीवन पर्यंत प्रकृति की सेवा करने का प्रण लिया।

सुशील खन्ना

1996 से प्रकृति भक्त से जुड़े होने एवं प्रकृति माँ मंदिर से प्रभावित होकर विभिन्न मंचों से, विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत इसका प्रचार एवं प्रसार करने का बीड़ा उठाया। इसके द्वारा मेरे नशामुक्ति जागरूकता अभियान को भी बल मिला, नशों से विरक्त होकर प्रकृति सेवा में संलग्न होकर अपना जीवन समर्पित किया और मैंने शपथ ली कि मैं मरते दम तक प्रकृति भक्त बनकर इसकी सेवा करूगां।

श्रेष्ठ शर्मा

युवा प्रकृति भक्त

प्रकृति भक्त संस्था से जुड़कर मेरा मन मस्तिष्क एकाग्राचित हुआ। मुझे इसका लाभ शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुआ। मैंने अपने घर एवं पड़ोस में स्थित सरकारी पार्क में काफी पौधे लगाऐ। मेरा एनडीए में चयन हो गया है। बहुत जल्दी मैं प्रशिक्षण के लिए रवाना हो जाऊंगा। मेरा उज्ज्वल भविष्य मेरे सामने नतमस्तक है।

डॉ. सुधीर सूदन

प्रकृति भक्त बनकर प्रकृति के साथ जुड़कर मुझे एक नई ऊर्जा एवं स्फूर्ति मिली। क्लीनिक में आनेवाले हजारों मरीजों को मैंने प्रकृति के साथ जुड़कर जीवन व्यतीत करने की सलाह दी। जिससे उनके जीवन का कायाकल्प हो गया। उनकी शारीरिक बीमारियों के साथ साथ उनका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरा तथा उनमें नई मानवीय संवेदनाओं का संचार हुआ। उन सभी व्यक्तियों ने भविष्य में प्रकृति के संरक्षण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

सीजो सर

एक कर्मठ समाजसेवाए दिन रात जन सेवा में संलग्नए प्रकृति भक्त संस्था से जुड़कर इनको मानवीय कार्यो के निष्पादन में एक नई उर्चा मिली। जगह जगह वृषारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम के माध्यम से इन्होंने अपने जीवन के उद्देश्य को प्रकृति सेवा की ओर उन्मुख किया।

श्रेया शर्मा

मैं पहले तनावए डिप्रेशन से ग्रस्त थी। मेरा मन पढ़ाई में नहीं लगता था। शारीरिक रूप से भी काफी परेशान थी। दीवारों पर लिखे प्रकृति भक्त के संदेशों से प्रकृति भक्त बनने की जिज्ञासा उत्पन्न हुई। मैंने प्रकृति भक्त बनने का संकल्प लिया एवं संस्था से जुड़कर जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन हुऐ। मुझे मानसिकए शारीरिक एवं आत्मिक लाभ हुआ। अब मैं यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही हूं।

अरुण कुमार

प्रकृति भक्त

अक्सर घर में पत्नी से झगड़ा एवं कलह से परेशान था। जबसे मैं प्रकृति भक्त बना मुझे प्रकृति एवं परमात्मा एक ही लगने लगे। विभिन्न जगहों एवं पार्क में राजेश शर्मा एवं संस्था के अन्य गणमान्य प्रकृति भक्त के साथ वृक्षोंए प्रोधारोपण का अवसर मिला तभी से जिंदगी का सार समझ में आ गया और मैंने जीवन पर्यंत प्रकृति की सेवा करने का प्रण लिया। मैं संस्था का सदैव ऋणी रहूंगा।

आचार्य धर्मेंद्र

प्रकृति भक्त

मैं बाल्यकाल से ही सत्य परमात्माए आत्मा एवं प्रकृति से जुड़े विषयों पर ज्ञान अर्जित करता रहा था। मैंने यह समझने का प्रयास किया कि प्रभु ने मुझे ये मनुष्य तन देकर जो उपकार किया और इस उसके सत्य एवं उद्देश्य को जानकर अपना जीवन यापन करें। प्रकृति से जुड़कर यह कार्य और भी सरल हो जाता है। अब मैं अपना शेष जीवन जन मानस को प्रकृतिए परमात्माए शाश्वत सत्य पर आधारित कार्यकलापों में व्यतीत करने एवं अपना जीवन सफल एवं सार्थक बनाने को प्रेरित करने पर व्यतीत करना चाहता हूं। प्रकृति भक्त संस्था से जुड़कर मुझे मेरे इस उद्देश्य को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग एवं सम्मान प्राप्त हो रहा है।

पंकज मुदगिल

प्रकृति भक्त

अपनी पढ़ाई के उपरांत कोरोना काल में घोर निराशाओं के दौर में मुझे प्रकृति भक्त संस्था से जुड़ने का सौभाग्य मिला। इससे जुड़ने के उपरांत मानो मेरे जीवन को एक नई मंजिल मिल गई। प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों को निकट से जानने का अवसर मिला। 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' का भाव मेरे अंदर जागृत हुआ। आज मैं चाहता हूं कि प्रत्येक भारत वासी विशेष कर युवा वर्ग प्रकृति भक्त बनकर प्रकृति के संरक्षण में जुट जाए तथा शिक्षा के साथ साथ प्रकृति एवं पर्यावरण का महत्व भी समझे।

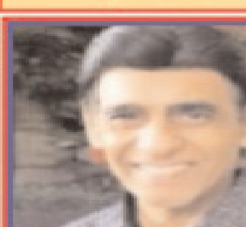

जगदीश आनंदम

प्रकृति भक्त

प्रकृति भक्त संस्था से जुड़ने के उपरांत मुझे करोना काल में मानवीय संवेदनाओं को जानने में बड़ा सहयोग मिला। इस दौरान मुझे ये जानने का अवसर मिला की प्रकृति के न जाने कितने उपकार हम पर हैं। शुद्धवायु जलए धूपए छायाए वर्षा सब कुछ तो प्रकृति की देन है। हमें भी इसके बदले में प्रकृति की सेवा करनी चाहिएए प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग करना चाहिए। अब मैं अपने स्टूडियो में प्रकृति संरक्षणए जल संरक्षण जैसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करवाकर जनमानस को जागरूक करके अपने आप को धन्य समझ रहा हूं।

विश्ववर्धन शर्मा

प्रकृति भक्त

वरिष्ठ समाज सेवीए राजनेताए एक सफल प्रॉपर्टी व्यवसायी तथा प्रकृति भक्त हूं। मैं जब प्रकृति भक्त संस्था से जुड़ा तो मुझे लगा कि अगर अपने जीवन को सार्थक बनाना है तो प्रकृति द्वारा किए गए उपकारों को पहचानकर जन मानस की सेवा करना एवं उन सभी को प्रकृति से जोड़ना ही एकमात्र उद्देश्य है। मैंने उसी समय से पौधारोपणए जल संरक्षणए कूड़ा निस्तारणए प्लास्टिक उन्मूलन जैसे विभिन्न कार्यक्रमों को द्वारका एवं दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में जोर, शोर से चलाया। आज मैं अपनी सफलता में बहुत बड़ा हाथ प्रकृति भक्त संस्था से जुड़ने को मानता हूं।

रणजीत गुप्ता

प्रकृति भक्त

मेरा यह मानना है कि प्रकृति ही हमारे जीवन का आधार है। प्रकृति भक्त संस्था से जुड़ने के उपरांत मेरी इस सोच को और अधिक बल मिला। मैं चाहता हूं कि युवावर्ग अधिक से अधिक प्रकृति से जुड़कर अपने जीवन में व्याप्त तनावए डिप्रेशन को दूर करके अपने जीवन को एक नई दिशा दे सकते हैं। प्रकृति से उनका जुड़ाव ही उन्हें उत्तम स्वास्थ्य एवं उच्चशिक्षा प्राप्त करने में सहयोग प्रदान करेगा।

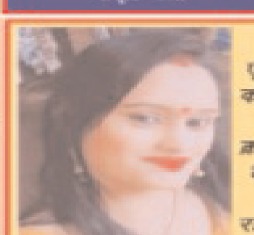

रितु शर्मा

प्रकृति भक्त

मेरा यह विचार है कि प्रकृति और मनुष्य दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। आवश्यकता है इन दोनों को आपसी सामंजस्य के साथ जीवन यापन करने की। मुझे प्रकृति भक्त संस्था से जुड़कर अपने क्रोध को शांत करने में सहायता मिली मेरी धारना बदल गई। प्रकृति हमने बहुत कुछ सिखाती है। प्रकृति हमने सबके साथ प्रेम और सदभाव से रहना सिखाती है। आज मुझे इस पर बड़ा गर्व है कि मैं प्रकृति भक्त बनकर सभी को यह संदेश प्रसारित कर रही हूं। आप भी अपनी सोच को बदलो और प्रकृति से प्रेम करो।

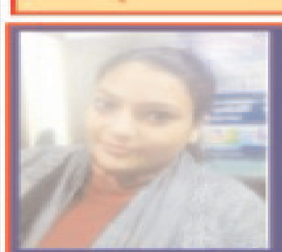

श्रद्धा शर्मा

प्रकृति भक्त

मुझे बचपन से ही प्रकृति के बारे में अधिक जानने की उत्सुकता थी। लोगों का पर्यावरण के प्रति नकारात्मक रवैया देखकर मन दुःखी हुआ। फिर राजेश शर्मा ,प्रकृति भक्तद्ध के विचारों से प्रभावित होकर प्रकृति भक्त फाउंडेशन से जुड़ी। अब मुझे मानसिकए आत्मिक सुख मिल रहा है। क्रोध की भावनाए कम हो रही हैं। संतोषी जीवन यापन की प्रेरणा मिल रही है। अब मैं यह प्रयास करूंगी कि मेरा शेष जीवन प्रकृति एवं पर्यावरण से जुड़े कर्मों को फलीभूत करने में व्यतीत हो।

सोनिया

प्रकृति भक्त

मैं प्रकृति प्रेमी हूं। मैं पेड़ पौधों से अत्यधिक प्यार करती हूं। मैंने घर के एक कोने को भी पौधों से सजा रखा है। उनके नाम भी रखे हुए हैं। मुझे उनसे बातें करनाए उनसे लिपटना बहुत अच्छा लगता है। मेरा तो ये मानना है कि अगर आप अपना जीवन स्वस्थ, सफल सार्थक, सुखी करने चाहते हो तो प्रकृति से जुड़ो एवं प्रकृति में परमात्मा की अनुभूति प्राप्त करो। मुझे तो अनेकों लाभ हुए हैं। अब आगे आपकी मर्जी।

सतीश कुमार

प्रकृति भक्त

प्रकृति भक्त फाउंडेशन संस्था से जुड़ने के उपरान्त मुझे यह ज्ञान हुआ कि हमें प्रकृति ने सब कुछ दिया है। हमारा शरीर जो सुख भोगता है वो सभी प्रकृति की देन है। मैंने तो ये प्रण कर लिया है कि शेष जीवन प्रकृति भक्त बनकर इसकी सेवा में व्यतीत करूंगा। जैसे मेरे जीवन में व्याप्त क्रोधए अशांतिए ईर्ष्या द्वेष जैसे विकार कम होते हैं मैं चाहता हूं कि आप सभी इससे जुड़कर अपने जीवन में इन सब बातों को महसूस करें।

खास ख़बर

मोदी सरकार ने सुरक्षा की दृष्टि से 54 और ऐप पर लगाया प्रतिबंध

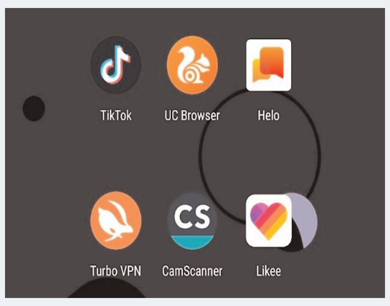

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। भारत सरकार ने सुरक्षा का हवाला देते हुए 54 और मोबाइल ऐप्स पर बैन लगा दिया है। नए प्रतिबंध में चीनी ऐप्स भी शामिल हैं। ये प्रतिबंध भारत की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता को खतरे का हवाला देते हुए लगाए गए हैं। नए प्रतिबंध में पहले प्रतिबंधित ऐप्स भी शामिल हैं, लेकिन क्लोन के रूप में फिर से सामने आए हैं। 2020 के बाद से कुल 270 ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने के बाद 2022 में सरकार द्वारा प्रतिबंधित किए गए। सरकार द्वारा 50 और ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. आईटी कानून की धारा 69ए के तहत इन ऐप को प्रतिबंधित किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, गरेना फ्री फायर नामक एक लोकप्रिय स्मार्टफोन गेम पहले गूगल प्ले स्टोर और ऐप्पल ऐप स्टोर से गायब हो गया था और ऐसा लगता है कि यह गेम भारत में प्रतिबंधित ऐप्स की नई सूची में शामिल हो सकता है। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार प्रतिबंधित ऐप्स की नई सूची में ज्यादातर उन ऐप्स के क्लोन शामिल हैं, जो 2020 से भारत में पहले से ही प्रतिबंधित थे. 50 और प्रतिबंधित ऐप्स के साथ, कुल ऐप्स की सूची जो भारत द्वारा प्रतिबंधित है 320 के करीब पहुंच सकता है। भारत सरकार ने इससे पहले टिकटॉक और पबजी मोबाइल समेत कई लोकप्रिय ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया था. जबकि च्न्ठळ मोबाइल ने किसी तरह भारत में वापसी की, क्राफ्टन ने एक नया कार्यालय स्थापित किया और अपने चीनी भागीदारों के साथ संबंध तोड़ लिया, टिकटोक इतना भाग्यशाली नहीं रहा है और देश में प्रतिबंधित है. रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतिबंधित ऐप्स की नई सूची में कुछ चीनी सहित क्लोन ऐप शामिल हैं। साल 2020 में लद्दाख में एलएसी पर भारत और चीन के बीच तनाव चरम पर था तब सबसे पहले टिकटॉक समेत 59 चाइनीज ऐप्स पर बैन की गाज गिरी थी। भारत ने टिकटॉक, यूसी ब्राउजर, शेयर इट, हेलो, लाइकी, वी चैट, ब्यूटी प्लस जैसे लोकप्रिय ऐप्स पर बैन लगाया था। इसके बाद सरकार ने 47 मोबाइल ऐप्स पर बैन लगा दिया जिसमें से ज्यादातर या तो पहले से प्रतिबंधित ऐप्स के क्लोन थे या फिर उनसे मिलते-जुलते थे। इसके बाद सितंबर 2022 में भारत ने 118 और मोबाइल ऐप्स पर बैन लगाया जिसमें लोकप्रिय गेमिंग ऐप पबजी भी शामिल था। पबजी के अलावा अलावा लिविक, वीचैट वर्क, वीचैट रीडिंग, कैरम फ्रेंड्स, कैमकार्ड जैसे ऐप्स पर बैन लगा।

राहुल गांधी ने बोला मोदी पर हमला, कहा - मोदी काल में अब तक 5 लाख 35 हजार करोड़ रुपए के हुए बैंक घोटाले

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट के जरिए मोदी सरकार पर एक बार फिर हमला बोलते हुए कहा कि मोदी काल में अब तक 5 लाख 35 हजार करोड़ रुपए के बैंक घोटाले हो चुके हैं.। राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा है कि '75 सालों में भारत की जनता के पैसे से ऐसे धांधली कभी नहीं हुई। लूट और धोखे के ये दिन सिर्फ मोदी मित्रों के लिए अच्छे दिन है।' बता दें कि इससे एक दिन पहले भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार को देश में बेरोजगारी बढ़ने का जिम्मेदार ठहराया था। बेरोजगारी के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि बेरोजगारी के कारण आत्महत्या बढ़ी हैं। साथ ही राहुल गांधी ने सवाल पूछा कि बेरोजगारी किसके कारण बढ़ी।

आजादी की स्वर्ण जयंती अमृत गाथा में सेनानियों और महापुरुषों को श्रद्धांजलि व लता मंगेशकर के नाम आरजेएस राष्ट्रीय सम्मान 2022 घोषित.

बैन या प्रतिबंध वही सही, जिसमें विशेषज्ञों की सर्वसम्मति रही

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। आए दिन कहीं ना कहीं शासन या सरकार द्वारा बैन या प्रतिबंध लगते रहे हैं। कब कहां कैसा प्रतिबंध जरूरी है या गैर जरूरी और क्या रेगुलेशन से वह अनुशासन आ सकता है या नहीं । इन विषयों पर गंभीर चर्चा के लिए 13 फरवरी 2022 को विश्व रेडियो दिवस पर द अवेयर कंज्यूमर पत्रिका के सहयोग से राम जानकी संस्थान (आरजेएस) के राष्ट्रीय संयोजक उदय मन्ना और तपसिल जाति आदिवासी प्रकटन्न सैनिक कृषि विकास शिल्प केंद्र,पश्चिम बंगाल के सचिव सोमेन कोले की अगुवाई में प्रतिबंध की नीति पर खुलकर चर्चा हुई। परिचर्चा से पहले ,प्रथम सत्र में आरजेएस फैमिली स्नेह-मिलन और सेनानियों तथा महापुरुषों को श्रद्धांजलि देकर भारत रत्न से सम्मानित पार्श्व गायिका लता मंगेशकर के नाम आरजेएस राष्ट्रीय सम्मान 2022 घोषित किया गया। आरजेएस सूचना केंद्र पटना से जुड़ी शिक्षिका प्रियंका सिन्हा के पति समाजसेवी स्व0 दीपक कुमार मोहन की स्मृति में ये सम्मान घोषित किया गया। वेबीनार में देश और विदेश से लगभग पचहतर लोग जुड़े और गणमान्य अतिथि वजाहत हबीबुल्ला,प्रो. रबिनारायण , प्रफुल्ल डी सेठ आदि ने संबोधित किया। मुख्य वक्ता और मॉडरेटर कंज्यूमर ऑनलाइन फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक प्रो बिजॉन कुमार मिश्रा ने सफल संचालन किया। वहीं विशेष स्कूल अभीप्सा की सचिव सुमन कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। अतिथियों का स्वागत जाने-माने फार्मासिस्ट प्रफुल्ल डी सेठ ने किया और कहा कि जाने-माने फार्मासिस्ट प्रफुल्ल डी सेट अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा किसी उत्पाद को बैन की जगह वैकल्पिक उत्पाद मुहैया कराना व्यवहारिक हो सकता है। जो उत्पाद कम नुकसान दे सकता है उसे जारी रखा जा सकता है क्योंकि बैन से सरकार के राजस्व को नुकसान भी होता है और कालाबाजारी का रास्ता खुलता है। प्रतिबंध या बैन के दूरगामी प्रभावों की चर्चा करते हुए भारत के पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्ला ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि जनता के हित की नीतियां जनभागीदारी से बनें तो वह एक संविधान और लोकतांत्रिक नीति का सम्मान है। बहुत जरूरी होने पर बैन या प्रतिबंध की नीति प्रभावी शासन का जरूरी हिस्सा हैं, लेकिन एक बारगी विनियमन कानून(रेगुलेशन एक्ट) का भी संज्ञान नीति- निर्धारकों को लेना चाहिए। मुख्य अतिथि डीन आईटीआरए और द्रव्यगुण विभाग, जामनगर के विभागाध्यक्ष प्रो. वैद्य रबि नारायण आचार्य ने कहा कि सरकार किसी को खुश करने या फायदा पहुंचाने के लिए तो बैन नहीं कर रही है ? उत्पाद को प्रतिबंधित करते समय क्या संबंधित विशेषज्ञों से विचार-विमर्श किया गया ?

जल प्रबंधन के लिए हर एक जिला का बनाया जाएगा कारगर प्लान - एडीसी

हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण की बैठक में लिया गया फैसला

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

चरखी दादरी/हरियाणा/जयवीर फोगाट। अतिरिक्त उपायुक्त डा. मुनीष नागपाल ने कहा है कि पानी की गुणवत्ता और उपलब्धि के आधार पर सभी जिलों से रिपोर्ट लेने के बाद पानी से संबधित समस्याओं को हल करने की कारगर नीति तैयार की जाएगी। इस संदर्भ में संबधित अधिकारी अपनी रिपोर्ट शीघ्र हरियाणा वाटर रिसोर्सिज अथोरिटी को भिजवाना सुनिश्चित करें।

डा. मुनीष नागपाल लघु सचिवालय सभागार में हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण की ओर से बुलाई गई बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक के आयोजन का उद्देश्य जिला में पानी का समस्त विवरण एकत्रित करना था। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि जिला के सिंचाई, कृषि, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, मत्स्य पालन, पशुपालन, भूजल आदि विभाग अपना-अपना ब्यौरा शीघ्र भिजवा दें। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसी मकसद से हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण का गठन किया है। ताकि हर एक जिला में हर प्रकार के क्षेत्र चाहे वह सूखा हो, सेमग्रस्त हो, नहरी पानी की आपूर्ति पर निर्भर है या बरसात के पानी पर, उस इलाके में पानी का उचित प्रबंध तथा वहां की समस्याओं का समाधान किया जा सके। जल प्रबंधन के लिए सरकार तेजी से विभिन्न योजनाओं पर काम कर रही है। सेवानिवृत जल विशेषज्ञ व हरियाणा वाटर रिर्सोसिज अथोरिटी के सदस्य एम.एस.लांबा ने कहा कि दादरी में बौंद, इमलोटा, बिरही, जयश्री आदि जलभराव वाले इलाके हैं तो बाढड़ा जैसा सूखा क्षेत्र भी है। कहीं पीने का पानी मिल रहा है तो कहीं जलघर खाली पड़ा है। इन सब बातों पर ठोस योजना जल संसाधन प्राधिकरण द्वारा बनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि मिट्टी व पानी की गुणवत्ता तथा उपलब्धता के अनुरूप प्रत्येक क्षेत्र में पानी की आवश्यकता का अलग पैमाना है। गत वर्ष सरकार ने पानी को बचाने के लिए मेरा पानी मेरी विरासत योजना शुरू की थी। इस पोर्टल पर पानी से संबधित काफी जानकारी मिल सकती है। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानी में क्लोरिन, नाईट्रेट, मैग्रिशियम आदि की मात्रा सहित सही जानकारी दी जाए। एम.एस.लांबा ने कहा कि हर एक विभाग अपनी जरूरत और उपलब्धता के अनुसार पानी की जानकारी प्राधिकरण के ऑनलाईन पोर्टल पर अपलोड कर दें। जिससे कि इस दिशा में आगे काम जल्दी शुरू किया जा सके। इस मौके पर सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता सतेंद्र सांगवान, योजना अधिकारी दीवान सिंह, पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डा. जसवंत जून, मत्स्य पालन अधिकारी किरणबाला, सहायक अधिकारी रामनिवास इत्यादि उपस्थित रहे।

अवैध हथियार के साथ रोको टीम ने एक अपराधी किया गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नार्थ जिला/नई दिल्ली/भावना शर्मा। नॉर्थ पुलिस जिला के अंतर्गत कोतवाली थाना पुलिस ने नाईट गश्त के दौरान रोको टीम ने एक अपराधी को अवैध हथियार के साथ पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी से एक देशी पिस्टल, 2 जिंदा कारतूस व एक चोरी की बाईक बरामद की है। आरोपी पहले भी 7 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है तथा उसकी गिरफ्तारी दो मामलों के सुलझने का खुलासा हुआ है। डीसीपी नॉर्थ सागर सिंह कल्सी ने बताया कि कोतवाली थाना पुलिस की रोको टीम रविवार की रात चांदनी चौक में बनखंडी के पास गश्त के दौरान चैंकिंग कर रही थी तभी पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली की एक अपराधी बाईक पर हथियार के साथ घूम रहा है। पुलिस ने जांच का क्षेत्र बढ़ा दिया और जैसे ही पुलिस ने उसे देखा तो उसे रोककर पूछताछ की और बाईक के कागजात दिखाने को कहा। लेकिन वह कोई जवाब नही दे पाया तब पुलिस टीम का नेतृत्व कर रहे एसआई योगेश कुमार व हवलदार मुकेश ने उसे हिरासत में ले लिया और जब उसकी

तलाशी ली तो उसके पास से एक पिस्टल व दो जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बाईक की जांच में वह भी चोरी की निकली। पुलिस ने आरोपी समीर उर्फ तिलन निवासी कटरा शेख चंद, लाल कुआं दिल्ली के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। हालांकि आरोपी ने बताया कि उसने आमिन हमजा निवासी आसिफ अली रोड़ दिल्ली से 7 हजार में देशी पिस्टल खरीदा था। उसने लाहौरी गेट थाना इलाके से होंडा लिवो चोरी की थी। पुलिस हथियार सप्लाई करने वाले शख्स को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का अविस्मरणीय योगदान-स्वामी आर्य वेश

आयोजन

- अनेकों क्रांतिकारियों ने महर्षि दयानंद से प्रेरणा ली-आर्य रविदेव गुप्ता
- पुलवामा के शहीद सैनिकों के बलिदान ने नीव को सींचा-अनिल आर्य

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/भावना शर्मा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का योगदान विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया व पुलवामा के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।यह कोरोना काल में 360 वां वेबिनार था। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष स्वामी आर्य वेश ने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान रहा परंतु इतिहास में उसको समुचित स्थान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद एक क्रांतिकारी विचारक थे उनकी अलग सोच ने समाज को नई दिशा दी। आर्य रविदेव गुप्ता ने कहा कि आर्य समाज क्रांतिकारी गतिविधियों का केन्द्र रहा।अंग्रेजी सरकार भी उनसे भय खाती थी।महर्षि दयानंद की निर्भीकता से सभी प्रेरणा प्राप्त करते रहे। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने पुलवामा के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पाकिस्तान सदैव आंतकवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है।उस पर बार बार भरोसा करना और धोखा खाना राजनीतिक भूल है।

राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि स्वामी दयानन्द ने समस्त विश्व का पथ-प्रदर्शन करने वाली सत्यार्थ प्रकाश नामक एक अत्यन्त महत्वपूर्ण पुस्तक लिखी इसमें उन्होंने लिखा कि विदेशी राजा चाहे कितना ही न्यायप्रिय, कितना ही सत्यनिष्ठ क्यों न हो किन्तु !स्वदेशी राजा सदा विदेशी राजा से अच्छा होता है।सत्यार्थ प्रकाश से प्रेरणा लेकर असंख्य नौजवानों ने देश के लिए मर मिटने की कसम खाई और स्वतंत्रता की बलिवेदी पर हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। युवा नेत्री नताशा कुमार, प्रशस्ति रस्तोगी, आस्था आर्या, डॉ अमर जीत शास्त्री (न्यूयॉर्क),डॉ बलबीर आचार्य, दुर्गेश आर्य, धर्म पाल आर्य, महेंद्र भाई, यशोवीर आर्य, चिंकी झा, डॉ सौरभ आर्य,(यमुनानगर), ईश आर्य, स्वतंत्र कुकरेजा आदि ने अपने विचार रखे। अध्यक्षता विश्व मोहन आर्य(दुबई) ने की व कुशल संचालन दीप्ति सपरा ने किया।

गायिका प्रवीना ठक्कर, पिंकी आर्या, रजनी चुघ, रजनी गर्ग, उर्मिला आर्या, ईश्वर देवी, रचना वर्मा, रविन्द्र गुप्ता, प्रतिभा सपरा, संतोष धर, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, रेखा गौतम आदि के मधुर गीत हुए।

दुनिया के सबसे बड़े एलईडी कार्यक्रम ने बनाया देश को उर्जावान- आरके सिंह

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। मंगलवार को चौथा भारत-ऑस्ट्रेलिया ऊर्जा संवाद कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से आयोजन किया गया। इस संवाद की अध्यक्षता भारत की ओर से विद्युत और नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह और आस्ट्रेलिया की ओर से ऊर्जा एवं उत्सर्जन न्यूनीकरण मंत्री हैंगस टेलर ने कीं। इस मौके पर श्री सिंह ने बताया कि भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा एलईडी कार्यक्रम चलाया है जिसके जरीये भारत ने देश में 13800 करोड़ यूनिट बिजली की बचत कर देश को ऊर्जा अधिशेष का दर्जा दिलाया है। आरके सिंह ने चौथे भारत-ऑस्ट्रेलिया उर्जा संवाद में बोलते हुए कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंध दिन प्रतिदिन प्रगाढ़ हो रहे है। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से सभी देश चिंतित हैं और एनर्जी ट्रांजिशन की आवश्यकता अब जरूरी हो गई है। भारत ने ऊर्जा की कमी वाले देश से ऊर्जा अधिशेष देश का दर्जा हासिल किया है। भारत की योजना भावी पीढ़ी के लिए पर्यावरण को संरक्षित करने की है। भारत का लक्ष्य 2030 तक 40 फीसदी स्थापित गैर जीवाश्म इंधन अक्षमता हासिल करना था लेकिन इसे समय से 9 साल पहले नवंबर 2021 तक ही हासिल कर लिया गया है। अब तक कुल 395 मेगा वाट में से 147 मेगा वाट नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित की जा चुकी है। 2030 तक देश में 500 मेगावाट क्षमता को जोड़ा जाएगा।

एमजी मोटर्स की नई जेडएस ईवी 2022 नये फीचर के साथ होगी लांच

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

गुरूग्राम/शिव कुमार यादव। एमजी मोटर्स की बहुप्रतीक्षित नई जेडएस ईवी 2022 अपने नए अवतार में 10.1 इंच के एचडी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और सेगमेंट में पहली बार एंड्रॉयड और एप्पल कार प्ले कनेक्टिविटी से सुसज्जित होकर आएगी। नई जेडएस ईवी में एमजी की वैश्विक यू.के. डिजाइन की झलक मिलती है। इसमें समझदार उपभोक्ताओं के लिए सुविधा, आराम और लक्जरी के सभी तत्व मिलेंगे। केस (कनेक्टेड, ऑटोनॉमस, शेयर्ड और इलेक्ट्रिक) मोबिलिटी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, आधुनिक ऑटोनिर्माता ने आज ऑटोमोबाइल सेगमेंट में सभी श्रेणियों और वर्गों र प्रभाव डालने वाले अनुभवों को बेहतर किया है। जेडएस ईवी के साथ, एमजी ने ग्राहकों के लिए 5-वे चार्जिंग पारितंत्र का विस्तार किया है, जिसमें घर और ऑफिस में मुफ्त एसी फास्ट चार्जर, पोर्टेबल-इन-कार-चार्जिंग केबल, डीलरशिप पर डीसी सुपरफास्ट चार्जिंग स्टेशन, सफर में 24झ7 चार्जिंग की सुविधा (5 शहरों) तथा सैटेलाइट शहरों और पर्यटन केंद्रों में चार्जिंग स्टेशन शामिल हैं। जेडएस ईवी 2022 में सामने के हिस्से को पूरी तरह कवर करती ग्रिल और चार्जिंग सॉकेट दिया गया है, जो अब एमजी लोगो के बायीं ओर स्थित है। इसमें सनरूफ और 17 इंच के नए डिजाइन के एलॉय व्हील्स दिए गए हैं। नई जेडएस ईवी अपडेट किए गए फंट फेसिया, एलईडी हेडलैम्प्स, डीआरएल्स, एलॉय व्हील्स की नई डिजाइन और नई टेल-लाइट डिजाइन के साथ आएगी। कार में पिछली सीटों पर बैठे यात्रियों को बेहतरीन सुविधा और आराम प्रदान करने के लिए कपहोल्डर के साथ रियर सीट सेंटर आर्म- रेस्ट और सेंटरहेड रेस्ट दिए गए हैं। नई जेडएस ईवी की पिछली सीट पर बैठे यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा के लिए रियर एयर-कंडीशिनिंग वेंट्स की सुविधा दी गई है। एमजी मोटर ने 2020 में जेडएस ईवी पेश की थी। यह कार इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में सबसे व्यावहारिक पेशकशों में से एक है। यह भारत में लॉन्च किसी भी इलेक्ट्रिक वाहन द्वारा पेश की गई सबसे लंबी रेंज में से एक है। एमजी मोटर ने भारत में जेडएस ईवी के दो सफल वर्ष पूरे कर लिए हैं जोकि देश में स्थिर गतिशीलता को लेकर ब्रैंड की प्रतिबद्धता की पहचान है।

मामला पुलिस ने की मामले को छुपाने की कोशिश, पहलं दर्ज किया था चोरी का मामला

दिल्ली फिर हुई शर्मसार, तिलकनगर में 87 वर्षीय बुजुर्ग महिला से दुष्कर्म

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव। दिल्ली में महिला सुरक्षा को लेकर एक बार फिर दिल्ली शर्मसार हुई है। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि जिस पुलिस पर हम महिला सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपे हुए है उसी पुलिस ने इस मामले को छुपाने की कोशिश की थी और पहले चोरी का मामला दर्ज किया था। यहां बता दें कि तिलक नगर इलाके में कथित तौर पर एक अज्ञात शख्स द्वारा घर में घुसकर 87 वर्षीय बुजुर्ग महिला से दुष्कर्म की शर्मनाक घटना सामने आई है। पीड़ित महिला अपनी 65 वर्षीय बेटी के साथ रहती है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने सोमवार को इस बारे में

जानकारी देते हुए बताया कि बिस्तर पर पड़ी 87 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला ने आरोप लगाया है कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उसके घर में घुसकर उसका यौन उत्पीड़न किया और फिर उसका मोबाइल फोन लेकर भाग गया। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार रात की है, जब महिला की 65 वर्षीय बेटी अपने एक दोस्त से मिलने बाहर गई थी। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें यौन उत्पीड़न और चोरी से संबंधित धाराएं भी शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि 13 फरवरी को बुजुर्ग महिला की बेटी ने घर से मोबाइल फोन चोरी होने की शिकायत दी थी, जिस पर एफआईआर की गई थी, आज पुलिस को दुष्कर्म होने की शिकायत दी गई है, जिसके बाद पुलिस ने पहली एफआईआर में ही दुष्कर्म की धारा जोड़ दी हैं। वहीं, बुजुर्ग महिला के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने कार्रवाई में देरी की और उनकी शिकायत नहीं ली। हालांकि, अधिकारियों ने इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि प्राप्त शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी। दिल्ली पुलिस को टैग करते हुए परिवार के एक करीबी ने ट्वीट किया, मेरे दोस्त की 87 वर्षीय दादी के साथ कल दिल्ली के तिलक नगर में बलात्कार किया गया था। उन्हें भी चोटें आई हैं। /पुलिस सहयोग नहीं कर रही है और एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर रही है। पुलिस ने कहा कि रविवार रात को केवल चोरी की शिकायत दर्ज की गई थी और इसके आधार पर तिलक नगर पुलिस स्टेशन में तुरंत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा कि सोमवार को शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसका यौन उत्पीड़न भी किया गया और इससे संबंधित आईपीसी की धाराओं को एफआईआर में जोड़ा गया है। दिल्ली पुलिस ने ट्वीट किया, रविवार को तिलक नगर के एक घर से एक वरिष्ठ नागरिक की बेटी से मोबाइल फोन चोरी की लिखित शिकायत मिली, जिसके बाद संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

वजन बढ़ाने के लिए

अंजीर के साथ इन चीजों को मिलाकर करें सेवन

वजन घटाने को लेकर तो हम कई तरह की तरकीब अपनाते हैं लेकिन वजन बढ़ाने के बारे में बहुत कम ही लोग सोच पाते हैं। जो लोग दुबले-पतले होते हैं वह अक्सर किस तरह से वेट गेन करना है इसके उपाय सोचते रहते हैं। वह अपनी डाइट में ऐसी कई चीजों को शामिल करते हैं जिन्हें खाने से वजन तेजी से बढ़ने लगता है। अगर आप भी वजन को बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी डाइट में अंजीर को शामिल कर सकते हैं। दरअसल अंजीर एक ऐसा फल है जिसे कच्चा और सूखा दोनों तरह से ही खाया जा सकता है। अंजीर में पोटैशियम, मिनरल, कैल्शियम और विटामिन के गुण भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ऐसे में वजन को बढ़ाने के लिए आप अंजीर को कई चीजों के साथ मिलाकर उसका सेवन कर सकते हैं।

- अंजीर और किशमिश दोनों में हेल्दी फैट मौजूद होता है। वजन को बढ़ाने के लिए आप 10 किशमिश और 5 अंजीर को रातभर पानी में भिगोकर अगली सुबह खा सकते हैं। इसका सेवन करने से आपका वजन बढ़ने लगेगा और आपको दुबले-पतले होने की शिकायत नहीं होगी।
- दूध में कैल्शियम अधिक मात्रा में मौजूद होता है। अंजीर और दूध का साथ में सेवन करने से शरीर स्वस्थ रहता है। वजन को बढ़ाने के लिए भी आप अंजीर और दूध का सेवन एकसाथ कर सकते हैं। यह बॉडी वेट को बढ़ाने में मदद करता है और सर्दियों में शरीर को गर्म रखता है।

बीमारियों से दूर रहेगा शरीर

- ओट्स को पोषक तत्वों का खजाना माना जाता है। हालांकि ओट्स खाने से वजन कम करने में मदद मिलती ह लेकिन अगर आप वजन को तेजी से बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं तो आप ओट्स में दूध और अंजीर के छोटे-छोटे टुकड़े डालकर ब्रेकफास्ट में इसका सेवन कर सकते हैं। ऐसा करने से आपका वजन बढ़ने लगेगा
- अगर आपको मीठा खाना पसंद है तो आप अपनी डाइट में अंजीर के हलवे को शामिल कर सकते हैं। अंजीर का हलवा स्वाद और सेहत से भरपूर होता है। इसके सेवन से वजन को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। साथ ही यह सर्दियों में शरीर को स्वस्थ रखता है।
- अंजीर और खजूर- शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सर्दियों में खजूर जरूर खाना चाहिए। खजूर में कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं। अगर आप अपना वजन बढ़ाना चाहते हैं, तो अंजीर और खजूर का मिल्क शेक या अंजीर और खजूर का हलवा बनाकर खा सकते हैं।

स्ट्रेस, सिर दर्द से परेशान हैं तो अपनाएं मड थेरेपी

नेचुरोपैथी यानी प्राकृतिक चिकित्सा कई चीजों के इलाज के लिए बेस्ट ऑप्शन होता है। ये जड़ से समस्याओं को दूर करता है और इनका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता। ऐसी ही एक थेरेपी है मड थेरेपी। जी हां, मड थेरेपी दरअसल नेचुरोपैथी उपचार है जिसमें मिट्टी के लेप से समस्याओं को समाप्त किया जाता है। सरल भाषा में कहें तो मिट्टी से शरीर पर लेप कर या मिट्टी की पट्टियां रखकर जो उपचार किया जाता है, उसे मड थेरेपी कहते हैं। मड थेरेपी के जरिये कई रोगों का इलाज किया जाता है। इस थेरेपी के जरिये स्किन से संबंधित समस्याओं से लेकर तनाव, दर्द, बेचैनी आदि समस्याओं का जड़ से समाधान किया जाता है।

कैस काम करता है मड थेरेपी

टीओआई के मुताबिक, आयुर्वेद में माना जाता है कि हमारा शरीर पांच तत्वों- पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश से बना है। इसलिए मिट्टी यानी पृथ्वी में शरीर को अंदर से ठीक करने और किसी भी तरह के असंतुलन को ठीक करने की क्षमता होती है। मिट्टी में बहुत सारे ऐसे खनिज होते हैं जो शरीर को डीटॉक्स करते हैं और कई सारे स्वास्थ्य लाभ पहुंचाते हैं। तो आइए जानते हैं मड थेरेपी के बारे में।

पीरियड के दर्द में आराम...*महिलाओं में अनियमित पीरियड की समस्या के चलते यूटेरस, हाथ-पैर, कमर और ब्रेस्ट में दर्द होता है। भूख कम लगना, थकान महसूस करना, वजन बढ़ना और कब्ज होने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में मड थेरेपी बेहद कारगर साबित हो सकती है। पीरियड के दर्द से राहत पाने के लिए गर्म मिट्टी की पट्टी अपने पेट पर रखें, जिससे दर्द से राहत मिलेगी। वहीं जिनको पीरियड के दौरान ब्लीडिंग ज्यादा होती है वे महिलाएं पेट के निचले हिस्से पर गीली मिट्टी की पट्टी रखें तो राहत मिलेगी। इसके अलावा, अनियमित पीरियड के लिए मड बाथ थेरेपी लें।*

बहुत गुस्सैल हो गए हैं आजकल आप? आज ही अपनी डाइट में लाएं बदलाव

अगर आप सिटी में रहते हैं तो चिड़चिड़ापन, तनाव, गुस्सा, झुंझलाहट आदि से आए दिन दो-चार होते रहते होंगे। लेकिन महानगर में अपने गुस्से को निकाले की कोई जगह नहीं होती। इस इरिटेशन में या तो आपकी फैमिली लाइफ डिस्टर्ब होती है या ऑफिस में आपसे लोग दूर रहने लगते हैं। ऐसी सिचुएशन से बाहर आने के लिए अगर आप अपनी डाइट में कुछ बदलाव लाएं तो आपकी ये समस?या आसानी से दूर हो सकती है। माइंडबॉडी के मुताबिक, कैलिफोर्निया युनिवर्सिटी के एक शोध में पाया गया कि जब शरीर में ट्रांस फैटी एसिड अधिक मात्रा में बढ़ने लगते हैं तो ये शरीर में ऐग्रेशन यानी गुस्सा बढ़ाने का काम करते हैं और यह ब्रेन एबिलिटी को भी तेजी से इफेक्ट करता है। जबकि ओमेगा 3 फैटी एसिड ऐग्रेशन को कम करने का काम करता है। तो आइए जानते हैं कि गुस्से को कंट्रोल करने के लिए आपको किस तरह का भोजन करना चाहिए।

इस तरह डाइट करें प्लान

- प्लेट में अधिक से अधिक रंगों वाले फल और सब्जियों का इस्तेमाल करें।
- जहां तक हो सके नेचुरल तरीके से भोजन का सेवन करें। मसलन, जूस की बजाए फल का सेवन करें।
- डोपामाइन फूड जैसे फिश, चिकन, अंडे, हरी सब्जियों का सेवन करें।
- ओमेगा 3 फैटी एसिड वाले फूड जैसे फिश, अखरोट, मशरूम, सीड्स आदि को डाइट में शामिल करें।
- मैग्नीशियम रिच फूड मसलन, बादाम, पालक, पम्पकिन सीड, सनफ्लॉवर सीड का सेवन करें जिससे बेहतर नींद में आपको मदद मिलेगी।

क्या कहता है आयुर्वेद

हेल्थशॉटके मुताबिक, आयुर्वेद हमारे शरीर को मौलिक शक्तियों के एक संतुलन के रूप में समझता है जिसमें वात दोष, कफ दोष, और पित्त दोष शामिल हैं। इन्हें त्रिदोष के नाम से जाना जाता है। स्वस्थ रहने के लिए हमारे शरीर में इन तीनों दोषों का संतुलन होना बहुत आवश्यक है। जब भी कोई विशेष दोष बढ़ जाता है तो यह शारीरिक और मानसिक असंतुलन या किसी बीमारी के रूप में सामने आता है। ऐसे में कुछ खाने की चीजें हमारे मूड को डिस्टर्ब करते हैं और हमें गुस्सा और चिड़चिड़ापन आने लगता है।

ओएस्टर मशरूम न्यूट्रिशन से है भरपूर

अगर आप ओएस्टर मशरूम को अपनी डाइट में शामिल करें तो ये बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या को ठीक करने में आपकी मदद करता है। दरअसल इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर और गुड फैट

विंटर आते ही सब्जी मंडी में तरह-तरह के मशरूम नजर आने लगते हैं। इन्हीं में से एक है ओएस्टर मशरूम। ओएस्टर मशरूम रंग और आकार में सीप की तरह दिखता है जो बेहद स्वादिष्ट और सेहतमंद होता है। ओनली माई हेल्थ के मुताबिक, ओएस्टर मशरूम में भरपूर मात्रा में फाइबर, बीटा-ग्लूकन, कैलोरी, वसा, सोडियम, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और विटामिन पाए जाते है। इसमें नियासिन, राइबोफ्लेविन और पैंटोथेनिक एसिड जैसे विटामिन भी होते हैं जो कोलेस्ट्रोल कम करने और हार्ट की कई समस्याओं को दूर करने में कारगर है। इसके सेवन से इम्यून सिस्टम भी मजबूत रहती है। इसके अलावा यह एलर्जी की समस्याओं को भी दूर करने का काम करता है। तो आइए जानते हैं कि ओएस?टर मशरूम हमारी बेहतर सेहत के लिए कितना फायदेमंद होता है।

कंट्रोल करता है बैड कोलेस्ट्रोल

अगर आप ओएस्टर मशरूम को अपनी डाइट में शामिल करें तो ये बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या को ठीक करने में आपकी मदद करता है। दरअसल इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर और गुड फैट पाया जाता है जो कोलेस्ट्रॉल के लक्षण को कम करने के लिए जरूरी होते हैं। ये फाइबर यकृत में ट्राइग्लिसराइड इकट्ठा नहीं होने देते जिससे लिवर संबंधित कई समस्याएं दूर रहती हैं।

हेल्दी रखें हार्ट

ओएस्टर मशरूम में कैलोरी भरपूर मात्रा में पाई जाती है जिससे पूरे दिन आपका पेट भरा हुआ रहता है। साथ ही इसमें मौजूद फाइबर और प्रोटीन हृदय रोगों को दूर करने और उसके लक्षणों को कम करने में भी सहायक हैं।

हड्डियों को बनाए मजबूत

ओएस्टर मशरूम में कैलोरी भरपूर मात्रा में पाई जाती है जिससे पूरे दिन आपका पेट भरा हुआ रहता है। साथ ही इसमें मौजूद फाइबर और प्रोटीन हृदय रोगों को दूर करने और उसके लक्षणों को कम करने में भी सहायक हैं।

ओएस्टर मशरूम में भरपूर मात्रा में विटामिन डी और मैग्नीशियम

पाया जाता है जो हमारी हड्डियों से संबंधित समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए लोग ज्यादातर कैल्शियम से भरपूर चीजों का सेवन करना चाहते है लेकिन आपको बता दें कि कैल्शियम के साथ विटामिन डी और मैग्नीशियम के सेवन से ही आपकी हड्डियां मजबूत हो सकती है।

इम्यूनिटी बढ़ाए...ओएस्टर मशरूम में बीटा-ग्लूकेन्स पाया जाता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है। साथ ही इसमें एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते है जिसकी मदद से रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। यह फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से भी हमें बचाता है।

फैटी लिवर के मरीज इन 6 फूड्स से बना लें दूरी

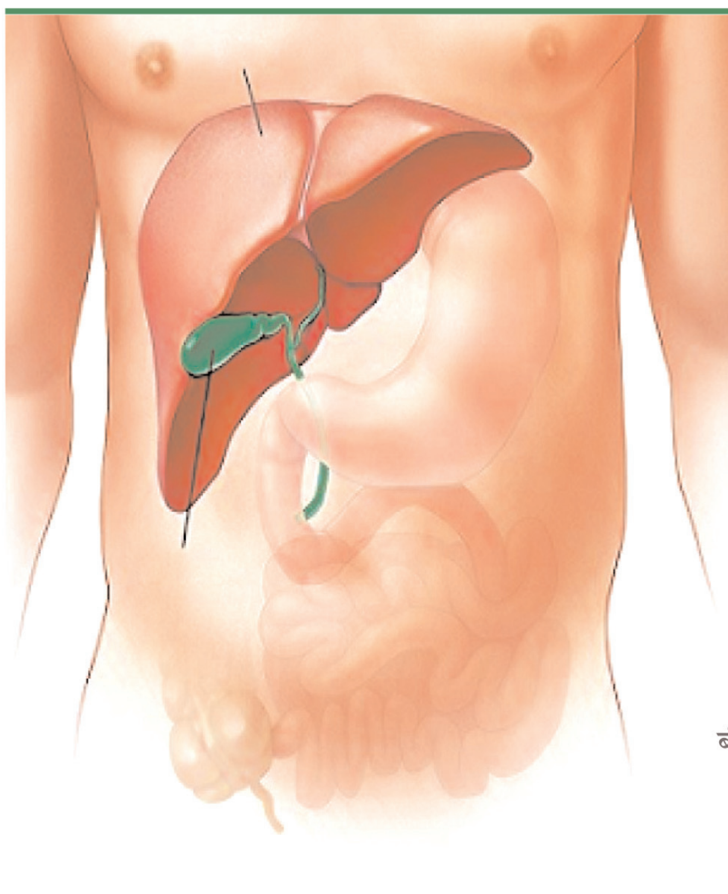

फैटी लिवर की परेशानी सिर्फ शराब पीने वाले लोगों को ही होती है ऐसा नहीं है, जो लोग शराब की लत से दूर रहते हैं वे भी फैटी लिवर के शिकार हो सकते हैं। तेजी से बदली लाइफ स्टाइल ने हमारी दिनचर्या को अस्त-व्यस्त कर दिया है। इसी का परिणाम है कि अब ज्यादातर लोग तनावग्रस्त होते हैं, इसके साथ ही खान-पान की गलत आदतें भी लोगों को फैटी लिवर जैसी बीमारी पैदा कर रही हैं। बता दें कि लिवर का कार्य शरीर के लिए प्रोटीन बनाना, पाचन के लिए पित्त का प्रोडक्शन करना, पोषक तत्वों को ऊर्जा में तब्दील करने के साथ बैक्टीरिया और टॉक्सिन्स को खून से निकालकर संक्रमण से लड़ने में मदद करना होता है। हमारी थोड़ी सी लापरवाही हमें फैटी लिवर का शिकार बना सकती है। ऐसे में ये जानना जरूरी है कि आखिर फैटी लिवर बीमारी क्या होती है। **healthline** के अनुसार अगर कोई इस बीमारी का शिकार हो जाए तो उसे इन 6 फूड्स से हमेशा के लिए दूरी बना लेना चाहिए।

क्या होता है फैटी लिवर?

फैटी लिवर बीमारी में हमारे लिवर में अतिरक्त वसा जमा हो जाती है। फैट बढ़ने पर यह लिवर सिरोसिस या फिर लिवर फेलियर तक का कारण बन सकता है। जिन लोगों में फैटी लिवर की परेशानी देखी जाती हैं उन्हें अक्सर पेट संबंधी कोई न कोई समस्या बनी रहती है। फैटी लिवर की परेशानी होने पर मरीज को थोड़ा सा खाने पर ही ओवर ईटिंग का एहसास होता है, वहीं दूसरी ओर कई बार डाइट से ज्यादा खाने पर भी पेट भरा होने का एहसास नहीं होता है।

फैटी लिवर के कारण

- अधिक वजन होना
- अनुवांशिक
- अत्यधिक शराब पीना
- जरूरत से ज्यादा दवाओं का सेवन
- टाइप-2 डायबिटीज होना
- मेटाबॉलिज्म सिंड्रोम होना
- खराब डाइट होना
- पोस्ट मेनोपॉज से गुजर रही महिला
- डायबिटीज, बीपी, हाई कोलेस्ट्रॉल होने पर

6 फूड्स से बना लें दूरी

एल्कोहल : फैटी लिवर बीमारी होने की सबसे बड़ी वजह एल्कोहल यानी शराब होती है। अत्यधिक शराब पीने की वजह से फैटी लिवर की समस्या होने के साथ ही लिवर संबंधी अन्य बीमारियों के होने का भी खतरा बढ़ जाता है।

शुगर: खाने की जिन चीजों में ज्यादा मात्रा में शुगर होती है, ऐसे सभी फूड्स को फैटी लिवर के मरीजों को नहीं खाना चाहिए। जैसे कैंडी, कुकीज, सोड़ा और फ्रूट जूस।

फ्राइड फूड: फैटी लिवर के मरीजों को तेल और मसालेदार चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। बाजार के फूड आइटम्स भी हाई कैलोरी और हाई फैट वाले होते हैं जो लिवर के लिए काफी नुकसानदायक होते हैं।

अतिरिक्त नमक : अत्यधिक मात्रा में नमक का सेवन करने से नॉन एल्कोहोलिक फैटी लिवर डिजीज होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में ये अनुशंसा की गई है कि रोजाना 2300 मिलीग्राम से ज्यादा सोडियम हमारे शरीर में नहीं पहूंचना चाहिए।

ब्रेड, चावल, पास्ता : सफेद आटा अत्यधिक प्रोसेस किया होता है हमारे शरीर में ब्लड शुगर काफी तेजी से बढ़ती है। इसमें खड़े अनाज के मुकाबले फाइबर काफी कम होता है।

रेड मीट : फैटी लिवर के शिकार मरीजों के लिए रेड मीट बेहद नुकसानदायक होता है। रेड मीट जैसे बीफ, डेलि मीट में अत्यधिक मात्रा में सेचुरेटेड फैट होता है जो शरीर के लिए काफी घातक हो सकता है।

आईपीएल

ओस्तवाल को दिल्ली कैपिटल्स के एकादश में मौका मिलने का यकीन नहीं, पर सीखने को तैयार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा बने भारत की अंडर-19 विश्व चैंपियन टीम के स्पिनर विक्की ओस्तवाल को इस टी20 लीग के आगामी सत्र में काफी मौके मिलने की संभावना नहीं है लेकिन वह अपने पहले सत्र में सीनियर खिलाड़ियों से सीखने को लेकर उत्सुक हैं। बेंगलुरू में रविवार को आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने बाएं हाथ के स्पिनर ओस्तवाल को 20 लाख रुपए में खरीदा। ओस्तवाल ने आईपीएल वेबसाइट पर डाले गए वीडियो में कहा, मुझे यकीन नहीं है कि मुझे खेलने का मौका मिलेगा या नहीं लेकिन सीखने का मौका हमेशा मिलता है। कुछ शानदार खिलाड़ियों के साथ मंच साझा करना मेरे लिए सीखने के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, नीलामी में जैसे ही मुझे चुना गया, मुझे उसका (यश धुल) वीडियो कॉल आया और वह दिल्ली कैपिटल्स द्वारा मुझे चुने जाने को लेकर काफी खुश था। भारत की अंडर-19 विश्व कप टीम के कप्तान धुल को भी नीलामी के दूसरे दिन दिल्ली की टीम ने 50 लाख रुपए में खरीदा। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा चुने जाने पर खुशी जाहिर करते हुए ओस्तवाल ने कहा, जब मैं बच्चा था तभी से आईपीएल देख रहा हूं। हमेशा से मेरा आईपीएल में खेलने का सपना था क्योंकि यह सबसे बड़ा मंच है जो आपको मिल सकता है। उन्होंने कहा, मैं अपने कमरे में था, नीलामी देख रहा था और मेरा नाम काफी देर से आया। मुझे पता था कि मैंने अंडर-19 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन साथ ही यह मेगा नीलामी थी इसलिए मुझे लगता कि शायद मुझे ना भी चुना जाए। उन्नीस साल के इस खिलाड़ी ने कहा कि खेल के सभी विभाग में योगदान देने की क्षमता के कारण भारतीय आलराउंडर रविंद्र जडेजा हमेशा उनके आदर्श रहे हैं। ओस्तवाल ने कहा, वह (रविंद्र जडेजा) मेरे आदर्श है। वह जिस तरह का खिलाड़ी, वह गेंदबाजी, बल्लेबाजी में योगदान देता है और सबसे महत्वपूर्ण विभाग क्षेत्ररक्षण है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिससे प्रत्एक टीम अपने साथ चाहती है।

बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला से पहले अफगानिस्तान की पूरी टीम कोविड नेगेटिव

एजेंसी ■ ढाका

अफगानिस्तान की पूरी क्रिकेट टीम और सहयोगी स्टाफ के सदस्य बांग्लादेश के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला से पहले कोविड-19 नेगेटिव पाए गए हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने कहा कि बुधवार को किए गए दूसरे रेपिड एंटीजेन परीक्षण में खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य नेगेटिव पाए गए। बांग्लादेश दौर पर आई अफगानिस्तान की टीम के कुछ सदस्य कुछ दिन कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे जिसमें कुछ खिलाड़ी भी शामिल थे। तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला चटगांव में 23 फरवरी को शुरू होगी। एसीबी ने बयान में कहा, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला की शुरुआत से पहले, अफगानिस्तान के सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों का बुधवार 16 फरवरी को किया गया दूसरा रेपिड एंटीजेन कोविड-19 परीक्षण का नतीजा नेगेटिव आया है। बयान के अनुसार, मंगलवार सुबह अफगानिस्तान टीम के कई सदस्यों के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद खिलाड़ी 15 फरवरी से सिलहट में पृथकवास पर थे जहां एकदिवसीय श्रृंखला से पहले उन्हें हफ्ते भर के ट्रेनिंग और अनुकूलन शिविर में हिस्सा लेना था। कुछ सदस्यों के पॉजिटिव पाए जाने के बाद बांग्लादेश को मंगलवार को अपना अभ्यास सत्र रद्द करना पड़ा था। कोविड-19 परीक्षण के नतीजे नेगेटिव आने के बाद अफगानिस्तान की टीम गुरुवार से तैयारी शुरू करेगी।

बीजिंग ओलंपिक 2022

बीजिंग विंटर ओलंपिक में अल्पाइन स्कीइंग वीमन्स अल्पाइन कंबाइंड डाउनहिल में स्विटजरलैंड की वेंडी होल्डनर परफॉर्म करती हुईं।

बीजिंग विंटर ओलंपिक में आइस हॉकी वीमन्स का गोल्ड मेडल जीतने के बाद सेलिब्रेटिंग मोड में कनाडा महिला हॉकी टीम।

पूर्व भारतीय मिडफील्डर सुरजीत सेनगुप्ता का निधन

एजेंसी ■ कोलकाता

भारत के पूर्व मिडफील्डर और ईस्ट बंगाल के दिग्गज खिलाड़ी सुरजीत सेनगुप्ता का कोविड-19 से लंबे समय तक जूझने के बाद गुरुवार के शहर के अस्पताल में निधन हो गया। सेनगुप्ता 71 बरस के थे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ट्वीट किया, आज स्टार फुटबॉलर सुरजीत सेनगुप्ता को गंवा दिया। फुटबॉल प्रशंसकों के दिलों की धड़कन और बेहतरीन राष्ट्रीय खिलाड़ी के अलावा सुरजीत परफेक्ट जेंटलमैन थे। वह हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे। संवेदनाएं। अस्पताल सूत्रों ने कहा, उनकी हालत स्थिर थी लेकिन शुक्रवार से उन्हें सांस लेने में समस्या होने लगी और उनका आक्सीजन का स्तर भी गिरने लगा। सोमवार से उन्हें लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया था। कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद सेनगुप्ता को 23 जनवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह पिछले हफ्ते से वेंटीलेटर पर थे। उन्होंने आज दोपहर अंतिम सांस ली। उनका जन्म 30 अगस्त 1951 को हुगली जिले के चाकबाजार में हुआ था और उन्होंने अपने फुटबॉल करियर की शुरुआत किदरपोर क्लब के साथ की। राइट विंगर के रूप में खेलने वाले सेनगुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कुआलालंपुर में मर्डेका कप में थाईलैंड के खिलाफ 24 जुलाई 1974 को किया। उन्होंने 14 मैच में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने एशियाई खेल 1974 और 1978 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अपना एकमात्र अंतरराष्ट्रीय गोल कुवैत के खिलाफ 1978 एशियाई खेलों में किया। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने शोक संदेश में कहा, यह सुनकर दुख हुआ कि भारतीय फुटबॉल के इतिहास के सबसे कुशल विंगर में से एक सुरजीत दा का निधन हो गया है। भारतीय फुटबॉल को उनका बहुमूल्य योगदान हमेशा हमारे साथ रहेगा और कभी भुलाया नहीं जाएगा। उनके जाने से भारतीय फुटबॉल को नुकसान हुआ है। सेनगुप्ता ईस्ट बंगाल की उस टीम का हिस्सा थे जिसने 1970 से 1976 के बीच लगातार छह बार कलकत्ता फुटबॉल लीग का खिताब जीतने के अलावा छह बार आईएफए शील्ड और तीन बार डूरंड कप का खिताब जीता।

मेरे लिए अंत तक क्रीज पर टिके रहना महत्वपूर्ण था: सूर्यकुमार

कोलकाता। नाबाद पारियां खेलकर भारत को कुछ अच्छी जीत दिलाने वाले बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि वह फिनिशर की भूमिका का लुत्फ उठा रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार को पहले टी20 में भारत ने कप्तान रोहित शर्मा की 40 रन की तेजतर्रार पारी के बाद तीन विकेट जल्दी गंवाए लेकिन सूर्यकुमार ने 18 गेंद में नाबाद 34 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिला दी। भारत ने अंत में छह विकेट की आसान जीत दर्ज की। सूर्यकुमार ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि मेरे लिए अंत तक क्रीज पर डटे रहना और अपनी टीम को जीत दिलाना महत्वपूर्ण था। पिछले महीने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के साथ इस प्रारूप में टीम में वापसी करने वाले सूर्यकुमार 32 गेंद में 39 रन की पारी के दौरान अच्छी लय में दिखे लेकिन 288 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए।

श्रेयस से हरफनमौला प्रदर्शन चाहती है टीम, कहा कप्तान रोहित ने

एजेंसी ■ कोलकाता

श्रेयस अय्यर भले ही आईपीएल की मेगा नीलामी में तीसरे सबसे महंगे बिके खिलाड़ी हों लेकिन भारत की टी20 टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें हरफनमौला प्रदर्शन करना होगा क्योंकि कप्तान रोहित शर्मा के अनुसार टीम को मध्यक्रम में इसी की जरूरत है। श्रेयस के लिए बुधवार का दिन मिला जुला रहा। कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें आईपीएल में अपनी टीम का कप्तान बनाया लेकिन शाम को उन्हें पता चला कि वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 मैच में भारतीय टीम में उनके लिए जगह नहीं है। रोहित ने दूसरे मैच में छह विकेट से मिली जीत के बाद कहा , श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी को बाहर बैठना पड़ रहा है। यह बहुत कठिन है लेकिन टीम की जरूरत के हिसाब से फैसला लिया गया। हमें मध्यक्रम में हरफनमौला की जरूरत है। उन्होंने कहा , टीम में इस तरह की प्रतिस्पर्धा देखकर अच्छा लग रहा है। भारतीय कप्तान ने कहा , श्रेयस को हमने बताया है कि विश्व कप से पहले टीम को एक हरफनमौला की जरूरत है। वे सभी चतुर और पेशेवर खिलाड़ी हैं और समझते हैं कि टीम सर्वोपरि है। उन्होंने कहा , अंतिम एकादश का चयन कई मानदंडों को ध्यान में रखकर किया जाता है। विरोधी टीम , हालात, मैदान का आकार वगैरह। कई बार बाहर होने वाले खिलाड़ियों के लिए काफी कठिन होता है लेकिन हम स्पष्ट संदेश दे रहे हैं। हमें टीम को सबसे पहले रखना है। रोहित ने मैच से पहले भी कहा था कि आईपीएल के समीकरणों के आधार पर वह टीम नहीं बनाएंगे। उन्होंने ऐसा ही किया जब श्रेयस (12.25 करोड़), शार्दुल ठाकुर (10.75 करोड़) और आवेश खान (10 करोड़) को बाहर बैठना पड़ा। वहीं आईपीएल टीमों द्वारा रिटेन किए गए रूतुराज गायकवाड़ (छह करोड़ रूपए) और मोहम्मद सिराज (सात करोड़) भी बाहर रहे।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के नए चेयरमैन होंगे लाकलन हेंडरसन

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने गुरुवार को लाकलन हेंडरसन को बोर्ड का नया चेयरमैन नियुक्त किया। हेंडरसन अंतरिम चेयरमैन रिचर्ड फ्रुडेनस्टीन की जगह लेंगे। पूर्व घरेलू क्रिकेट खिलाड़ी और एपवर्थ हेल्थकेयर के मौजूदा समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेंडरसन पिछले पांच महीने में पद संभालने वाले तीसरे चेयरमैन होंगे। पिछले साल अक्टूबर में एर्ल एडिंग्स के इस्तीफे के बाद से यह पद खाली था। सीए ने गुरुवार को विज्ञप्ति में कहा, तुरंत कार्यकाल की शुरुआत करने वाले डॉ. हेंडरसन ने संकेत दिए है कि उनकी पहली प्राथमिकता क्रिकेट के लिए एक मजबूत, स्थाई वित्तीय भविष्य सुनिश्चित करना, विशेष रूप से लड़कियों और महिलाओं के बीच भागीदारी में वृद्धि, राज्य और क्षेत्रीय अध्यक्षों और सभी हितधारकों के साथ बेहतर परामर्श और खेल के उच्च मानकों को बरकरार रखना होगा।

टूर्नामेंट

छह भारतीय पुरुष मुक्केबाज चोटिल होने के कारण स्ट्रेंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के छह पुरुष मुक्केबाजों को चोटिल होने के कारण बुल्गारिया के सोफिया में 19 फरवरी से शुरू होने वाले स्ट्रेंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट से बाहर होने के लिए बाध्य होना पड़ा। खेल मंत्रालय ने यूरोपीय सर्किट के इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में भारतीय टीम के हिस्सा लेने के लिए कोष को स्वीकृति दे दी है। ट्रेनिंग के दौरान मामूली चोटों के कारण गोविंद (48 किग्रा), अंकित (51 किग्रा), राजपिंदर सिंह (54डज), दलवीर सिंह (63.5 किग्रा), रोहित टोकस (71 किग्रा) और गौरव चौहान (92 किग्रा) का नाम टूर्नामेंट से वापस ले लिया गया है। भारतीय पुरुष टीम में अब सिर्फ सात मुक्केबाज शामिल हैं जिसमें से अधिक राष्ट्रीय चैंपियनशिप के पदक विजेता हैं। एशियाई चैंपियन पूजा रानी (81 किग्रा) और सोनिया लाठेर (57 किग्रा) के हटने के बाद भारत की महिला टीम में 10 सदस्य हैं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने कहा, ट्रेनिंग के दौरान चोट लगती रहती हैं। कुछ खिलाड़ी खेलना चाहते थे लेकिन यह उनके सर्वश्रेष्ठ हित में था कि वे पूरी तरह उबर जाएं क्योंकि इस साल राष्ट्रमंडल और एशियाई खेल जैसे बड़े टूर्नामेंट होने हैं। इस बीच भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने कहा कि सरकार टूर्नामेंट में टीम के हिस्सा लेने का खर्चा उठाएगी। साइ ने विज्ञप्ति में कहा, सरकारी खर्चे पर महिला टीम के लिए पांच सहयोगी स्टाफ और पुरुष टीम के लिए चार सहयोगी स्टाफ को भी यात्रा की स्वीकृति दी गई है। भारतीय टीम के लिए तैयारी के लिहाज से यह टूर्नामेंट अहम होगा जिसे इस साल मई में विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लेना है। स्ट्रेंड्जा टूर्नामेंट के पिछले सत्र में भारत ने दीपक कुमार के रजत और नवीन बूरा के कांस्य पदक के रूप में दो पदक जीते थे।

हॉकी विश्व कप

भारतीय टीम ने हाल ही में मस्कट में एशिया कप में तीसरे स्थान पर रहकर विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया था।

महिला हॉकी विश्व कप में भारत के ग्रुप में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और चीन

एजेंसी ■ भुवनेश्वर

भारतीय महिला हॉकी टीम को एक जुलाई से स्पेन और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए पूल बी में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और चीन के साथ रखा गया है। भारतीय टीम ने हाल ही में मस्कट में एशिया कप में तीसरे स्थान पर रहकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था। भारतीय टीम की अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा , यह कठिन पूल है क्योंकि विश्व रैंकिंग में इंग्लैंड (तीसरे नंबर पर) और न्यूजीलैंड (आठवें नंबर पर) हमसे ऊपर है और चीन कभी भी उलटफेर कर सकता है। उन्होंने कहा , एक टीम के रूप में हमारा फोकस हमेशा से अपने प्रदर्शन पर रहा है , विरोधी की क्षमता पर नहीं। अब चूंकि हमें पता चल गया है कि पूल चरण में किनसे खेलना है तो हम उसके अनुसार तैयारी कर सकते हैं। भारतीय टीम पिछले विश्व कप में पहली बार शीर्ष आठ में रही थी। भारत ने इंग्लैंड और अमेरिका से। .। से ड्रॉ खेला था और आयरलैंड से 0 .। से हार गए थे। नीदरलैंड ने आयरलैंड को हराकर विश्व कप जीता था। सविता ने कहा , वह बहुत अच्छा टूर्नामेंट था जिससे हमारा आत्मविश्वास बढा। इंग्लैंड को उसकी धरती पर ड्रॉ पर रोकना 2018 में हमारे लिए बहुत बड़ी बात थी। वह क्वार्टर फाइनल में आयरलैंड को हराने के करीब पहुंचे थे लेकिन शूटआउट में हार गए। उन्होंने कहा , पिछले तीन चार साल में मिले अनुभव खासकर तोक्यो ओलंपिक के बाद अब हमारी तैयारी मानसिक रूप से भी बेहतर है और हम विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। भारतीय महिला टीम ने पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में इतिहास रचते हुए चौथा स्थान हासिल किया था। सविता ने कहा कि एफआईएच प्रो लीग के आगामी मैचों से उन्हें विश्व कप की तैयारी में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा , हम अप्रैल में यहां प्रो लीग में इंग्लैंड से खेल रहे हैं और चीन के खिलाफ खेल ही चुके हैं। बेल्जियम, अर्जेंटीना जैसी शीर्ष टीमों से खेलकर हमें विश्व कप की तैयारी में मदद मिलेगी। भारत को ग्रुप बी में रखा गया है जबकि ग्रुप ए में विश्व चैम्पियन नीदरलैंड, जर्मनी, आयरलैंड और चिली हैं। ग्रुप सी में मेजबान स्पेन , अर्जेंटीना, कोरिया और कनाडा की टीमें हैं जबकि पूल डी में आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, जापान और दक्षिण अफ्रीका हैं।

विनायक पराशर के शानदार खेल से एस एस नालंदा की पुष्पा क्रिकेट में शानदार जीत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

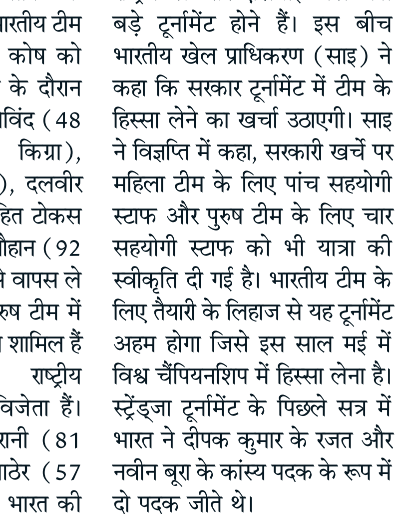

विनायक पराशर के हरफनमौला खेल 61 रन और 4 विकेट 18 रन देकर भुवेश 3/16 मोईन अली 32 रनो के शानदार खेल की मदद से एस एस नालंदा 5 विकेट पे 129 रन ने आर पी एल क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रही आल इंडिया पुष्पा अंडर 17 क्रिकेट टूर्नामेंट में कोशिकाला अकादमी 123 आल आउट को 5 विकेट से हराकर लीग में फोर अंक अर्जित किये पराजित टीम की और से ऋषभ ने शानदार खेल 34 रन और 3/22 का खेल भी अपनी टीम को हार से ना बचा पाया शानदार खेल के लिए विनायक पराशर को मैन ऑफ़ दी मैच से टूर्नामेंट सचिव किशन कुमार बलि जी ने सम्मानित किया। दिन के दूसरे मैच में निखिल यादव की घातक गेंदबाजी 5 विकेट 26 रन देकर और कीर्ति वर्धन 43 रन इंजीमम 32 रनो के शानदार खेल की मदद से टी नं म अकादमी ने मौलाना आज़ाद क्लब को 8 विकेट से हराकर पुष्पा क्रिकेट लीग में शानदार जीत दर्ज की हारी हुई टीम से धनंजय ने शानदार 35 रन बनाये शानदार खेल के लिए निखिल यादव को मेन ऑफ़ दी मैच से DDCA स्टेट पेनल अंपायर रविंदर चौधरी जी ने सम्मानित किया।

सच्ची जनसेवा के लिए राजनीति से जुड़ना जरूरी- सजंय गिरधर

दिल्ली के सीएम केजरीवाल व नजफगढ़ के विधायक व परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत से प्रभावित होकर हुए आम आदमी पार्टी में शामिल

पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पंहुचाने का संजय गिरधर ने शुरू किया जनसेवा अभियान, लोगों का मिल रहा भारी जन समर्थन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज

नजफगढ़/शिव कुमार यादव। दिल्ली में निगम चुनाव की आहट के साथ ही नजफगढ़ में नेता समाजसेवी का टैग लगाकर अपनी उम्मीदवारी पक्की करने में जुट गये हैं लेकिन संजय गिरधर ऐसा नाम है जो किसी परिचय का मोहताज नही है। वो ऐसे शख्स है जो अपने संघर्ष काल से ही हमेशा सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे हैं। संजय गिरधर नजफगढ़ में ही सामाजिक संगठनों की मदद नही करते बल्कि पूरे देश में गऊ सेवा व कई सामाजिक संगठनों से भी जुड़े हैं। उनके पास जो भी मदद मांगने आता है वह कभी खाली हाथ नही जाता है। फिर भी संजय गिरधर ने लोगों की परेशानियों को देखते हुए राजनीति से जुड़ने का निर्णय किया और दिल्ली के सीएम केजरीवाल व नजफगढ़ विधायक व परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गये हैं। संजय गिरधर आज न केवल आम आदमी पार्टी के सक्रिय सदस्य है और आम आदमी पार्टी की जनहितैषी नीतियों को जन-जन तक पंहुचा रहे है। आज जिस तरफ भी वो जा रहे है उधर ही उनका स्वागत करने के लिए लोगों का जनसमुह उमड़ पड़ता है। वहीं लोगों की माने तो संजय गिरधर ऐसे शख्स है जो लोगों की परेशानियों को दूर कर सकते है। लोग भी अब ऐसे उम्मीदवारों को निगम में देखना चाहते है जो न केवल जनसेवा से जुड़ा हो बल्कि लोगों के काम कराने के लिए भी पूरी तरह से समर्थ हो। नजफगढ़ से संजय गिरधर की दावेदारी को लोगों का भारी समर्थन तो मिल ही रहा है साथ ही लोग सीएम केजरीवाल से भी संजय गिरधर को नजफगढ़ से पार्टी का टिकट देने की अपील कर रहे हैं। लोगों की माने तो संजय गिरधर ने अभी तक सच्चे मन से निस्वार्थ जन सेवा की है और वो हमेशा अपने कार्य के प्रति ईमानदार रहे हैं। नजफगढ़ क्षेत्र के लोग अब आगे बढ़कर संजय गिरधर का स्वागत कर रहे है और अपना समर्थन दे रहे है। लोगों का यह भी कहना है कि इस बार निगम में आम आदमी पार्टी ही आयेगी क्योंकि लोग भाजपा के भ्रष्टाचार से काफी खफा है। लोगों के बीच जाकर पार्टी नीतियों के बारे में जानकारी दे रहे संजय गिरधर से जब समाज सेवा के साथ राजनीति में आने का कारण पूछा तो उन्होने नजफगढ़ मैट्रो न्यूज को बताया कि समाजसेवा में भी कई बार अड़चने आ जाती है। लोगों के उन कामों को पूरा कराने के लिए राजनेताओं की तरफ देखना पड़ता है। फिर अगर वो काम नही होता तो दिल को बुरा लगता है कि मैं लोगों की मदद नही कर पाया। इसी कारण के चलते मैंने राजनीति में शामिल होने का निर्णय लिया ताकि सच्ची जनसेवा कर सकूं। लोग भी चाहते है कि मैं चुनाव लड़ू और उनकी परेशानियों को दूर करूं। यहां बता दें कि संजय गिरधर पिछले 20 साल से समाजसेवा से जुड़े है और इस समय वह कई संस्थाओं का नेतृत्व भी कर रहे है। जिनमें साई बाबा मंदिर नजफगढ़ के महासचिव, नजफगढ़ पिंजारापोल सोसायटी के तहत चार गौशालाओं दिल्ली गेट, मकसूदाबाद, दिचाऊं कलां व मित्राऊं के महासचिव, पंजाबी बिरादरी सनातन के चेयरमैन, सेहाजधारी गुरूद्वारा साहेब एसडीएम बाजार नजफगढ़ के चेयरमैन, बारातघर सोमबाजार नजफगढ़ के चेयरमैन, झंग समाज यानी पंजाबी समाज के चेयरमैन और रामलीला कमेटी नजफगढ़ के अध्यक्ष है। समाजसेवी संजय गिरधर का कहना है कि राजनीति में आकर वह राजनेता नही बल्कि एक जनसेवक ही बने रहना चाहते है और हमेशा पहले की तरह लोगों की सेवा व सामाजिक कार्यों से जुड़े रहेंगे।

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक शिव कुमार तथा संपादक भावना शर्मा ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड 32 कश्मीरी कॉलोनी खैरा विलेज नजफगढ़ नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी 1677 टोडरमल कॉलोनी मेन थाना रोड नई दिल्ली 110043 से प्रकाशित
RNI NO. DELHIN/2009/28409, संपर्क- 9871096636, 9205336006, Email:Nazafgarhmetronews@gmail.com / समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे